ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवकुमार ने यशवंतपुर के गांधी पार्क में नागरिकों की शिकायतें सुनीं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 26 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-292

आतंकी फंडिंग रोकने वाली एफएटीएफ की ताजा लिस्ट जारी

नेपाल ग्रे-लिस्ट में, पर पाकिस्तान बाहर..!

पेरिस, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) नेपाल को ग्रे-लिस्ट में डाल सकता है, लेकिन जिस पाकिस्तान की वजह से नेपाल संदिग्ध बना उस पाकिस्तान को एफएटीएफ केवल चेतावनी देकर छोड़ देता है, उसे ब्लैक या ग्रे-लिस्ट में नहीं डालता। अमेरिका फिलहाल पाकिस्तान का आका बना हुआ है तो किसी पश्चिमी देश से संचालित होने वाले संगठन की अमेरिका के खिलाफ जाने की क्या औकात! भले ही आतंकवाद के मुखालफत की छीछालेदर होती रहे। एफएटीएफ की अध्यक्ष एलिसा डी आंदा माद्राजो ने पाकिस्तान को चेतावनी देकर दुनिया के सामने अपनी झेंप मिटाई और कहा कि ग्रे-लिस्ट से बाहर आने का मतलब यह नहीं कि आतंकी फंडिंग का लाइसेंस मिल गया है।

एफएटीएफ ने अपनी ताजा समीक्षा रिपोर्ट में उत्तर कोरिया, ईरान और म्यांमार को दोबारा ब्लैक-लिस्ट में रखा है। एफएटीएफ ने कहा कि इन तीनों देशों की एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर टेररिस्ट फाइनेंसिंग व्यवस्था में गंभीर कमियां हैं। ये देश लगातार अपने वादे पूरे नहीं कर पाए हैं और इससे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली को जोखिम बना हुआ है। वहीं, नेपाल समेत 18 देश ग्रे-लिस्ट में बने हुए हैं। एफएटीएफ का कहना है कि इन देशों की एएमएल/सीएफटी व्यवस्था में गंभीर कमियां हैं और तय समय में सुधार न हुआ तो कड़े कदम उठाए जाएंगे। म्यांमार को अक्टूबर 2022 में ब्लैक-लिस्ट में डाला गया था। म्यांमार अब तक अपनी एक्शन प्लान के

एफएटीएफ ने की पाकिस्तानी करतूतों की अनदेखी

ट्रंप कर रहे फेवर, हो रही एफएटीएफ की छीछालेदर

ज्यादातर बिंदुओं पर प्रगति नहीं कर पाया है। एफएटीएफ ने चेतावनी दी थी कि अगर अक्टूबर 2025 तक सुधार नहीं हुए तो और कड़े कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि म्यांमार ने जब्त की गई संपत्तियों के प्रबंधन में कुछ सुधार किए हैं, लेकिन उसे अपने कानून प्रवर्तन तंत्र में वित्तीय खुफिया जानकारी के इस्तेमाल, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अवैध संपत्तियों की जब्ती पर और काम करने की जरूरत है।

इसी सिलसिले में ईरान ने 2018 में समाप्त हुए अपने एक्शन प्लान को अब तक पूरा नहीं किया है। हालांकि उसने अक्टूबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र के एक आतंक वित्तपोषण से जुड़े कानून को मंजूरी दी है, लेकिन एफएटीएफ के अनुसार अब भी कई प्रमुख कमियां बाकी हैं। फरवरी 2020 से ईरान ने कई रिपोर्टें जमा कीं, लेकिन कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। एफएटीएफ ने सदस्य देशों को कहा है कि वे ईरान से संबंधित वित्तीय संस्थानों पर सख्ती बरतें, नई शाखाएं खोलने की अनुमति न दें और जोखिमों को ध्यान में रखें। उत्तर कोरिया को लेकर एफएटीएफ ने कहा कि उत्तर कोरिया (डीपीआरके) के अवैध हथियार कार्यक्रम और धन शोधन अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं। संगठन ने सभी देशों से आग्रह किया है कि वे डीपीआरके से वित्तीय लेनदेन सीमित करें, उसकी बैंकों की शाखाएं बंद करें और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत प्रतिबंध लागू करें। रिपोर्ट में कहा गया कि उत्तर कोरिया की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली से बढ़ती कनेक्टिविटी से प्रोलिफरेशन फाइनेंसिंग (हथियार प्रसार से जुड़ी फंडिंग) का खतरा और बढ़ गया है।

दूसरी ओर एफएटीएफ ने नेपाल, अल्जीरिया, अंगोला, बुल्गारिया, कैमरून, कोट डी आइवोर, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, केन्या, लाओस, मोनाको, नामीबिया, दक्षिण सूडान, सीरिया, वेनेजुएला, वियतनाम सहित 18 देशों की प्रगति की समीक्षा की। इसमें नेपाल को फरवरी 2025 में ग्रे-लिस्ट में रखा गया था। नेपाल ने एफएटीएफ और एशिया पैसिफिक ग्रुप (एपीजी) के साथ मिलकर अपने एएमएल/सीएफटी सिस्टम को मजबूत करने का वादा किया है। एफएटीएफ ने कहा कि नेपाल को मनी लॉन्ड्रिंग/टेरर फाइनेंसिंग जोखिमों की बेहतर पहचान, बैंकों, सहकारी समितियों, रियल एस्टेट और कैसीनो पर सख्त निगरानी, अवैध हवाला संचालकों पर कार्रवाई, अपराध से अर्जित संपत्तियों की जब्ती, और कानूनी सुधारों पर तेजी से काम करना होगा। यदि नेपाल दो वर्षों के भीतर सुधार नहीं करता, तो उसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है।

इसके साथ ही बुर्किना फासो, मोजाम्बिक, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका को प्रगति के आधार पर ग्रे-लिस्ट से हटा दिया गया है। वहीं, बोलीविया, हैती, लेबनान, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (यूके) और यमन ने अपनी रिपोर्ट पेश करने को टाल दिया है। एफएटीएफ ने कहा कि ग्रे-लिस्ट वाले देशों से एन्हांस्ड ड्यू डिलिजेंस (अतिरिक्त जांच) की मांग नहीं की गई है,

▶10 पर

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को बताया

तमिलनाडु में भी शुरू होगा एसआईआर

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कॉपी मांगी

चेन्नई, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बाद अब तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन एसआईआर) कराने की तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि वह तमिलनाडु समेत चुनावी राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया अगले हफ्ते से शुरू करेगा। राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुलमुरुगन की बेंच को उक्त सूचना से अवगत कराया।

हाईकोर्ट को चुनाव आयोग की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है जब ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) पार्टी के पूर्व विधायक बी सत्यनारायणन की याचिका पर सुनवाई जारी है। पूर्व विधायक का आरोप है कि चेन्नई के टी नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों ने लगभग 13,000 एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, 1998 में क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,08,349 थी, जबकि 2021 तक यह केवल 36,656 बढ़ी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या और मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है। उनका यह भी आरोप है कि जहां 13,000 समर्थकों के नाम हटा दिए गए हैं, वहीं मृत व्यक्तियों के नाम अब भी सूची में बने हुए हैं। सत्यनारायण का आरोप है कि इससे द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) को फायदा हुआ। पूर्व विधायक ने अदालत से अपील की कि 2026 विधानसभा चुनावों से पहले टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण किया जाए और गलत एंट्रीज को हटाकर अंतिम सूची जारी की जाए।

निर्वाचन आयोग ने अदालत को भरोसा दिया है कि प्रस्तावित एसआईआर के दौरान याचिकाकर्ता की शिकायत पर विचार किया जाएगा। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई अगले हफ्ते तक के लिए स्थगित कर दी और आयोग को निर्देश दिया कि बिहार एसआईआर से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की कॉपी पेश की जाए।

सीआईए के पूर्व अधिकारी का सनसनीखेज खुलासा

अमेरिका ने परवेज मुशर्रफ को खरीद लिया था

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकू ने हैरान कर देने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने दावा किया है कि अमेरिका ने परवेज मुशर्रफ को खरीद लिया था। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की चाबी अमेरिका के पास थी। जॉन किरियाकू ने सीआईए में 15 साल तक काम किया है। वे पाकिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों के साथ लंबे समय जुड़े रहे। किरियाकू ने कहा, अमेरिका को तो हमेशा से ही तानाशाहों के साथ काम करना रास आया है, वहां क्योंकि जनता का दबाव नहीं होता। हमने तो मुशर्रफ को भी खरीद लिया था, उस समय पाकिस्तान हमें मन मुताबिक काम करने देता था।

किरियाकू कहते हैं, मुशर्रफ उस जमाने में दोहरा खेल खेला करते थे। वे एक तरफ अमेरिका को आश्वासन देते थे कि आतंकवाद के खिलाफ सहयोग देंगे तो वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान की सेना और दूसरे आतंकी संगठनों को भारत के खिलाफ सक्रिय रखते थे। अमेरिका के इस पूर्व अधिकारी ने यहां तक दावा किया है कि मुशर्रफ की असली चिंता भारत थी। वे भारत के खिलाफ ही पर्दे के पीछे से काम कर रहे थे। पाकिस्तान को परमाणु संपन्न बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक अब्दुल कादिर खान को लेकर भी किरियाकू ने खुलासे किए हैं। उनके मुताबिक अमेरिका चाहता तो इजराइल की तरह अब्दुल कादिर को खत्म कर सकता था, लेकिन सऊदी अरब के कहने पर कार्रवाई से रुक गया था। असल में उस समय सऊदी को अब्दुल कादिर की जरूरत थी, किसी प्रोजेक्ट पर साथ में काम किया जा रहा था। किरियाकू ने वर्तमान अमेरिकी नीतियों को भी सवालों में लिया है। उनका कहना है कि अमेरिका लोकतंत्र की बात जरूर कर रहा है, लेकिन उसकी विदेश नीति पूरी तरह स्वार्थ पर टिकी हुई है। अमेरिका दिखाना चाहता है कि वह मानवाधिकारों की रक्षा कर रहा है, लेकिन असल में वह सिर्फ अपने फायदे के बारे में सोच रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा वन-डे क्रिकेट भारत ने जीता

रोहित और विराट ही काम आए

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

सिडनी, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिन दो क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए किस्म-किस्म के निंदा प्रस्ताव जारी हो रहे थे, उन्हीं दोनों खिलाड़ियों ने भारत की इज्जत रख ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार साझेदारी की मदद से भारत ने तीसरे वन-डे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए एक दिवसीय (वन-डे) क्रिकेट में रोहित शर्मा ने शतक लगाया और विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की साझेदारी हुई जिसके दम पर भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट पर 237 रन बनाकर मैच जीत लिया। हालांकि, तीन मैचों की यह सीरीज 2-1 से ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम की।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 236 रन बनाए। जवाब में रोहित शर्मा ने शतक लगाया और कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई। इसे जोश हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। इसके बाद रोहित और कोहली की जोड़ी ने मोर्चा संभाला और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की जमकर क्लास ली। यह दोनों बल्लेबाज अंत तक टिके रहे और नाबाद रहते हुए पवेलियन लौटे। रोहित ने 125 गेंदों पर 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 121 रन बनाए, जबकि कोहली 81 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस मुकाबले में रोहित शर्मा और विराट कोहली के बीच 170 गेंदों में 168 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। वन-डे में रोहित और कोहली की संयुक्त रूप से सर्वाधिक बार यानि 12वीं दफा हुई 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वन-डे में हरा दिया। इस मामले में रोहित और विराट ने सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की बराबरी कर ली। दोनों के बीच 12 बार इस प्रारूप में 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई थी। रोहित ने पहले वनडे करियर का 60वां अर्धशतक पूरा किया और फिर शानदार पारी जारी रखते हुए शतक लगाया। रोहित ने अपनी इस शतकीय पारी के दम पर कई उपलब्धियां हासिल कर ली है।

▶10 पर

अरुणाचल प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा धर्मांतरण

धार्मिक स्वतंत्रता कानून लागू करने की मांग

ईटानगर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंडिजिनस फेथ एंड कल्चरल सोसाइटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश (आईएफसीएसएपी) ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू से अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम-1978 (अरुणाचल प्रदेश फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट-1978) को तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की है। संस्था के अध्यक्ष डॉ. एमी रूमी ने कहा कि दिसंबर 2024 में आईएफसीएसएपी के रजत जयंती समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा अधिनियम को लागू करने की घोषणा की गई थी, परंतु 10 माह बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस देरी के कारण सनातन समाज में गहरा असंतोष व्याप्त है। सरकार की निष्क्रियता को देखते हुए एक जनहित याचिका (पीआईएल) भी दाखिल की गई थी, जिस पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर पीठ ने मार्च 2025 में राज्य सरकार को अधिनियम के नियम बनाकर तत्काल लागू करने के निर्देश दिए थे। आईएफसीएसएपी ने बीते 18 अक्टूबर को ▶10 पर

बंगाल के सीमावर्ती जिलों में लगेंगे 1000 सीएए कैंप

हिंदू शरणार्थियों को दिलाई जाएगी नागरिकता

कोलकाता, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली और काली पूजा खत्म होने के साथ ही पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी अगली बड़ी मुहिम शुरू कर दी है। भाजपा पूरे राज्य में 1000 से ज्यादा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) शिविर लगाने जा रही है। इन शिविरों का उद्देश्य है बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया में मदद करना।

यह अभियान खासकर सीमावर्ती जिलों, उत्तर 24 परगना, नदिया, कूचबिहार और उत्तर दिनाजपुर में चलाया जाएगा, जहां आबादी का संतुलन पहले से काफी बदल चुका है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समीक

भाजपा ने कहा, जनता से किया वादा निभाएंगे

भट्टाचार्य और भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार ने कहा कि यह पार्टी का जनता से किया पुराना वादा है। कोविड के कारण नियम बनने में देरी हुई थी, लेकिन अब संगठन इसके लिए पूरी तरह तैयार है। बीते बुधवार 22 अक्टूबर को भाजपा ने कोलकाता में एक कार्यशाला भी आयोजित की, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय संगठनों को सीएए प्रक्रिया की ट्रेनिंग दी गई। पार्टी का कहना है कि सीएए को लेकर फैली गलतफहमियों को दूर करना और लोगों को यह समझाना जरूरी है कि यह कानून क्यों लाया गया था।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) शिविर लगाने का अभियान आगामी विधानसभा चुनावों से पहले शुरू किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) भी शुरू होने जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि सीएए शिविर खासकर उन इलाकों में लगेंगे जहां ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को हड़काया

पीओके में मानवाधिकार उल्लंघन बंद करो

न्यूयॉर्क, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की मुद्दा जोर-शोर से उठाया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को अवैध रूप से कब्जाए इलाकों (पीओके) में मानवाधिकार उल्लंघन बंद करना चाहिए, खासकर जम्मू और कश्मीर के इलाकों में। गौरतलब है कि हाल के दिनों में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। बीते दिनों ही पीओके में बुनियादी मांगों को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिन्हें पाकिस्तान की सेना ने बेरहमी से कुचला था और इस दौरान कई लोगों की जान गई थी। भारतीय राजदूत पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 80वें यूएन दिवस के अवसर पर हुई खुली बहस के दौरान अपने बयान में कहा कि हम मांग करते हैं कि पाकिस्तान अवैध रूप से कब्जाए इलाकों में जारी मानवाधिकार उल्लंघन को बंद करे। वहां जनता पाकिस्तानी सेना के कब्जे, शोषण, निर्दयता और ▶10 पर

तप अभिनंदन कार्यक्रम एवं शक्ति सलोनी का काव्यपाठ आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में शनिवार को दो विशेष कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कवयित्री शक्ति सलोनी का काव्य पाठ एवं दो कन्याओं का तप अभिनंदन।

साध्वी श्री पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ-कुछ अद्भुत क्षमताएं होती है। सत् पुरुषार्थ के द्वारा उन क्षमताओं को परख कर उनमें निष्णात बना जा सकता है। कवित्व शक्ति का संबंध हमारी सृजन क्षमता से जुड़ा है। कवयित्री शक्ति सलोनी की कविताओं में क्रांति और वीर रस का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। बिना देखे धाराप्रवाह सम-सामयिक विषयों को अध्यात्म के साथ प्रखर कवित्व के रूप में प्रस्तुत करना वास्तव में बेजोड़ कला है। ऐसा लग रहा है मानो सरस्वती कंठो में विराजमान है। ये आगे प्रगति करती रहे ऐसी मंगलकामना है। 'जब तक हिंदुस्तान है, जिंदा हिंदी का सम्मान रहेगा, वो होते भाग्यशाली जिनके घर बेटी जन्मती है। गर्व से सीना ठोक के बोलो हाँ हम जैनी श्रावक है, जैसी कविताओं से बहुत ही सुंदर वातावरण का निर्माण हुआ।

साध्वी जी ने ज्ञानशाला की 2 दस वर्षीय नन्ही बालाओं के बियासन तप की अनुमोदना करते हुए कहा चहल कटारिया के 101 बियासन तथा जेसल मांडोत के 52 दिन के बियासन सानंद संपन्नता की ओर गतिमान हैं। छोटी-छोटी कन्याओं के प्रबल मनोबल और हिम्मत का परिचय दिया है। इस तपस्या के क्षेत्र में ये आगे बढ़े और नया कीर्तिमान जोडे। इनके साथ इनकी दादी-नानी पुष्पा कटारिया ने अपनी पौत्री और दोहित्री के साथ 116 बियासन किये है। सभी का तप आगे प्रवर्धमान रहे। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए इसे एक अभिनव अनुभव बताया। तेयुप से सहमंत्री महेश मांडोत, तेमम अध्यक्ष मंजु बोथरा ने भावाभिव्यक्ति दी। परिवार द्वारा गीतिका प्रस्तुत की गई। दोनों बच्चियों ने गीत द्वारा गुरुदेव के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। कवयित्री एवं तपस्वियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर ने आभार सुरेश दक ने व्यक्त किया। साध्वीश्री के मंगलपाठ से कार्यक्रम सानंद सम्पन्न हुआ।

सत्कार्य कर जीवन को करें सफल: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जीवन सभी जीते है। श्वास लेना ही सब कुछ नहीं होता है। खाना खाकर स्वाद लेना ही जिंदगी नहीं है। अपना पेट तो सभी भरते हैं। लेकिन दूसरों का ख्याल रखने वाले मानव का ही जीवन सफल होता है। अपना अपना देख के जीवन सफल नहीं होगा। जिंदगी चार दिन की है। अगर यह ऐसे ही निकल गया तो जीवन बर्बाद हो जाएगा। जीवन मिला है तो खाने पीने में गंवाना नहीं चाहिए। अपने साथ दूसरों का भी खयाल रखना चाहिए। पेट ही भरते रहोगे तो जीवन नर्कों की ओर बढ़ता चला जाएगा। यह जीवन बहुत ही अनमोल है। ऐसा जीवन मिलना बहुत मुश्किल है। अगर मिला है तो मोक्ष मार्ग पर बढ़ने का प्रयास करें। कोई भी मानव बिना खाए नहीं रह सकता है। लेकिन उसके बावजूद दूसरे भूखे की तकलीफ नहीं समझ पाता है। जीवन की सफलता दूसरों की सेवा में ही है। यह तन बहुत मुश्किल से मिला है। चार दिनों की जिंदगी है तो सेवा सत्कार करते रहना चाहिए। इस चार दिनों की जिंदगी में गलत कार्य करने से बच जाना चाहिए। मुट्ठी बांध कर आया है और वैसे ही जाना है। इसलिए अपने साथ दूसरों के तकलीफ को समझते हुए जीवन को सफल बना लेना चाहिए। यह भव बहुत ही अनमोल है। गया तो वापस मिलना नहीं है। इसलिए सत्कार्यों में ज्यादा ध्यान दें। जीवन में दिल बड़ा रखो। हर किसी के प्रति दिल बड़ा रखें किसी के प्रति भेदभाव नहीं रखना चाहिए। ऐसा कर जीवन को सफल बनाया जा सकता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान्ह 2 बजे के प्रवचन में तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट द्वारा आराधक पुरस्कार दिये जाएंगे। साथ ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

ज्ञान की धरोहर अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का दायित्व सभी का : आचार्य श्री

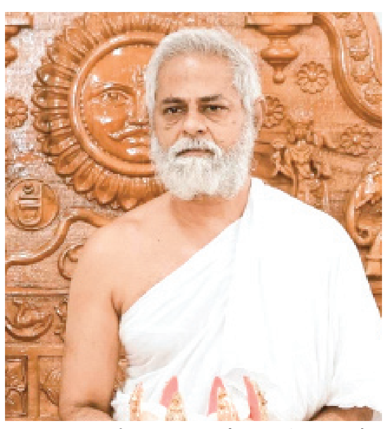

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के श्री वासुपूज्य मुनिसुव्रतस्वामि जैन संघ, माधवनगर में आचार्य श्री अरिहंतसा-गरसूरीश्वरजी ने ज्ञान पंचमी पर्व के पूर्व इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सम्यक ज्ञान दीपक समान है, जो जीवन जीने की सच्ची दृष्टि प्रदान करता है। यह ज्ञान तीर्थंकरों की देशना के माध्यम से और बाद में अनेक पूर्वाचार्यों और महापुरुषों के अथक प्रयासों से आज तक हमारे पास पहुंचा है। पूर्व में यह ज्ञान गुरु-शिष्य परंपरा से मुखपाठ ही प्रवाहित रहा लेकिन काल के थपेडों में दुष्काल के दौरान स्मरण शक्ति के ह्रास आदि कारणों से इसमें बदलाव लाया गया और बाद में हस्तलेखन द्वारा इस ज्ञान को शास्त्रों में ग्रंथारूढ़ किया गया। हजारों वर्षों से चली आ रही यह कला आज भी जारी है और अनेक शहरों में पेशेवर लहियाओं द्वारा ग्रंथ-लेखन का कार्य किया जाता है। इसमें हाथ निर्मित कागज, स्याही, वनस्पति रंग जैसे प्राकृतिक पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। इनसे लिखे गए ग्रंथों का आयुष्य मुद्रित पुस्तकों की तुलना में काफी लंबा होता है जो करीब 800 से 1000 वर्ष तक टिकाऊ है। संघ के सदस्य प्रवीण चौहान ने बताया कि रविवार को ज्ञान पंचमी पर्व के उपलक्ष्य में मुम्बई से हस्तलेखन की सामग्री मंगवाई गई है ताकि ज्ञान की उपासना हेतु श्रद्धालु इसे ज्ञानपूजा में अर्पण कर सकें। हजारों वर्ष प्राचीन इस परंपरा की सुरक्षा से शास्त्रों की भी सुरक्षा करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया गया है। ज्ञान पंचमी के दिन मंदिर में आराधकों के लिए ज्ञान के उपकरण उपलब्ध रहेंगे।

गाय के गोबर से बंजर भूमि भी बन जाती है उपजाऊ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री शशिप्रभा जी, इंदुप्रभा जी, निपुणप्रभा जी, वृद्धिप्रभा जी, रिद्धिप्रभा जी के श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में 2025 के चातुर्मास की स्थाई स्मृति में अलसूर संघ ने गौमाता की सेवार्थ श्री कृष्ण गौशाला, हेनूर में एक विशाल विश्राम स्थल निर्मित कर गौशाला के संचालक संत श्री पुखराज जी को सुपुर्द किया।

अनेक सहयोगियों के सहयोग से निर्मित शेड का उद्घाटन अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया और संत पुखराज जी ने नाम अनावरण कर और फीता खोल कर किया। गौशाला परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अभय कुमार बांठिया ने कहा कि सनातन संस्कृति में गाय को पूज्य और माता का स्थान दिया है। गौमाता की सेवा का अवसर हमारे जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि है। वह दिन धन्य होगा जब भारत की पुण्य धरा से गौ हत्या संपूर्ण निषेध हो जाएगी। गाय की सेवा के लिए दान देने वाले से ज्यादा दान लेने वाला महत्वपूर्ण है जो हमे गौ सेवा का अवसर दे रहे हैं। अपने उद्बोधन में संत पुखराज जी ने कहा कि अलसूर संघ ने अनुकरणीय सेवा की है। यह शेड नहीं बल्कि एक मंदिर का निर्माण हुआ है। गाय के गोबर से बंजर भूमि भी उपजाऊ बन जाती है। हम गाय पर दया करेंगे तो गौमाता हमे हमेशा याद रखेगी। प्रभु का आदेश हो तो ही दान का अवसर मिलता है। इसलिए दान में हम कभी पीछे नहीं रहे। घर में नारी का सम्मान करें। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के प्रयास से निर्मित विश्राम स्थल के लिए श्री जैन युवक अलसूर ने धन संग्रह और निर्माण कार्य में सहयोग किया। अलसूर महिला मंडल एवं नवकार बहु मंडल ने ज्ञान पंचमी के प्रसंग पर गौशाला को पांच पांच पंखे भेंट किए। अलसूर संघ के उपाध्यक्ष गौतमचंद छाजेड़ ने संत पुखराज जी का संघ की ओर से सम्मान किया। इस अवसर पर अलसूर संघ, जैन युवक संघ, महिला मंडल, नवकार बहु मंडल एवं एन एस सी स्कूल के बच्चे भी उपस्थित थे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने धन्यवाद दिया।

राजस्थान परिषद का दीपावली स्नेह मिलन आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद, बेंगलूरु द्वारा दीपावली स्नेह मिलन 2025 का भव्य आयोजन रविवार को पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन में होगा। मीडिया चेयरमैन दिनेश मरोठी ने जानकारी दी कि यह दीपावली स्नेह मिलन राजस्थान परिषद परिवार के आपसी मिलन, संवाद और सौहार्द का प्रतीक होगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण राजस्थान परिषद क्रिकेट लीग द ग्रांट आरपीसीएल की टीमों का ऑक्शन रहेगा, जिसमें अनेक सदस्य उत्साह-पूर्वक भाग लेंगे। इस अवसर पर परिषद की नई डायरेक्ट्री के कवर पेज का विमोचन किया जाएगा। साथ ही, समाज में निःस्वार्थ भाव से अंतिम संस्कार सेवा देने वाले व्यक्तियों को दिव्य सेवा सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, पारिवारिक सौहार्द और राजस्थानी परंपराओं का संगम देखने को मिलेगा। गौरतलब है की राजस्थान परिषद् थली प्रान्त के तेरापंथी परिवारों की संस्था है जिसमे 1800 से अधिक परिवारों के 5000 से अधिक सदस्य है।

जैन धर्म से संबंधित ज्ञान पंचमी सभी के लिए एक अत्यंत ही पूजनीय: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जैन धर्म से संबंधित ज्ञान पंचमी सभी के लिए एक अत्यंत ही पूजनीय और महत्वपूर्ण दिवस है। जैन धर्म प्राचीन भारत का एक धार्मिक धर्म है जो सिखाता है कि मुक्ति और आनंद का मार्ग हानिरहित और त्याग का जीवन जीना है। ज्ञान पंचमी जैन समुदाय के सदस्यों के लिए दिवाली उत्सव का यह अंतिम दिन है। जैन धर्म में यह पर्व कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इसे 'सौभाग्य पचमी' और 'लाभ पंचमी' के रूप में भी जाना जाता है। ज्ञान आंतरिक आत्मा का प्रकाश है। यह एक प्राकृतिक प्रकाश है।

यह जीवन की एक उज्ज्वल लौ भी है। इसके प्रकाश के बिना हम कुछ भी नहीं देख सकते हैं। हम सत्य और असत्य ज्ञान का भेद भी नहीं जान सकते, दूसरा सूर्य और तीसरा नेत्र कहलाता है। इसलिए ज्ञान पंचमी की पूजा करनी चाहिए। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि ज्ञान की आराधना सभी को करना चाहिए। ज्ञान पंचमी एक जैन त्यौहार है जो ज्ञान, शिक्षा और लिखित शब्दों का जश्न मनाता है। यह दिवाली के पाँचवें दिन मनाया जाता है और इसे लाभ पंचमी, सौभाग्य पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। ज्ञान पंणमी एक ऐसा त्यौहार है जहाँ हम जिनवाणी के महत्व का जश्न मनाते हैं। यह जिनभक्ति का त्यौहार है। जैन धर्म में ज्ञान के 5 प्रकार हैं, अर्थात्- मति ज्ञान, श्रुत ज्ञान, अवधि ज्ञान, मन-पर्याय ज्ञान और केवल ज्ञान इन सभी प्रकारों में से, श्रुत ज्ञान सबसे महत्वपूर्ण प्रकारों में से एक है क्योंकि यह इस ज्ञान के माध्यम से है कि हम केवल ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम हैं। यह आत्मा के लिए क्या सही है और क्या गलत है इसका न्याय करने में मदद करता है। यह हमें यह पहचानने में मदद करता है कि कौन से कर्म हमें कहाँ ले जाएँगे वर्तमान युग में, कोई तीर्थंकर, केवली भगवंत और चौदह पूर्वी आदि नहीं हैं और इसलिए हम मोक्ष प्राप्त करने के लिए केवल श्रुत ज्ञान यानी जिनवाणी पर भरोसा कर सकते हैं। इस दिन ज्ञान की देवी माता सरस्वती की आराधना की जाति है।

आत्मा की पहचान में ही है सच्चा सुख : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में साध्वी नंदिनी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार का प्रत्येक प्राणी सुख की तलाश में है। कोई भी दुखी रहना नहीं चाहता, फिर भी संसार का लगभग प्रत्येक जीव किसी न किसी रूप में दुखी है। इसका कारण यह है कि हम बाह्य सुख-साधनों में सुख ढूँढते हैं, जबकि वास्तविक सुख आत्मा के भीतर निहित है। जो धर्ममार्ग पर चलकर आत्मा को पहचान लेता है, आत्मा में रमण करता है, वही सच्चा सुखी कहलाता है। धर्म ही हमें दुखों से मुक्ति पाने और सच्चे सुख को प्राप्त करने की कला सिखाता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्या जन्म और मरण की है। यह समस्या यदि जीवन से निकल जाये तो सारे दुख स्वतः ही समाप्त हो जाते है। समस्याएं हमे विचलित करती है लेकिन हमारा मनोबल मजबूत हो और धैर्य हो तो हम समस्याओं से विचलित नहीं होते। हमे अपने विचारो पर अपनी सोच पर अंकुश लगाना होगा। जब तक हमारा जीव संसार के विकल्पों में उलझा रहेगा यह जन्म मरण का सिलसिला चलता रहेगा। साध्वी ने आगे कहा कि हम जिस धर्म का अनुशीलन करते हैं, वही हमें संभाले रखता है। धर्म केवल आचार या अनुष्ठान नहीं है, वह जीवन का सार है। जो संकट में संबल देता है और विपरीत परिस्थितियों में भी मन को स्थिर रखता है। धर्म ही दुख से हमारी रक्षा करता है और सच्चे, स्थायी सुख के सभी स्रोतों का अवलंब प्रदान करता है।

इस अवसर पर जालना संघ के अध्यक्ष सुदेश सुखलेचा, भरत गादिया , संजय बम्ब, सुनील मुथा , सज्जन सकलेचा, आदि ने आगामी 2026 का चातुर्मास जालना में करने की विनती रखी। साथ ही सूरत संघ से चांदमल मादरेचा , कन्हैयालाल मांडोत , कांतिलाल बंबोरी सहित कई श्रद्धालु, लुधियाना से जिनेंद्र जैन एवं निधि जैन, इचलकरंजी से अजीत चोपड़ा परिवार सहित तथा चंडीगढ़ और नेपाल से भी अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन नेमीचंद दलाल ने किया तथा अंत में राकेश दलाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कला दर्पण द्वारा माराथहल्ली स्थित कला ग्राम में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, कला दर्पण की प्रमुख हेमा विनायक एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।*

बेंगलूरु हिट एंड रन मामला: कार कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश चला रही थीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्यातारायणपुरा में हुई एक हिट-एंड-रन घटना में तीन लोगों के घायल होने के हफ्तों बाद, पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि संबंधित वाहन कथित तौर पर कन्नड़ अभिनेत्री दिव्या सुरेश चला रही थीं।

अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना 4 अक्टूबर की सुबह हुई और वाहन अभिनेत्री का था। पुलिस के अनुसार, किरण जी. अपनी चचेरी बहनों अनुषा और अनीता के साथ मोटरसाइकिल चला रहे थे, तभी कथित तौर पर एक तेज रफ्तार काली कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसे एक ''अज्ञात'' महिला चला रही थी। टक्कर के तुरंत बाद कार मौके से फरार हो गई। दुर्घटना में,किरण (25) और अनुषा (24) को मामूली चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं पड़ी। हालांकि, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अनिता (33) का पैर टूट गया और उन्हें बीजीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सर्जरी की सलाह दी गई। पुलिस ने बताया कि किरण की शिकायत के आधार पर, 7 अक्टूबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से गाड़ी चलाना) और 125(ए) (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान, इलाके के सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि कार सुरेश की थी और वह कथित तौर पर उसे चला रही थीं। उन्होंने आगे कहा, मामले में आगे की जाच जारी है।

शिवकुमार ने यशवंतपुर के गांधी पार्क में नागरिकों की शिकायतें सुनीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का सप्ताहांत बेंगलूरु पार्क वॉक शनिवार को यशवंतपुर विधानसभा क्षेत्र के हीरोहल्ली गांधी पार्क में आयोजित हुआ। स्थानीय नागरिकों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न समस्याएं उठाईं। इस अवसर पर विधायक एस.टी. सोमशेखर भी उपस्थित थे। विश्वेश्वरैया लेआउट 8वें ब्लॉक रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा बायरे गौड़ा ने बताया कि उनके क्षेत्र में कचरा निपटान वाहनों की कमी है। उन्होंने बताया कि सड़कें अच्छी स्थिति में नहीं हैं और खाली जगहों पर वाहन खड़े रहते हैं, जिससे समस्याएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि गांधी पार्क में लगे जिम उपकरण खराब स्थिति में हैं और उनकी मरम्मत की जानी चाहिए।

गोल घेरों में हाई-मास्ट लाइटें लगाई जानी चाहिए। उन्होंने शौचालय व्यवस्था को दुरुस्त करने की अपील की। ब्यादराहल्ली टेलीफोन ब्लॉक के निवासियों की ओर से बोलते हुए एक व्यक्ति ने कहा कि यह ब्लॉक पहले ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र में था और अब जब यह बीबीएमपी में शामिल हो गया है, तो वे बिजली कनेक्शन के लिए 18 लाख, 20 लाख और एक मेकओवर प्रमाणपत्र मांग रहे हैं। कृपया इसकी अनुमति दें। वी.एन. नारायण नाम के एक व्यक्ति ने कहा कि कुवेम्पु पार्क का विकास किया जाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं के लिए एक अलग जिम बनाने की अपील की। श्रीनिवास गौड़ा ने कहा कि मगदी रोड छोटा होने के कारण यातायात जाम बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इसे ठीक किया जाना चाहिए। वासुदेव ने कहा कि राजकालुवा का पानी ब्लॉक में प्रवेश कर रहा है और इसे रोकने के लिए एक अवरोधक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। ब्रहगिरी ब्लॉक के कुमारस्वामी ने कहा कि बीडीए ने एक साल तक कब्जा प्रमाण पत्र जारी करने में देरी की। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि जब वे पानी का कनेक्शन लेने गए तो उनसे महंगी फीस वसूली गई। उपकार ब्लॉक के डॉ. रविकुमार ने अपनी बात रखी और क्लब हाउस की जमीन बीडीए से लेकर वेलफेयर डेवलपमेंट एसोसिएशन को सौंपने का अनुरोध किया। केम्पेगौड़ा नगर के प्रकाश ने अपने इलाके में एक सुसज्जित पुस्तकालय बनाने की माँग की। डोड्डा बिदाकल के चंद्रशेखर ने दुख जताया कि कचरा निपटान इकाई उनके इलाके में है और इससे रहना मुश्किल हो रहा है। नंजुंदया ने कहा कि 1971 में हमने 7 हजार रुपये में 30-40 प्लॉट खरीदे थे। अब इसकी कीमत 48 लाख रुपये है। अगर इसे ए अकाउंट में बदलने के लिए 2 प्रतिशत शुल्क देना पड़े, तो यह लगभग 5 लाख रुपये होता है। उन्होंने इसे कम करने और इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों को बस यात्रा या कोई अन्य मुफ्त सुविधा प्रदान करने की अपील की। जब कुछ लोगों ने नारे लगाए, तो डी.के. शिवकुमार ने नारे लगाने वालों को डाँटा और कहा ऐसा मत करो। कोडिगेहल्ली क्षेत्र के प्रदीप ने कावेरी जल कनेक्शन प्रदान करने का अनुरोध किया। तिरुमलापुर निवासी रामचंद्र ने अनुरोध किया कि उनके गाँव को जीबीए में शामिल किया जाए। कई नागरिकों ने मांग की कि विधायक एस.टी. सोमशेखर ने सभी सुविधाएँ प्रदान की हैं। कुछ छोटी-मोटी कमियाँ हैं। उन्हें दूर किया जाए। मदवनगर के पुष्पराज ने कहा, हमारे गाँव में आंतरिक जल निकासी व्यवस्था नहीं है। लोगों को परेशानी हो रही है क्योंकि उनके गाँव में पाइपलाइन पर बड़े वाहन चल रहे हैं। हीरोहल्ली गाँव के मंजेश ने कहा उनके गाँव की सड़कें संकरी हैं। यातायात बहुत अधिक है। दुर्घटनाएँ बढ़ रही हैं। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण बढ़ गया है। इसे रोका जाना चाहिए। उपद्रवी घटनाओं पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। चंद्रकुमार ने अनुरोध किया कि आठवें मील से मगदी रोड तक मुख्य सड़क का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि हीरोहल्ली वार्ड के आरओ और एआरओ ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें बदला जाना चाहिए। जिसके बाद डी.के. शिवकुमार ने उचित कदम उठाने का आश्वानसन दिया।

कांग्रेसियों ने केम्पेगौड़ा के सपने को पाँच टुकड़ों में तोड़ दिया: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आपत्ति जताई है कि कांग्रेसियों ने केम्पेगौड़ा के सपने को पाँच टुकड़ों में तोड़ दिया है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब यह एक बेंगलूरु नहीं, बल्कि पाँच बेंगलूरु हैं। जीबीए (ग्रेटर बेंगलूरु) चुनाव की तैयारियों को लेकर ब्यातारायणपुरा विधानसभा क्षेत्र के जक्कुर स्थित अमर कन्वेंशन हॉल में प्रमुख लोगों की एक 'संकल्प' बैठक आयोजित की गई। इस बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब जनता के मन से उतर चुकी है।

लड़कियाँ गालियाँ दे रही हैं। हमें इस सरकार का दर्द अगले ढाई साल तक सहना होगा। इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 400 बूथ हैं, जिनमें 4 लाख मतदाता हैं। उन्होंने बूथ स्तर की जिम्मेदारी को उचित ढंग से संभालने का अनुरोध किया। उन्होंने विश्लेषण किया कि हम विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस द्वारा की गई कुछ चालों का प्रभावी जवाब नहीं दे पाए। मैं पिछले 46-47 सालों से राजनीति में हूँ। चुनाव आते ही कांग्रेस में दर्जनों लोग टिकट पाने की कोशिश में लग जाते हैं। मैंने देखा है कि अगर एक को टिकट मिलता है, तो बाकी लोग भी शामिल हो जाते हैं, उसे हराकर मिठाई खाने आते हैं। भाजपा ऐसी नहीं है।

वे कहते थे कि जीतने के बाद मिठाई खाएँगे। उन्होंने दुख जताया कि कांग्रेस की इस बीमारी ने हाल के दिनों में इस निर्वाचन क्षेत्र और कुछ अन्य जगहों पर हमें भी प्रभावित किया है। जैसे-जैसे बेंगलूरु की आबादी बढ़ी है, शहर का विकास हुआ है। आज, बाहरी लोगों की संख्या स्थानीय लोगों से ज्यादा है। बेंगलूरु आर्थिक रूप से विकसित हो रहा है। औद्योगीकरण हुआ है। बाहरी लोगों के प्रवास के कारण यह और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि केम्पेगौड़ा के बेंगलूरु के विकास पर अंकुश लगाया जाना चाहिए था और तुमकुरु और मांड्या जैसे शहरों का विकास होना चाहिए था। ऐसा कोई एहसास नहीं था कि गुलबर्गा और धारवाड़ का विकास होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे भविष्य में साँस लेने में समस्या होगी। उन्होंने आपत्ति जताई कि वर्तमान कांग्रेस सरकार लोगों से जबरन वसूली कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सरकार सत्ता में आती है, तो वह हजारों लोगों को अवसर प्रदान कर सकती है। अगर वह सत्ता में नहीं आती है, तो संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने अपील की कि हमें सरकार की कमियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि पार्टी को चुनाव के आयोजन, अपनी ताकत बढ़ाने और बीएलए 2 को कैसे काम करना चाहिए, इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप सभी ने वास्तव में दृढ़ संकल्प किया होता, तो आज तमेश गौड़ा विधायक बन गए होते।

मेरे बेटे ने केवल वैचारिक उत्तराधिकारी की बात की थी: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने बेटे यतींद्र द्वारा लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली को अपना उत्तराधिकारी बनाने का सुझाव देकर राजनीतिक हलचल मचाने के दो दिन बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि उनका इशारा केवल एक वैचारिक उत्तराधिकारी की ओर था, लेकिन इसे संदर्भ से बाहर 'तोड़-मरोड़कर' पेश किया गया है। यहां पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए, सिद्धरामैया ने कहा अगर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है तो मैं क्या कर सकता हूँ? मैंने यतींद्र से पूछा कि उन्होंने वास्तव में क्या कहा था। उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने सतीश जारकीहोली के बारे में केवल एक वैचारिक उत्तराधिकारी के रूप में बात की थी, अगले मुख्यमंत्री के रूप में नहीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या नेतृत्व परिवर्तन पर चल रही तीखी बहस के बीच ऐसा बयान देना अनुचित था, तो चिढ़े हुए सिद्धरामैया ने मीडिया पर डॉ. यतींद्र की टिप्पणी को ''गलत तरीके से पेश'' करने का आरोप लगाया। इस बीच, उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने इस प्रकरण पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि सभी पार्टी नेताओं को पार्टी अनुशासन का पालन करना चाहिए और वह इस मामले को हाईकमान के समक्ष उठाएंगे।

सात वर्षीय सौतेली बेटी की हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण-पश्चिम बेंगलूरु के कुंबलगोडु में शुक्रवार को एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी सात वर्षीय सौतेली बेटी की हत्या कर दी। आरोपी की पहचान दर्शन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता सिरी, शाम लगभग 5.30 बजे जब उसकी माँ शिल्पा काम से घर लौटी, तो मृत पाई गई। शिल्पा ने पुलिस को बताया, जब मैंने अपनी बेटी को मृत देखा, तो वह घर से भाग गया और मेरे चीखने-चिल्लाने के बावजूद गाड़ी चलाकर भाग गया। उन्होंने आगे बताया कि बाद में उन्होंने पुलिस हेल्पलाइन पर भी कॉल किया। मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मौत के कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। पुलिस ने दर्शन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने कहा, ऐसा लग रहा है कि बच्ची का गला घोंटा गया था, और हमें अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उसका गला तकिये से दबाया गया था या किसी और चीज से। दर्शन की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि शिल्पा अपने पहले पति से अलग हो गई थी और उसने लगभग चार महीने पहले दर्शन से शादी की थी। तब से यह दम्पति पीड़िता के साथ कुंबलगोडु के कनिका लेआउट में रह रहा था।

दलित सेना ने मंत्री प्रियांक खड़गे के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए मार्च निकाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरएसएस के खिलाफ लड़ाई में मंत्री प्रियांक खड़गे के समर्थन में एकजुटता दिखाने के लिए दलित सेना के सदस्य शुक्रवार को कलबुर्गी शहर की सड़कों पर उतरे।

दलित सेना के राज्य अध्यक्ष हनुमंत येलसांघी ने इस मार्च का नेतृत्व किया। कलबुर्गी, बीदर, रायचूर और यादगीर जिलों की दलित सेना की महिला शाखा और युवा शाखा के सदस्यों सहित, दलित सेना के सदस्यों ने जगत सर्कल से उपायुक्त कार्यालय तक एक विशाल मार्च निकाला, जिसमें डॉ. अंबेडकर के चित्र, संविधान की प्रस्तावना और खड़गे के पोस्टर प्रदर्शित किए गए। सेना के सदस्यों ने राज्य सरकार से आरएसएस की गतिविधियों पर

पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए टायर जलाए। आरएसएस नेताओं पर कड़ा प्रहार करते हुए, येलसांघी ने कहा कि आरएसएस देश भर में अल्पसंख्यकों और दलितों को निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन के वित्तपोषण स्रोतों और उसके पंजीकरण पर सवाल उठाने पर उन्होंने खड़गे को धमकी भरे फोन किए हैं। उन्होंने कहा, अगर आरएसएस लाठी लेकर मार्च निकालता है, तो दलित सेना के सदस्य आरएसएस को करारा जवाब देने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस और आरएसएस के बीच गुप्त गठबंधन का आरोप लगाते हुए, येलसांघी ने दावा किया कि कांग्रेस आरएसएस को अपना समर्थन दे रही है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में सेदम कस्बे में आयोजित आरएसएस के मार्च में 100 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था।

ए-खाता रूपांतरण के बहाने सरकार लूट रही है: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार दिवाली के तोहफे के तौर पर बी खाते को ए खाते में बदलने की बात कहकर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रही है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि सरकार ने संपत्ति के दिशानिर्देश मूल्य पर 5 प्रतिशत का भुगतान करके बी खाते को ए खाते में बदलने की अनुमति दी है। दरअसल, बीबीएमपी नगर निगम अधिनियम के तहत ए खाते और बी खाते जैसी कोई चीज होती ही नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता में भ्रम पैदा किया जा रहा है। खाता परिवर्तन के नाम पर सरकार लोगों को गुमराह कर रही है और उन्हें दिनदहाड़े लूटने जा रही है। ऐसा दोबारा न करें। उन्होंने कहा कि अगली सरकार हमारी आएगी और पुरानी व्यवस्था को लागू करेगी और लोगों के हितों की रक्षा करेगी। सरकारी खजाने में पैसा नहीं है। खाता परिवर्तन के नाम पर लोगों का पैसा लूटा जा रहा है। दिनदहाड़े लूटा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह योजना खजाना भरने के लिए लागू की गई है। 30/40 फीट के प्लॉट को बी खाते से ए खाते में बदलने में लगभग 4 से 5 लाख रुपये का खर्च आएगा। एचएसआर निर्माण में 25 लाख रुपये खर्च होंगे। इस तरह, वे लोगों पर बोझ डालकर खजाना भरने की कोशिश कर रहे हैं।

खाता परिवर्तन के लिए महँगा पैसा देने के बजाय, दो साल इंतजार करें। हमारी सरकार सत्ता में आएगी। आपको अपनी संपत्ति पिछली व्यवस्था के तहत आसानी से मिल जाएगी। लालच में आकर दिवाली के तोहफे के लिए इसे खराब न करें। आपको मालिकाना हक मिलेगा। मैं इस चुनौती को स्वीकार करता हूँ। जब जनता दल की सरकार सत्ता में थी, तब उसने 110 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर तय की थी और खाते के लिए एक व्यवस्था लागू की थी। उस समय भूमि परिवर्तन शुल्क 1500 रुपये था। खाते के लिए 12263 रुपये देने पड़ते थे। 2003 में, स्व-घोषित संपत्ति कर प्रणाली शुरू की गई थी। जब मैं पहली बार मुख्यमंत्री था, तब एक नगर पंचायत और 7 नगर पालिकाओं को मिलाकर ग्रेटर बेंगलूरु नगर निगम बनाया गया था। उन्होंने कहा कि तब से लोग पैसे देकर पानी के कनेक्शन ले रहे हैं। जीबीए अधिसूचना में कहा गया है कि शहर तेजी से और व्यापक रूप से विकसित हो रहा है। बी खाता क्षेत्र में बारिश के कारण बाढ़ और इमारतें गिरने का उल्लेख किया गया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि क्या बी खाता को ए खाता में बदलने से बाढ़ और इमारतें गिरने की घटनाएँ कम होंगी। उन्होंने गाइडलाइन दर और संपत्ति कर बढ़ाकर गारंटी के नाम पर लूट का आरोप लगाया। जब वह दूसरी बार मुख्यमंत्री थे, तब 9 औद्योगिक क्लस्टरों की घोषणा की गई थी। चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए इसकी घोषणा की गई थी। गठबंधन सरकार गिरने के बाद, इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। बेंगलूरु में सड़कों के गड्ढे नहीं भरे जा रहे हैं। क्या ऐसे लोगों के साथ खुली चर्चा होगी। इस मौके पर जेडीएस विधायक दल के नेता सी.बी. सुरेश बाबू, विधान परिषद सदस्य टी.ए. सरवन, टी.एन. जावराई गौड़ा, विवेकानंद, एस.एल. भोजे गौड़ा, पूर्व वेंकटराव नादगौड़ा, बेंगलूरु शहर जेडीएस अध्यक्ष एच.एम. रमेश गौड़ा, जेडीएस राज्य महिला इकाई अध्यक्ष राशि रामेगौड़ा और अन्य उपस्थित थे।

गैस सिलेंडर के फटने से महिला की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में शनिवार सुबह एक घटना घटी जब एक घर से गैस सिलेंडर लीक होकर फट गया, जिससे एक बड़ी इमारत ढह गई और एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतक का नाम अक्कय्याम (80) है। इस हादसे में परिवार के शेखर (52), किरण कुमार (22) और चंदन (25) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से चंदन की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए टीसीई पाल्या स्थित ऑल्टर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सुबह करीब 7 बजे के.आर. पुरम थाना क्षेत्र के त्रिवेणी नगर स्थित एक घर में गैस रिसाव और आग लगने के कारण हुई। मौके पर मौजूद पुलिस ने मीडिया को बताया कि विस्फोट की तीव्रता के कारण इस घर के पीछे बने तीन शेड वाले घर भी क्षतिग्रस्त हो गए और शेड में मौजूद कंचना नाम की एक महिला के सिर में चोट आई है और उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में आस-पास के घरों की खिड़कियाँ क्षतिग्रस्त हो गईं और दीवारों में दरारें आ गईं। खबर मिलने के बाद, के.आर.पुरम थाना पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड के अधिकारी घटनास्थल पर पहुँचे और जांच कर रहे हैं। इस भीषण विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी सिलेंडर से गैस लीक हुई और विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि विशेषज्ञ की रिपोर्ट आने के बाद ही और जानकारी मिल पाएगी।

सात विधायकों की पहेली में उलझा राज्यसभा चुनाव

एक सीट कैसे जीत गई भाजपा?

उमर पूछ रहे सवाल किसने की गद्दारी?

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 25 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर में चौथी राज्यसभा सीट के लिए हुआ बेहद अहम मुकाबला संख्या गणित से अधिक सियासी चाल से जुड़ा साबित हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के पास जरूरी संख्याबल नहीं था। फिर भी भाजपा उम्मीदवार सतपाल शर्मा ने जीत दर्ज की। यह जीत विपक्षी गठबंधन के सात अहम वोटों के रहस्यमय ढंग से गायब होने के कारण मिली।

इस नतीजे ने सात पार्टी-संबद्ध और निर्दलीय विधानसभा सदस्यों (विधायकों) पर गहरी नजर डाली है, जिनके वोट तय रास्ते से अलग रास्ते पर चले गए। नेशनल कांफ्रेंस के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन ने बड़ी मेहनत से 58 विधायकों (41 नेकां, छह कांग्रेस, सात निर्दलीय, तीन पीडीपी और एक सीपीआई (एम)) का एक मजबूत समूह इकट्ठा किया था। यह संख्या तीसरी और चौथी दोनों सीटें आराम से हासिल करने के लिए पर्याप्त थी।

अंतिम गणना ने समन्वित जवाबी हमले की तस्वीर पेश की। भाजपा उम्मीदवार सतपाल शर्मा को 32 वोट मिले, जो भाजपा की कुल संख्या से चार वोट अधिक थे। ये चार अतिरिक्त वोट भाजपा के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग के स्पष्ट प्रमाण हैं। जबकि नेकां के इमरान नबी डार, जिन्हें 28 या 29 वोटों की निश्चित संख्या की आवश्यकता थी, उन्हें मात्र 21 वोट मिले, सात या आठ की कमी। इसी तरह से दूसरे विजयी नेकां उम्मीदवार शम्मी ओबेरॉय को 31 वोट मिले, जो आवश्यक संख्या से एक अधिक है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह वोट डार को मिलना चाहिए था। कुल मिलाकर, नेकां के दोनों उम्मीदवारों को अनुमानित 58 के बजाय 51 वोट मिले। सात वोटों का अंतर। वे वोट जो या तो भाजपा को मिले या जानबूझकर रद्द किए गए या गलत दिशा में दिए गए। यही इस चुनाव का मुख्य रहस्य है। नतीजों के तुरंत बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उन लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठाया जिन्होंने समर्थन का वादा किया था लेकिन उलटफेर कर दिया। नेशनल कांफ्रेंस के विधायक कहते हैं कि उन्होंने क्रॉस-वोटिंग नहीं की। फिर सवाल उठता है, भाजपा को चार अतिरिक्त वोट कहां से मिले? वे विधायक कौन थे जिन्होंने मतदान करते समय गलत वरीयता संख्या अंकित करके जानबूझकर अपने वोट अमान्य कर दिए? क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमें वोट देने का वादा करने के बाद भाजपा की मदद करने की बात स्वीकार करें? किस दबाव या प्रलोभन ने उन्हें यह चुनाव करने में मदद की?

इन कड़े शब्दों से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विवाद शुरू होने की उम्मीद है, जिससे गठबंधन संबंधों में खटास आ सकती है और यह जम्मू कश्मीर की राजनीति में एक निर्णायक मुद्दा बन सकता है। इस विवाद ने राज्यसभा चुनावों से संबंधित नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है, जहां विधायकों को अपना चिन्हित वोट डालने से पहले अधिकृत पोलिंग एजेंटों को दिखाना होता है। यह अनिवार्यता पार्टी सदस्यों द्वारा क्रास-वोटिंग को रोकने के लिए है। हालांकि, एक कांग्रेस विधायक के संबंध में एक प्रक्रियात्मक अनियमितता देखी गई। कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट, जो पार्टी के पोलिंग एजेंट थे, ने बिना किसी वैकल्पिक पोलिंग एजेंट की मौजूदगी के अपना वोट डाल दिया।

भट के जवाब ने एक विचित्र नाटकीयता बढ़ा दी है। वे कहते हैं, मैं मुख्य पोलिंग एजेंट था और मुझे अपना वोट खुद को दिखाना पड़ा। इसके अलावा, नेकां के एक नेता ने दावा किया कि पीडीपी विधायकों को इमरान नबी डार को वोट देने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अंतिम मतगणना से पता चलता है कि उन्होंने इसका पालन नहीं किया। निर्दलीय विधायकों के विपरीत, जिन्हें अपना वोट दिखाने की आवश्यकता नहीं होती है, राजनीतिक दलों के विधायकों को अपना मतपत्र दिखाना होता है, जिससे इन विशिष्ट पार्टी सदस्यों द्वारा क्रॉस-वोटिंग या जानबूझकर रद्द करना सीधे तौर पर अवज्ञा का कार्य बन जाता है। क्रॉस-वोटिंग ने सत्तारूढ़ गठबंधन के वोटिंग ब्लाकों की कमजोर संरचना को उजागर कर दिया है और अब आने वाले दिनों में एक कटु राजनीतिक हिसाब-किताब का मंच तैयार कर दिया है। रास्ता भटकने वाले सात लोगों की पहचान चुनाव परिणाम के बाद का सबसे बड़ा टास्क बन गया है।

छठ महापर्व देता है सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा: मोदी

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। श्री मोदी ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है उसमें पारिवारिक बंधन और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाये जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। उन्होंने कहा, ' मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।'

श्री मोदी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।

उन्होंने कहा , मेरा सौभाग्य है कि कल ही मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।

श्री मोदी ने अपनी पोस्ट के साथ छठी मइया के कुछ गीत भी साझा किये हैं और कहा है कि इन्हें सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी छठ महोत्सव के प्रारंभ नहाय-खाय पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और परंपरा, आस्था और सामाजिक समरसता के उत्सव पर छठ मैया से सभी के सुख और समृद्धि की प्रार्थना की है।

सीबीआई की विशेष अदालत ने पांच करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में मैनेजर सहित सात को सजा सुनाई

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने 4 करोड़ 90 लाख रुपये के बैंक धोखाधड़ी के दो दशक पुराने मामले में सात आरोपियों को दोषी ठहराते हुए कठोर कारावास और जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

सीबीआई ने शनिवार को यहां बताया कि जांच एजेन्सी की हैदराबाद स्थित अदालत के विशेष न्यायाधीश ने 4 करोड़ 90 लाख रुपये के धोखाधड़ी मामले में कॉर्पोरेशन बैंक की बंजारा हिल्स शाखा के तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधन टी. चंद्रकांत को दोषी ठहराते हुए दो वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

जांच एजेन्सी ने बताया कि इस मामले में उनके अलावा कर्ज लेने वाले सी बोस, वी. राजनश्री, कोंडा शेखर रेड्डी, एनवीपी नंदा किशोर और एच. राजा शेखर रेड्डी को कुल 55 हजार रुपये के जुर्माने के साथ एक वर्ष के कठोर कारावास की सज़ा सुनाई है।

सीबीआई ने वर्ष 2004 में बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक टी चंद्रकांत और 16 अन्य लोगों के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत दस्तावेजों के आधार पर लगभग 4 करोड़ 90 लाख रुपये के हाउसिंग लोन मंज़ूर करने और बांटने के मामले में कॉर्पोरेशन बैंक को धोखा देने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

जांच के बाद सीबीआई ने वर्ष 2007 में 12 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। सुनवाई के बाद अदालत ने सात आरोपियों को दोषी ठहराया और शुक्रवार को उन्हें सज़ा सुनाई।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की शानदार जीत जनता के जनादेश की जीत: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी की शानदार जीत को जनता की जीत करार देते हुए कहा है कि संगठनात्मक एकता, अनुशासन और आपसी समन्वय ही नेशनल कॉन्फ्रेंस की असली ताकत है, जिसकी बदौलत यह सफलता संभव हो पाई।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला राज्यसभा चुनाव जीतने वाले पार्टी नेताओं एडवोकेट चौधरी मुहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद कुचलो और सरदार शम्मी ओबराय के सम्मान में पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर हम एकता और आम सहमति के साथ आगे बढ़ें तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं रह जाती।

डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि यह जीत सिर्फ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस की ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर की जनता की भी जीत है। उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों को वोट देने वाले सभी विधायकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के मंत्रियों और विधायकों को जनता के साथ मुस्कुराहट के साथ पेश आना चाहिए और उनके दुख-दर्द को बाँटना चाहिए, क्योंकि जनता ही हमारी असली पूँजी है।

डॉ. अब्दुल्ला ने नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली, लोगों के अधिकारों की रक्षा और विकास के एजेंडे को उच्च सदन में प्रभावी ढंग से पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हमारे प्रतिनिधि न केवल जम्मू-कश्मीर, बल्कि पूरे देश के लोगों की आवाज़ संसद में उठाएंगे।

उन्होंने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को पूर्ण बहुमत इसी उम्मीद में दिया था कि पिछले दस सालों के अन्याय और जनविरोधी नीतियों का अंत होगा। ईश्वर की कृपा से हमारी सरकार उसी दिशा में आगे बढ़ रही है, अलोकतांत्रिक दौर के फैसले एक-एक करके वापस लिए जा रहे हैं और घोषणापत्र में किए गए वादों पर अमल किया जा रहा है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद सरकार जनता से किए गए वादों को और प्रभावी ढंग से पूरा कर पाएगी।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा और इसके साथ ही विधानसभा का एक उच्च सदन भी स्थापित किया जाएगा ताकि सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिल सके।

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे आगामी पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के साथ-साथ बडगाम और नगरोटा उपचुनावों में भी उसी उत्साह और एकता के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस की सफलता सुनिश्चित करें।

ठग हेयर डिजाइनर जावेद हबीब फरार

200 लोगों से ठगे 10 करोड़, 32 केस दर्ज

संभल, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। करोड़ों की ठगी के मामले में नामवर हेयर डिजाइनर जावेद हबीब फरार है। उसकी गिरफ्तारी की कोशिशें चल रही हैं। इस बीच पुलिस को पता चला कि जावेद हबीब ठगी की रकम लौटाने के लिए तैयार है। लेकिन इतनी बड़ी रकम वहां कहां से लाएगा और उसकी क्या प्रामाणिकता है, इसकी छानबीन की जा रही है। जावेद हबीब ने 200 लोगों से सात से 10 करोड़ रुपए ठगे हैं। उस पर ठगी के 32 केस दर्ज हैं। ठगी में जावेद हबीब का बेटा अनोस भी लिप्त है।

रायसत्ती थाना प्रभारी का कहना है कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। यदि किसी से संपर्क किया गया होगा तो सीधे किया गया होगा। हम दर्ज मुकदमों में जांच कर रहे हैं। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उधर आयकर विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पैसे लौटाने की बातें केवल गिरफ्तारी से बचने की पेशबंदी है। यह भी ठगी का ही हिस्सा है। सात से 10 करोड़ की रकम वापस लौटाने के पहले जावेद हबीब को कई कानूनी सवालों से होकर गुजरना होगा। अगर यह इतना ही आसान होता तो जावेद हबीब फरार क्यों होते?

नायडू ने दिल्ली हवाई अड्डे पर टर्मिनल-2 का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राममोहन नायडू ने शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आधुनिकीकृत और पुनर्निर्मित टर्मिनल-2 का उद्घाटन किया।

इस टर्मिनल पर छह महीने के अंतराल के बाद 25-26 अक्टूबर की रात से उड़ानें दोबारा शुरू हो रही हैं। इसे मरम्मत और आधुनिकीकरण के लिए अप्रैल में बंद कर दिया गया था।

उद्घाटन के मौके पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन ब्यूरो, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (डायल) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हवाई अड्डे का संचालन डायल करती है, जो जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड और एएआई का संयुक्त उपक्रम है।श्री नायडू ने इस मौके पर कहा कि केंद्र सरकार देश के हवाई अड्डों को तेजी से विश्व स्तरीय ट्रांजिट हब में बदल रही है। दिल्ली हवाई अड्डे पर उत्तर भारत के 50 प्रतिशत यात्री ट्रैफिक है। दिल्ली एक लोकप्रिय ट्रांजिट हब बनकर उभर रहा है।

उन्होंने कहा कि 40 साल पुराने टर्मिनल-2 को आधुनिक बनाया गया है और बढ़ती मांग के अनुरूप इसकी क्षमता बढ़ायी गयी है। यहां से यात्रा करने वाले हर यात्री को एक अलग अनुभव होगा।

डायल ने बताया कि नये सिरे से तैयार टर्मिनल-2 पर यात्रियों के लिए स्वयं बैगेज ड्रॉप करने की सुविधा है, जिससे कतार कम होगी और समय बचेगा। छह नये बोर्डिंग ब्रिज लगाये गये हैं। इस टर्मिनल पर एक वर्चुअल सूचना डेस्क भी बनाया गया है, जहां यात्रियों को उड़ान, बोर्डिंग गेट और एयरपोर्ट पर मौजूद विभिन्न आउटलेट के बारे में जानकारी मिल सकेगी।

इस टर्मिनल से आज रात से इंडिगो की 6ई 2000 से 6ई 2999 नंबर तक की सभी उड़ानों का परिचालन होगा। एयर इंडिया अपनी 60 घरेलू उड़ानें टर्मिनल-3 से टर्मिनल-2 पर स्थानांतरित कर रही है। इन उड़ानों के नंबर से पहले एआई के बाद '1' जोड़ा गया है। इस प्रकार अब इन उड़ानों का नंबर चार अंकों का होगा।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की सभी उड़ानें आज आधी रात से टर्मिनल-3 से टर्मिनल-1 पर शिफ्ट हो जायेंगी। सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पहले की तरह टर्मिनल-3 से ही जायेंगी।

आगरा में तेज रफ्तार कार ने कई को रौंदा, पांच मरे, सात घायल

आगरा, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के न्यू आगरा क्षेत्र में शुक्रवार रात तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि नगला बूढ़ी के पास बेकाबू कार ने सड़क किनारे कई लोगों को रौंद दिया जिसमें से एक महिला बबली समेत पांच की मौत हुई है जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतकों में एक डिलीवरी बॉय भानु प्रताप भी शामिल है। हादसे के वक्त भानु प्रताप पार्सल डिलीवरी करके वापस लौट रहा था। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है और कार को जब्त कर लिया है। सभी मृतकों के शवों के पुलिस ने पोस्टमॉर्टम भेज दिया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कार की स्पीड बहुत ज्यादा तेज थी। कार ने पहले डिवाइडर को टक्कर मारी उसके बाद कई लोगों को रौंदते हुए फिर से डिवाइडर से टकरा गई और कार रुक गई। बेकाबू कार ने पहले डिलीवरी बॉय भानु प्रताप को रौंदा उसके बाद एक वृद्ध की मौत में शोक व्यक्त करने के लिए कुछ लोग सड़क के किनारे बैठे थे और कार ने उनको भी रौंद दिया। हिट एंड रन केस में मौके पर सात लोग घायल हुए हैं जिनको सर-ोजनी नायडू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान डिलीवरी बॉय भानु प्रताप, एक महिला बबली इसके अलावा कमल, कृष्णा और बंटेश की इलाज के दौरान मौत हो गई। घायल राहुल और गोलू का इलाज अस्पताल में चल रहा है।बताया जा रहा है कि कार चलाते वक्त चालक नशे में था।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बरेली हिंसा के सरगना की बहू निदा खान ने किया खुलासा

मौलाना तौकीर रजा माफिया उसकी बीवी पाकिस्तानी

निदा ने सरकार से मांगी सुरक्षा, मिल रही हैं धमकियां

बरेली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर को हुई हिंसा के मास्टर माइंड मौलाना तौकीर रजा की बहू निदा खान ने सरकार से सुरक्षा मांगी है। निदा खान ने कहा है कि उसे तौकीर रजा से खतरा है। उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। अगर उनके साथ कुछ भी गलत होता है तो इसकी जिम्मेदारी मौलाना तौकीर और उसके लोगों की होगी। निदा खान ने यह रहस्य खोला है कि तौकीर रजा की पत्नी पाकिस्तानी है और तौकीर के पाकिस्तान से कनेक्शन हैं। हालांकि पाकिस्तानी पत्नी से तौकीर तलाक ले चुके हैं।

निदा ने मौलाना तौकीर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें माफिया और तालिबानी प्रवृत्ति वाला बताया। उन्होंने दावा किया कि तौकीर ने कई मुसलमानों को प्रभावित किया और हिंसा में शामिल लोगों को भड़काया। इसके अलावा, निदा ने तौकीर की पाकिस्तानी पत्नी और उनके संबंधों का भी जिक्र किया और कहा कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए। निदा खान ने अपनी बातें एक वीडियो के जरिए भी कही हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। इस वीडियो के बाद तौकीर रजा की मुश्किलें और बढ़ती दिख रही हैं, क्योंकि निदा खान ने प्रशासन से सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

निदा खान ने बताया कि उनकी शादी 10 साल पहले दरगाह आला हजरत खानदान में हुई थी, लेकिन कुछ समय बाद विवाद उत्पन्न हो गया और मामला अदालत में विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर 2025 की हिंसा के बाद तौकीर रजा के समर्थकों ने उन्हें धमकाया और विदेशी नंबरों से फोन तथा सोशल मीडिया के जरिए लगातार डराया जा रहा है। निदा ने यह भी कहा कि उन्हें घर से बाहर निकलते समय पीछा किया जाता है, जिससे वे असुरक्षित महसूस कर रही हैं। निदा खान ने कहा कि तौकीर रजा को उनके कर्मों की सजा मिल रही है। तौकीर रजा के कारण बरेली के मुसलमान बर्बाद हो रहे हैं। मौलाना तौकीर रजा का संगठन तालिबानी तरीके में काम कर रहा है।

बरेली में बवाल के बाद तौकीर रजा को 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद से निदा खान को फोन पर धमकियां मिल रही हैं। निदा ने कहा कि लोग उनके सामने भी धमकी दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर उनके साथ कुछ भी गलत होता है, तो उसके जिम्मेदार तौकीर रजा होंगे। निदा खान ने कहा कि तौकीर रजा तो अब एक किनारे होकर बैठ गए हैं, मगर जो मुसलमान हिंसा में शामिल थे, उन पर अब भी कार्रवाई चल रही है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में तलाक और हलाला पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहीं आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान के खिलाफ लगातार दो फतवे जारी किए गए थे। पहले फतवे में उन्हें इस्लाम से खारिज कर दिया गया था। दूसरे फतवे में निदा खान और मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी को देश से बाहर निकालने एवं चोटी काटने पर इनाम घोषित किया गया था।

निदा खान ने बरेली जनपद के थाना बारादरी में फतवा जारी करने वालों के खिलाफ अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज कराई थी। निदा खान ने दोनों एफआईआर में फतवा जारी करने वाले मौलानाओं के साथ-साथ अपने पति को भी नामजद किया था। उनका आरोप था कि फतवा जारी कराने की साजिश उनके पति ने ही रची थी। निदा ने अपनी शिकायत में शहर इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम, फतवा तहरीर करने वाले काजी मुफ्ती अफजाल रज़वी और अपने पति शीरान रज़ा खान को नामजद किया था। निदा खान ने शीरान रजा खान पर षड्यंत्र रच कर फतवा जारी कराने का आरोप लगाया था। उन्होंने फैजाने मदीना खान काउंसिल के अध्यक्ष मोईन सिद्दीकी के खिलाफ भी बरेली जनपद के थाना बारादरी में एक दूसरी एफआईआर दर्ज कराई थी।

इस एफआईआर में भी उन्होंने शीरान रजा खान को नामजद किया था। मोईन सिद्दीकी ने मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी और निदा खान के खिलाफ फतवा जारी किया था कि उनकी चोटी काट कर लाने वाले को 11 हजार 786 रुपए का इनाम दिया जाएगा। उस समय निदा खान ने बताया था कि उनका निकाह वर्ष 2015 में हुआ था। कुछ ही समय बाद उनके ससुराल वाले उन्हें दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। दहेज न मिलने पर ससुराल वालों ने उन्हें घर से निकाल दिया और उनके पति ने भी उन्हें तलाक दे दिया। निदा खान का आरोप है कि अक्सर शीरान उनके खिलाफ फर्जी तलाकनामा और फतवे जारी कराने जैसी साजिशों में शामिल रहते हैं।

प्रयागराज में पत्रकार की नृशंस हत्या

वह सड़क पर तड़पता रहे, लोग वीडियो बनाते रहे

प्रयागराज, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में शुक्रवार की शाम पत्रकार लक्ष्मी नारायण सिंह की चाकू मार कर हत्या कर दी गई। पत्रकार सड़क पर चीखते रहे और तड़पते रहे लेकिन किसी ने उन्हें अस्पताल नहीं पहुंचाया। लोग वीडियो बनाते रहे और पत्रकार वहीं तड़पता हुआ शांत हो गया।

प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके के हर्ष होटल के पास हुई धूमनगंज के शकुंतला कुंज कॉलोनी निवासी मीडियाकर्मी लक्ष्मी नारायण सिंह (48) की हत्या के बाद शुक्रवार शाम डॉक्टरों के पैनल ने उनके शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम में पत्रकार के शरीर पर चाकू के 18 निशान मिले। इससे हत्यारे की बर्बरता का पता चलता है। हमले के बाद लक्ष्मी नारायण करीब 20 मिनट तक सड़क पर खून से लथपथ तड़पते रहे। मौके पर मौजूद राहगीर फोटो खींचने में व्यस्त रहे। किसी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अपने वाहन से एसआरएन अस्पताल पहुंचाया जहां करीब उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। स्पष्ट है कि यदि उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया जाता तो उनकी जान बच जाती।

प्रयागराज के अपर पुलिस आयुक्त डॉ. अजयपाल शर्मा ने कहा, आरोपी विशाल पर हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी नशे का आदी है। उसकी गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है।

माफिया अतीक की कारगुजारियां लगातार हो रही उजागर

नौकर के नाम पर मिली 100 बीघा जमीन

अतीक की बेनामी संपत्तियां बेचकर अशरफ ने मुंबई में खरीदे फ्लैट

लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। मरहूम माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों के राज धीरे-धीरे खुलते जा रहे हैं। अतीक के गुर्गे अशरफ उर्फ लल्ला ने अपराध की कमाई से अर्जित संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने के साथ अपने लिए भी संपत्तियां खरीदी थीं। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति निषेध इकाई की जांच में सामने आया है कि अतीक की कुछ बेनामी संपत्तियों को बेचने से मिली रकम से अशरफ ने मुंबई में कुछ फ्लैट खरीदे हैं। अब आयकर विभाग इन फ्लैटों को जब्त करने की तैयारी में है।

अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों की जांच के दौरान आयकर विभाग को अशरफ उर्फ लल्ला का पता चला था, जिसके नौकर सूरजपाल के नाम पर करीब 100 बीघा जमीन खरीदी गई थी। फास्ट फूड का ठेला लगाने वाले सूरजपाल के नाम पर अतीक और अशरफ ने बेनामी संपत्तियों को खरीदने के बाद उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा था।

हालांकि उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक की मुश्किलें बढ़ गईं और अशरफ और सूरजपाल इन संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने में जुट गए। आयकर विभाग ने जांच के बाद करीब 6.35 करोड़ रुपये कीमत की छह संपत्तियों को जब्त कर लिया था। आयकर विभाग के इस आदेश पर निर्णायक प्राधिकारी ने मुहर लगाने के साथ बाकी संपत्तियों को भी चिह्नित कर जब्त करने का आदेश दिया था।

विभाग की जांच में सामने आया कि अशरफ ने अतीक की कुछ संपत्तियों को बेचने से मिली रकम से मुंबई में कुछ फ्लैट खरीदे हैं। इसकी पुष्टि अशरफ और उसकी पत्नी के बैंक खातों से हुई है। अब आयकर विभाग इस फ्लैट के बारे में जानकारी जुटाकर जब्त करने की कवायद में जुटा है। इस संबंध में पूछताछ के लिए जल्द अशरफ और उसकी पत्नी को नोटिस देकर तलब भी किया जाएगा।

दिल्ली में गिरफ्तार आतंकी को लखनऊ लाएगी एटीएस

ज्ञानवापी सर्वे का आदेश देने वाले जज को दी थी धमकी

नई दिल्ली/लखनऊ, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार 24 अक्टूबर की सुबह दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के एक आतंकवादी मॉड्यूल के जुड़े दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। इनमें एक का नाम मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब है, जो दिल्ली का रहने वाला है। दूसरे का नाम भी अदनान खान है, लेकिन उसकी उर्फियत अबू मोहम्मद है, जो मध्य प्रदेश का रहने वाला था।

इस गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ कि आईएसआईएस के एक आतंकवादी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब को उत्तर प्रदेश के एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने पहले भी गिरफ्तार किया था। वह 2024 से जमानत पर बाहर था। उसे उत्तर प्रदेश एटीएस ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। यूपी एटीएस इस आतंकवादी को लखनऊ लाने की तैयारी में है। दिल्ली स्पेशल सेल ने कहा, भोपाल से एक संदिग्ध को पहले यूपी एटीएस ने अनलॉफुल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था; 2024 में जमानत मिलने के बाद उसने आतंकवादी गतिविधियां फिर शुरू कर दीं, मुख्य रूप से ऑनलाइन भर्ती और प्रोपेगेंडा फैलाने के जरिए। निगरानी से पता चला कि मॉड्यूल ने इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने के लिए सामग्री जुटानी शुरू कर दी थी।

दिल्ली स्पेशल सेल ने बताया कि मोहम्मद को सख्त यूएपीए एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था, लेकिन कोर्ट ने 2024 में उसे जमानत दे दी थी। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने अपनी आतंकवादी गतिविधियां फिर शुरू कर दीं और आईएसआईएस से जुड़ाव बढ़ा लिया। उसने सोशल मीडिया के जरिए इस्लामिक प्रोपगैंडा सामग्री फैलानी शुरू की और आईएसआईएस के लिए आतंकवादियों की भर्ती शुरू करती। उसने आतंकी हमलों के लिए आईईडी बनाने की सामग्री भी जुटानी शुरू कर दी थी।

अदनान पर आईपीसी की धारा 153ए, 115 और 506 के साथ यूएपीए की धारा 13 लगी थी। उस केस में जमानत मिलने के बाद उसने चरमपंथी गतिविधियां फिर शुरू कर दीं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और दूसरी प्लेटफॉर्म्स पर चैनल बनाकर चरमपंथी सामग्री पोस्ट की और समान विचार वाले लोगों की भर्ती की। उसने सीरिया में बैठे हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी से संपर्क होने की बात भी कबूल की। पुलिस का कहना है कि यह मॉड्यूल आगामी त्यौहारों के दौरान दिल्ली में भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमला करने की योजना बना रहा था।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सादिक नगर, दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और करोंद, भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक की देखरेख में की। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने आईएसआईएस के मौजूदा खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति बैयत (निष्ठा की शपथ) ली थी। यह शपथ उसने सीरिया स्थित आईएसआईएस हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के निर्देश पर ली थी और इसका वीडियो आईएसआईएस की पोशाक में रिकॉर्ड कर भेजा गया था। दोनों आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कट्टरपंथी वीडियो एडिट कर युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते थे। ये लोग इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर कई बार बैन होने के बावजूद नए चैनल बनाकर कट्टरपंथी सामग्री फैलाते रहे हैं।

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी न केवल ऑनलाइन प्रचार-प्रसार कर रहे थे, बल्कि अब इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने की दिशा में सक्रिय थे। उनके पास से टाइमर क्लॉक, आईएसआईएस का झंडा, आईईडी बनाने की मैनुअल, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, लैपटॉप और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है।

स्पेशल सेल की समय रहते कार्रवाई से दिल्ली में त्योहारों के दौरान संभावित आतंकी हमले की साजिश नाकाम हुई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि भोपाल निवासी अदनान खान के पिता सलाम कई प्राइवेट फर्मों में अकाउंटेंट का काम करते हैं और उनकी मां पार्ट-टाइम एक्ट्रेस हैं। आरोपी ने भोपाल से 12वीं कक्षा पढ़ाई पूरी की और अभी भोपाल के ईदगाह में एक व्यक्ति की मेंटरशिप में चार्टर्ड अकाउंटेंसी कर रहा है। आरोपी ने 6 से 10 साल की उम्र के बीच मदरसा में पढ़ाई की। आरोपी को 2024 में यूपी एटीएस ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। उसने उस समय सोशल मीडिया पर एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश को धमकी भरी पोस्ट डाली थी, जब न्यायालय ने ज्ञानवापी मामले में वीडियोग्राफिक सर्वे का आदेश दिया था। जमानत मिलने के बाद वह दोबारा ऑनलाइन कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल हो गया।

दिल्ली का मोहम्मद अदनान खान मूल रूप से एटा (उप्र) का रहने वाला है। उसके पिता दूरदर्शन में ड्राइवर हैं और उसकी मां अंजुम खान हाउस वाइफ हैं। उसकी तीन बड़ी बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। उसने एटा में पढ़ाई की और 10वीं क्लास पूरी की।

2022 में पिता के ट्रांसफर के बाद परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया। मोहम्मद अदनान ने दिल्ली में फिर से पढ़ाई शुरू करने की कोशिश की लेकिन परीक्षा पास नहीं कर पाया। बाद में उसने 2025 में डेटा इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा किया। दिल्ली आने के बाद वह सोशल मीडिया पर आईएसआईएस समर्थक पेजों से जुड़ गया और कट्टरपंथी विचारधारा की तरफ झुक गया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के अनुसार विगत 16 अक्टूबर को दिल्ली के सादिक नगर में छापेमारी के दौरान स्पेशल सेल ने मोहम्मद अदनान को दबोचा। पूछताछ में उसने भोपाल के साथी अदनान का नाम बताया। इसके बाद 18 अक्टूबर को भोपाल एटीएस की मदद से करोंद इलाके से अदनान खान को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों ने पूछताछ में यह कबूल किया कि वे सीरिया स्थित आईएसआईएस हैंडलर के संपर्क में थे और भारत में युवाओं को आतंक के रास्ते पर ले जाने का अभियान चला रहे थे।

निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने साधा निशाना

यदुवंशी हैं तो कृष्ण जन्मभूमि के लिए आवाज उठाएं अखिलेश

बरेली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। संजय निषाद ने एनडीए को समर्थन दोहराते हुए कहा, हम त्रेता युग से एनडीए के साथ हैं। भगवान राम और निषाद राज की दोस्ती हमारी आइडियोलॉजी की जड़ है। हम एनडीए के साथ हैं और इसके साथ ही रहेंगे।

अखिलेश यादव के लिए संजय निषाद ने कहा, अगर अखिलेश यादव खुद को यादव कहते हैं और भगवान कृष्ण का वंशज होने का दावा करते हैं तो उन्हें कृष्ण जन्मभूमि की आजादी के लिए भी आवाज उठानी चाहिए। जैसे अयोध्या में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई हुई थी। अगर वह अपनी परंपरा की रक्षा नहीं कर सकते तो दूसरों की रक्षा कैसे करेंगे?

संजय निषाद ने अखिलेश यादव के दीये वाले बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि दीया बनाने वाले प्रजापति समाज के लोग ही देश की संस्कृति के रक्षक हैं।

जो मिट्टी का दीया बनाते हैं, वही इस देश की सभ्यता के असली रक्षक हैं और उन्हीं के रोजगार पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। दीया बनाने वाला प्रजापति समाज है। वह गरीब इसलिए है क्योंकि अंग्रेजों से लड़ा था। संजय निषाद ने कहा, हमारे पूर्वजों ने मिट्टी के दीये से न सिर्फ घर रौशन किए, बल्कि आजादी की मशाल भी जलाई। जो लोग दीपोत्सव का विरोध कर रहे हैं, उन्हें भारतीय संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, न कि अपमान। कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर बोले, अगर अखिलेश यादव खुद को यादव कहते हैं, कृष्ण के वंशज होने का दावा करते हैं तो मथुरा की जन्मभूमि की मुक्ति के लिए भी उन्हें आवाज उठानी चाहिए। कैबिनेट मंत्री ने बिहार चुनाव को लेकर विपक्ष के दावों को सिरे से खारिज किया।

उन्होंने कहा, हम त्रेतायुग से एनडीए के साथ हैं। भगवान राम और निषादराज की मित्रता हमारी विचारधारा की जड़ है। एनडीए सम्मान देता है, इसलिए हम उनके साथ हैं और रहेंगे। उन्होंने सपा और बसपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'चार बार सरकारें बनीं, लेकिन पिछड़ों के नाम पर सिर्फ राजनीति हुई।

न शिक्षा आयोग बना, न कोई ठोस कदम उठा। डबल इंजन सरकार ने पहली बार सबके विकास की दिशा तय की है। निषाद बोले, पीडीए के नाम पर वोट लिए जाते हैं, लेकिन सरकार में अगड़ों का राज होता है। जब मायावती आती हैं तो सतीश मिश्रा का राज रहता है। सपा सरकार में पहले अमर सिंह का राज रहा, अब माता प्रसाद पांडे की कंपनी काम करती है। उन्होंने कहा कि यूपी में आज दंगे नहीं होते हैं, दंगाई घबरा रहे हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं चलाई जा रहीं हैं। इसके बाद कैबिनेट मंत्री ने मत्स्य विभाग की 107 परियोजनाओं की स्थिति जानी। उन्होंने मत्स्य विभाग की 107 परियोजनाओं के बारे में बताया, कहा 105 पूरी तरह शुरू हो चुकी हैं। तीन हजार से ज्यादा पोखरों को चिन्हित किया गया है, जिन पर अब निषाद समुदाय को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर पोखरे किसी दूसरे वर्ग को गलत तरीके से दिए गए हैं, तो उन्हें कैंसिल कराकर असली पात्रों को सौंपा जाएगा। मछुआरों को बिना गारंटी किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए तीन लाख रुपए तक का लोन चार प्रतिशत ब्याज दर पर मिल रहा है। इसके साथ ही उन्हें ट्रेनिंग और बीमा की भी सुविधा दी जा रही है। मंत्री ने बिहार चुनाव में एनडीए की जीत का दावा किया और पिछली सरकारों पर पिछड़ों के विकास की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

एनकाउंटर में मारा गया शार्पशूटर फैसल

मुख्तार अंसारी और संजीव जीवा गैंग से जुड़ा था

शामली, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में गुरुवार की देर रात पुलिस एनकाउंटर में शार्पशूटर फैसल मारा गया। फैसल मुख़्तार अंसारी और संजीव जीवा गैंग से जुड़ा था, जिस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस ने बताया कि फैसल और उसके साथी ने मेरठ-करनाल हाई-वे पर जीतराम नामक व्यक्ति की बाइक, मोबाइल फोन और 3000 रुपए नकद लूट लिए। इसकी शिकायत पर शामली एसपी एनपी सिंह ने एसओजी, सर्विलांस और लोकल पुलिस को तलाशी में लगाया। भोगी माजरा के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार फैसल ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें एसओजी कांस्टेबल दीपक घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में फैसल को गोली लगी, अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फैसल मूल रूप से मेरठ का था, मगर मुज़फ़्फ़रनगर में रहता था। उसके खिलाफ 20 से ज्यादा केस थे, जिसमें सुपारी लेकर हत्या, लूट, राहजनी और 2015 में पुलिस कस्टडी में आसिफजादा की हत्या के मामले शामिल हैं। एनकाउंटर वाली जगह से पुलिस ने दो पिस्टल, कारतूस और बाइक बरामद की है। उसका दूसरा साथी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

शुभ लाभ

सदैव बनी रहेगी लक्ष्मीकृपा...

चाणक्य नीति में चाणक्य ने व्यक्ति के जीवन के प्रत्येक पहलुओं का वर्णन किया है। चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को सदैव धन की आवश्यकता रहती है। धन से ही जीवन यापन की प्रत्येक सुविधाएं ले सकते हैं। जिस व्यक्ति के पास धन की कमी होती है उसे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग अधिक मेहनत करते हैं फिर भी उन्हें पर्याप्त मात्रा में धन नहीं मिल पाता। चाणक्य ने तीन बातों के बारे में बताया है यदि उनका पालन किया जाए तो लक्ष्मीकृपा सदैव बनी रहती है। आचार्य चाणक्य के अनुसार जिन के घरों में मूर्ख लोगों की अपेक्षा बुद्धिमान लोगों का सम्मान किया जाता है। घर आने पर उनका अच्छे से आदर सत्कार किया जाए उनके घर में लक्ष्मी सदैव स्थिर रहती हैं। जिस घर से कोई भी व्यक्ति भूखा या खाली हाथ नहीं लौटता हो, जहां मेहमानों को भगवान का स्वरूप मान कर उनका आदर सत्कार किया जाता है। जिस घर में सात्विक भोजन किया जाए वहां लक्ष्मी सदैव निवास करती हैं। जिन घरों मे पति-पत्नी के मध्य सदैव लड़ाई-झगड़े होते रहते हो वहां से लक्ष्मी रुष्ट होकर चली जाती है। इसके विपरीत जिस घर में पति और पत्नी के बीच प्रेम हो, लड़ाई-झगड़ा नहीं होता, वहां से लक्ष्मी नहीं जाती। ऐसे स्थानों पर लक्ष्मी सदैव स्थिर रहती हैं।

महात्मा कौन...?

महात्मा वह है, जिसके सामान्य शरीर में असामान्य आत्मा निवास करती है। मानव जीवन की सफलता का श्रेय जिस महानता पर निर्भर है, उसे एक शब्द में धार्मिकता कह सकते हैं। महानता के विकास में अहंकार सबसे घातक शत्रु है। महानता का गुण न तो किसी के लिए सुरक्षित है और न प्रतिबंधित। जो चाहे अपनी शुभेच्छाओं से उसे प्राप्त कर सकता है। मात्र हवन, धूप बत्ती और जप की संख्या के नाम पर प्रसन्न होकर आदमी की मनोकामना पूरी कर दिया करे, ऐसी देवी दुनिया में कहीं नहीं है। मानवता की सेवा से बढ़कर और कोई बड़ा काम नहीं हो सकता। मरते वे हैं, जो शरीर के सुख और इंद्रीय वासनाओं की तृप्ति के लिए रात-दिन खपते रहते हैं। मजदूर के दो हाथ जो अर्जित कर सकते हैं वह मालिक अपनी पूरी सम्पत्ति द्वारा भी प्राप्त नहीं कर सकता। मूर्ख व्यक्ति दूसरे को मूर्ख बनाने की चेष्टा करके आसानी से अपनी मूर्खता सिद्ध कर देते हैं। मनोविकार भले ही छोटे हों या बड़े, ये शत्रु के समान हैं और प्रताड़ना के ही योग्य हैं। मनोविकारों से परेशान, दुखी, चिंतित मनुष्य के लिए उनके दुख-दर्द के समय श्रेष्ठ पुस्तकें ही सहारा हैं। मस्तिष्क में जिस प्रकार के विचार भरे रहते हैं वस्तुतः उसका संग्रह ही सच्ची परिस्थिति है। उसी के प्रभाव से जीवन की दिशाएं बनती और मुड़ती रहती हैं।

अंगों के फड़कने के संकेत...

अंगों के स्फुरण के संबंध में एक विचारणीय बिंदू सामने आता है कि आज के इस इंटरनेट युग में क्या अपनी इन पुरानी बातों को महत्व देंगे। यह तो अपनी-अपनी सोच पर निर्भर करता है किंतु यदि छोटी-छोटी बातों और पुरानी मान्यताओं तथा परंपराओं की गहराई में जाकर उनका अध्ययन करके समझा जाए तो कहीं न कहीं वैज्ञानिक तथ्य भी प्राप्त हो जाएंगे। अंग स्फुरणों के फल प्राप्ति के संबंध में कभी-कभी तो फल शीघ्र ही प्राप्त हो जाते हैं किंतु कभी-कभी देर से प्राप्त होते हैं लेकिन यह सत्य है कि प्रत्येक स्फुरण एक सौर मास के अंतर्गत अपने फल को अवश्य ही प्राप्त कर लेता है। अंगों में लगातार स्फुरण ही लाभदायी व फलदायक होता है। क्षणिक स्फुरण का फल बहुत कम प्राप्त होता है। स्त्रियों के बाएं अंगों का तथा पुरुषों के दक्षिणांगों (दाएं) का फड़कना शुभ माना गया है। अतः उपयुक्त फलितांतर्गत जो भाग दाएं-बाएं में योग्य विभाजित किए जा सकते हैं उनके फल को भी तदनुसार ही समझना चाहिए। जिन भागों में योग्य विभाजन संभव नहीं है उनके फलित स्त्री पुरुष दोनों में समान होंगे।

धन की प्राप्ति

सिर का बायां भाग फड़के तो मनुष्य यात्रा करेगा। दायां भाग फड़के तो धन की प्राप्ति होती है। दोनों नेत्र साथ फड़कें तो मित्र या बिछुड़े से मिलन व बाईं आंख नाक की ओर से फड़के तो पुत्री प्राप्ति या शुभ कार्य होंगे। मूंछ का दायां भाग फड़के तो विजय होती है तथा बायां भाग फड़कने पर झगड़ा होता है। कंठ के फड़कने पर आभूषणों की प्राप्ति हो सकती है। ऊपरी पीठ फड़कने पर धन मिलता है। पेट का ऊपरी भाग फड़के तो हानिकारक व नीचे का भाग फड़कने पर अच्छा सूचक माना जाता है। दायां घुटना फड़के तो स्वर्ण की प्राप्ति होती है।

भोग विलास के साधन

यदि किसी व्यक्ति के कंधे अथवा कंठ में स्फुरण हो तो व्यक्ति के भोग विलास के साधनों में वृद्धि होगी। ऐसे धन प्राप्ति की आशा भी होती है जिसके पाने की कोई आशा ही न हो। वक्ष स्फुरण यदि हो तो विजय प्राप्त होती है। शत्रु नाश होता है, मुकद्दमों में भी विजय श्री मिलती है। बार-बार जिस कार्य में असफलता मिली हो, उसमें भी सफलता प्राप्त होती है। कटि स्फुरण से आमोद-प्रमोद में वृद्धि होती है। हृदय स्फुरण से मनोवांछित सिद्धि प्राप्त होती है।

रोग मुक्ति

आंत अथवा आमाशय स्फुरण से रोग मुक्ति की सूचना मिलती है। पीठ का लगातार स्फुरण आगामी समय में किसी संकट की सूचना देता है। भुजाओं के फड़कने से मधुर भोजन व धन प्राप्ति की सूचना मिलती है। कहा भी गया है कि यदि किसी कंगाल की भुजा 15 दिनों तक फड़के तो वह करोड़पति हो जाता है। पाद तलों (पैरों की तली) से यदि स्फुरण हो तो अनायास ही मान प्रतिष्ठा मिलती है। नासिका, कटिपर्श्व, अधर, कपोल तथा जंघा में किसी भी भाग के स्फुरण होने पर प्रीतिसुख (प्रेम) प्राप्त होता है अर्थात प्रिय मिलन या किसी ऐसे नजदीकी व्यक्ति से मुलाकात होगी जिसके मिलन से सुख प्राप्त होगा।

हम में से अधिकतर लोगों को दास्ताने बोर लगते हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि ये बहुत फैशनेबल नहीं होते हैं। जबकि सच यह है कि अब बाजार में फैशनेबल ग्लव्स मिलने लगे हैं, जो हमारे लुक को इन्हैंस करते हैं। ठंड अपने चरम पर पहुंचने वाली है। ऐसे में सर्दी से हाथों को बचाने के लिए दस्तानों से बेहतर विकल्प और कुछ नहीं है। बॉलीवुड के साथ ही हॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी तरह-तरह के फैशनेबल दस्तानों के साथ नजर आते हैं।

अब फैशनेबल दस्ताने...

सर्दियों में हम वूलेन्स पहन लेते हैं और खुद को ठंड से बचा लेते हैं। स्वेटर के साथ ही पैंट, जुराबें, टोपी, मफलर आदि भी पहन लेते हैं लेकिन हाथ पर कम लोग ही ग्लव्स यानी दस्ताने पहनते हैं। दरअसल हम में से अधिकतर लोगों को दास्ताने बोर लगते हैं क्योंकि लोगों का मानना है कि ये बहुत फैशनेबल नहीं होते हैं।

जबकि सच यह है कि अब बाजार में फैशनेबल ग्लव्स मिलने लगे हैं, जो हमारे लुक को इन्हैंस करते हैं। लेस, स्टडेड, हैंड क्रोशे, जिप और वूलेन- कई तरह के दस्ताने बाजार में मिल रहे हैं, जो हमें स्टाइलिश लुक देने में सक्षम हैं। ये दस्ताने मॉल्स से लेकर फुटपाथ बाजार में मिलते हैं और कई रंगों में उपलब्ध हैं।

कई तरह के दस्ताने

फर वाले दस्ताने भी पहने जाते हैं। इन्हें यूं तो लोग इंडियन ट्रेडिशनल ड्रेसेज के साथ भी पहन लेते हैं लेकिन वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ ही ये अच्छे दिखते हैं। ये प्लेन के साथ ही एनिमल प्रिंट वाले भी बाजार में मिलते हैं और कई रंगों में भी। लेस वाले दस्ताने डेलिकेट दिखते हैं और इन्हें एलीगेंट एक्सेसरी में गिना जाता है। ये कॉकटेल ड्रेसेज के साथ परफेक्ट दिखते हैं। कॉकटेल ड्रेसेज के साथ लंबे दस्ताने भी बहुत अच्छे लगते हैं। ब्लैक, कोकोआ ब्राउन, आयवरी, बरगंडी और नेवी ब्लू में स्वेड ग्लव्स खूब दिखते हैं। इन्हें किसी भी ड्रेस के साथ पहना जा सकता है। लेडीज और जेंट्स दोनों ही इन्हें पहन सकते हैं। यदि बात वेलवेट गलव्स की हो तो पर्पल, मस्टर्ड यलो, प्वाइजन ग्रीन अच्छे लगते हैं।

हाथ के साइज का रखें ध्यान

गलव्स हमेशा अपने हाथ के साइज के ही खरीदने और पहनने चाहिए। तभी ये हाथों को गरम भी रखते हैं। ये कई तरह के फैब्रिक में मिलते हैं। वैसे ऊन के दस्ताने ही लोग पहनना पसंद करते हैं लेकिन रोजाना के इस्तेमाल के लिए पॉलिस्टर, फ्लीस और स्पैंडेक्स सही हैं। ये बाजार में खूब मिलते भी हैं। दस्ताने का चुनाव करते वक्त सही कपड़े और फिटिंग का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। छोटे कॉकटेल पहनावे या शर्ट और स्कर्ट के साथ यह और भी आकर्षक लगते हैं। लेकिन इस पहनावे के लिए अधिक आत्मविश्वास की जरूरत है।

मौके के हिसाब से दस्ताने

इन दिनों अलग-अलग अवसरों के लिए अलग-अलग तरह के दस्ताने खरीदने पर जोर दिया जा रहा है। समारोहों में पहनने के लिए ऊनी, चमड़ा और पोलिस्टर के हरे, गुलाबी और बैंगनी दस्ताने खरीदे जा सकते हैं। दस्ताने का मुख्य उद्देश्य आपके हाथों और अंगुलियों को ठिठुरन से बचाना होता है, लेकिन ये आपको एक अलग स्टाइलिश अंदाज भी दे सकते हैं। परिधान के साथ दस्ताना भी उतना ही आकर्षक और फैशनेबल होना चाहिए, ताकि कहीं भी इसे पहनने पर संकोच का एहसास नहीं हो। मार्केट में सस्ते और डिजायनर दोनों किस्म के दस्ताने मिल जाते हैं और ऐसे में अलग-अलग अवसरों के लिए दस्ताने खरीदे जा सकते हैं।

लेसवाले ग्लव्ज

डेलीकेट लुक पाना चाहते हैं, तो लेसवाले ग्लव्ज ट्राइ कर सकते हैं। इन्हें कॉकटेल ड्रेसेज के साथ मैच करके पहना जा रहा है। कॉकटेल ड्रेसेज के साथ लंबे दस्तानों को भी खूब पहना जा रहा है। इन्हें किसी भी ड्रेस के साथ पहना जा सकता है चाहे वह पार्टी में पहना गया ड्रेस हो या साधारण ड्रेस। टीन गर्ल्स शाम की पार्टी के समय गलव्ज पर ब्रेसलेट, चंकी रिंग्स और सॉलिटेयर पहनना पसंद कर रही हैं। वहीं बाइक चलानेवाले युवा लेदर ग्लव्ज पहने नजर आ रहे हैं।

टच स्क्रीन फोन भी चलेगा

सर्दियों में ठिठुरे हाथों को दस्तानों से बार-बार निकालकर टच स्क्रीन फोन को चलाने के झंझट से अब मुक्ति मिल सकती है। अब नीदरलैंड की एक कंपनी चमड़े के बने ऐसे दस्ताने लेकर आई है जिन्हें पहने-पहने आप अपने टच स्क्रीन फोन को चला सकते हैं। इससे सर्दियों में फोन चलाने के लिए आपको इन दस्तानों को बार-बार उतारने की जरूरत नहीं होगी। और आपको ठंड से निजात मिलेगी।

क्रोशिए से बुने दस्ताने

क्रोशिए से बुने हुए फैशनेबल दस्ताने जहां महिलाएं पसंद कर सकती हैं, वहीं जिप वाले दस्ताने भी चलन में हैं। इस बार की ठंडक में नियोन रंग वाले बुने हुए दस्ताने अधिक चलन में हैं। इस बार नववर्ष पर क्रोशिए से बुने हुए दस्ताने उपहार में दिए जा सकते हैं। कृत्रिम फर वाले जानवरों की तस्वीर वाले दस्ताने भी चलन में हैं।

ड्रेस के साथ मैच

आप चाहें तो अपनी ड्रेस से मैचिंग दस्ताने खरीदकर पहन सकते हैं और अपने आउटफिट को अच्छा लुक दे सकते हैं। हैंड क्रोशे वाले दस्ताने आपके हाथों को गरम रखने के साथ ही स्मार्ट लुक भी देते हैं। इन पर कई डिजाइन्स भी बने होते हैं। कुछ पर तो क्रोशे से ही डिजाइन बने होते हैं तो कुछ पर मेटैलिक टच वाली एक्सेसरीज लगी होती हैं। ये बहुत ट्रेंडी दिखते हैं। इस समय फ्लोरेसेंट कलर्स वाले दस्ताने भी फैशन में हैं। यलो, पिंक, रेड, ऑरेंज, पर्पल जैसे रंगों के दास्ताने डल शेड के स्वेटर के साथ गजब के दिखते हैं।

मेटलिक टचवाले ग्लव्ज

टीन गर्ल्स के लिए खासतौर पर खूबसूरत डिजाइनवाले ग्लव्ज मार्केट में मौजूद हैं। मेटलिक टचवाले एक्सेसरीज लगे हुए ग्लव्ज ट्रेंडी लुक देते हैं। आजकल फ्लोरेसेंट कलर्स वाले दस्ताने भी फैशन में हैं। यलो, पिंक, रेड, ऑरेंज, पर्पल जैसे रंगों के दस्तानों को डल शेड के स्वेटर के साथ खूब पहना जा रहा है। लंबी और पतली बाहोंवाली लड़कियां क्लासिक लंबे दस्ताने का इस्तेमाल कर सकती हैं।

ठंड में बचें सैड से...

मौसम तो तय समय पर बदलने लगता है, लेकिन हम इन बदलावों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं होते। ऐसे में शरीर और मस्तिष्क इस मौसम के बदलाव से अनछुए नहीं रहते और हम कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से परेशान होते हैं। इनमें से एक है एसएडी यानी सीजनल अफेक्टवि डिसॉर्डर या मौसमी अवसाद। मनोचिकित्सकों के मुताबिक मौसम का मिजाज किसी भी व्यक्ति को मानसिक रूप से रोगग्रस्त कर सकता है। दरअसल मस्तिष्क के अंदर सेराटोनिन नाम का रसायन पाया जाता है, जो न्यूरोट्रांसमीटर का काम करता है। ये न्यूरोट्रांसमीटर रसायन सूर्य की रोशनी में ही सक्रिय होते हैं, पर इन दिनों रसायन का सक्रिय होना कम हो जाता है, जिस कारण लोगों में निराशा के लक्षण बढ़ जाते हैं।

हर साल एक ही समय पर

सैड वास्तव में एक प्रकार का डिप्रेशन या अवसाद है, जिससे व्यक्ति हर साल एक ही समय-विशेष पर ग्रसित होता है। इस दौरान काम में मन नहीं लगता और निराशा के भाव व्यक्ति के दिमाग में आते हैं। इसमें मूड में बदलाव, ऊर्जा की कमी, नींद में बदलाव, ध्यान लगाने में तकलीफ और दोस्तों तथा परिचितों के साथ कम समय बिताने की इच्छा होती है। इस मौसम में लोग अलगाव, चिड़चिड़ापन, कमजोरी और एकाकीपन जैसी भावनाओं की शिकायत करते हैं। छोटी-छोटी समस्याओं को भी बहुत बड़ा समझने लगते हैं।

जानलेवा भी है यह मर्ज

कमजोर दिल और दिमाग वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि यह मौसम जानलेवा भी साबित हो सकता है। उनमें अकेलेपन, हताशा, भूख न लगने, बेचैनी, नींद न आने व भाव-शून्यता आदि के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं।

इलाज है आसान

सम्पूर्ण चिकित्सा और रहन-सहन में बदलाव लाने से 80 प्रतिशत मरीज ठीक हो जाते हैं, किंतु यदि मौसमी अवसाद का समय रहते इलाज न करवाया जाए तो व्यक्ति आजीवन इसका मरीज बना रह सकता है। इसलिए इलाज में लापरवाही बिल्कुल न बरतें।

धूप के संपर्क में आएं

विटामिन डी की कमी से भी सर्दियों में अवसाद होता है। दरअसल विटामिन डी का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्त्रोत सूर्य की किरणें हैं। सर्दियों में धूप कम निकलती है। अगर धूप निकल भी जाए तो कई बार आलस की वजह से लोग रजाइयों में रहना पसंद करते हैं और कई बार समय के अभाव में धूप में नहीं बैठ पाते। ऐसे लोग धूप के संपर्क में आने लगते हैं तो अवसाद से बाहर निकल जाते हैं।

गैजेट्स भी करते हैं मदद

गो-गो गैजेट बहुत ही उपयोगी है और यह आपके आत्मविश्वास को बनाए रखने में मदद करता है। आपके दिमागी तनाव को दूर करने में यह गैजेट बहुत मददगार साबित हो सकता है। इस गैजेट को आप सुबह के अलार्म के साथ सेट कर सकते हैं। यानी सुबह का अलार्म बजने के साथ यह गैजेट काम करने लगता है। अलार्म बंद होने के 30 मिनट बाद काम करना शुरू कर देता है।

फुल स्पेक्ट्रम लाइट

यह एक प्रकार का लैम्प है, जो सूर्य की मदद से चलता है। यह शरीर में सेराटोनिन के उत्पादन को बढ़ाता है, जो मूड को बेहतर बनाता है। इससे बहुत अच्छी नींद आती है।

कई बीमारियों का खतरा

एक शोध के अनुसार हमारे शरीर को सूर्य से सबसे अधिक विटामिन डी मिलता है। विटामिन डी की कमी से मधुमेह, हृदय रोग, एलर्जी, कैंसर, अल्जाइमर व मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। शरीर तनाव महसूस करता है। यही कारण है कि सर्दियों में आत्महत्या व डिप्रेशन के मामले बढ़ जाते हैं। तापमान शरीर के एनर्जी लेवल को भी सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जब शरीर गर्म होता है तो रक्त का प्रवाह सामान्य रहता है।

ठंडे मौसम में यह प्रतिक्रिया विपरीत होती है, जिससे बीमारी का खतरा अधिक होता है। शरीर के प्रत्येक अंग को ऑक्सीजन की जरूरत होती है। रक्त प्रवाह के जरिये शरीर को यह प्राप्त होती है। सर्दी में गर्मी को बचाए रखने के प्रयास में शारीरिक कार्य धीमे हो जाते हैं।

खुद को दुनिया का खास व्यक्ति समझें

स्वयं को आगे बढ़ता हुआ देखना हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन मन में मौजूद नकारात्मक सोच व्यक्ति को अच्छा सोचने ही नहीं देती है, इसलिए सर्वप्रथम व्यक्ति का स्वयं पर यकीन होना जरूरी है, तभी वह अपनी बात दूसरों से मनवाने में सफलता हासिल कर सकेगा। सकारात्मक सोच ही मनुष्य की सच्ची साथी है। यकीन नहीं तो आप खुद आजमा कर देखें। क्योंकि कहा भी है कि मन जैसा सोचता है, मनुष्य वैसा ही बन जाता है।

अच्छा बनना है, तो अच्छा सोचें और नकारात्मक सोचोंगे, तो आप को निराशा हमेशा घेरे रखेगी। लोगों को अपनी समझ से अगवत करवाने और उन्हें अपनी बात से सहमत करवाने का गुण सफलता प्राप्त करने का एक मूल मंत्र है। किसी को अपनी बात से राजी करने और उसे परेशान करने में एक बारीक सा फर्क है। लोगों को अपने विचार समझा पाना वाकई एक कठिन काम है, इसमें आपकी जरा सी एक चूक उस व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वह आप पर झुंझला सकता है। कुछ आसान से टिप्स अपनाकर आप आसानी से लोगों को अपनी बात से सहमत कर सकते हैं।

पहले से करें तैयारी

इस बात की पहले से ही तैयारी करें कि आप किसी को किसी बात से सहमत करना चाहते हैं। जैसे कि एफिल टावर स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी से ज्यादा ऊंचा है, तब इससे संबंधित सारे आंकड़े पता करें सिर्फ अंदाजा न लगाएं। किसी विषय में आपका आत्मविश्वास तभी बढ़ता है, जब आपको उस विषय का संपूर्ण ज्ञान हो। किसी चीज का आधा-अधूरा ज्ञान आपको असमंजस में डाल सकता है। इसलिए कोशिश करें कि जिस विषय में आप किसी को सहमत करवाने जा रहे हैं, उस विषय पर आपकी अच्छी पकड़ हो।

फील्ड को अच्छी तरह जानें

कुछ मामलों में आपको आंकड़ों से कहीं ज्यादा जानने की जरूरत रहती है, जैसे कि यदि आप यह साबित करना चाहते हैं कि स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी एफिल टॉवर से ज्यादा सुंदर है तब इसके लिए आपको आंकड़ों के साथ-साथ उनके वास्तुकला और सौंदर्य शास्त्र की सारी जानकारी होना चाहिए, जिससे आप अपनी बात को प्रभावी रूप से कह सकें, इसी तरह यदि आप किसी कार को बेचना चाहते हैं तो आपको उस कार के साथ-साथ उसकी प्रतिस्पर्धी सारी कारों की संपूर्ण जानकारी होनी आवश्यक है। यानी किताबी ज्ञान होने के साथ-साथ फील्ड का ज्ञान होना भी बहुत जरूरी है।

नम्रतापूर्वक अपनी बात कहें

जहां तक संभव हो आई कांटैक्ट बनाए रखें, आपसी सम्मान की भावना बनाए रखें। अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता है कि आप उसका सम्मान नहीं करते, तब आप उसे कभी अपनी बात से सहमत नहीं करवा सकते, इसलिए अपनी बातों को नम्रतापूर्वक कहें।

आपका बोलने का तरीका सामने वाले व्यक्ति को बहुत प्रभावित करता है। अगर आप शालीनता से अपनी बात समझाएंगे, तो दूसरा आपकी बात आसानी से और जल्दी समझ जाएगा। जैसे छोटी क्लास में बच्चों को पढ़ाने के लिए नर्म होना पड़ता है और अगर आप कठोरता के साथ बच्चे के साथ पेश आएंगे, तो वह समझेगा भी नहीं, इसके विपरीत वह डर जाएगा।

भरोसा हासिल करें

लोगों को अपनी बात से सहमत करवाने के लिए जरूरी है उनका विश्वास जीतना, उन्हें भरोसा दिलाना कि जो आप कह रहे हैं वह सही है। अतः आप विषय से संबंधित सारी जानकारी एकत्रित कर लें। दूसरों का भरोसा आप तभी जीत पाएंगे, जब आप को अपने ऊपर भरोसा हो। खुद में भरोसा जगाने के लिए जरूरी है कि आप खुद को विश्व का सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति समझें।

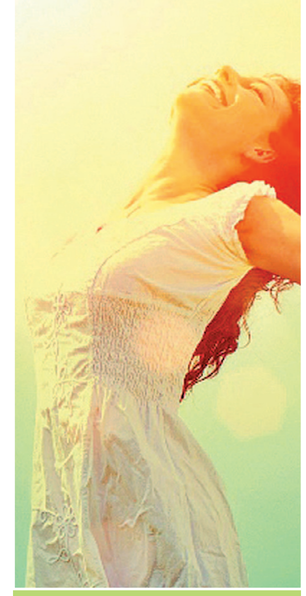

दूसरे को ध्यान से सुनें

जिस व्यक्ति को आप सहमत करना चाह रहे हैं, उनकी बातों को भी सुनें, उनके विचारों को भी समझें, उन्हें रियल फैक्ट्स के साथ उनके सवालों के जवाब दें। सामने वाले को यह एहसास कभी न होने दें कि वह कुछ भी नहीं जानता। अपने को महत्त्वपूर्ण जरूर समझें, पर दूसरे को भी कम न आंकें।

>> जिज्ञासा

लाफिंग गैस क्या है?

बच्चो, आपने अश्रु-गैस यानी टीअर गैस के बारे में तो सुना होगा। पुलिस इसका प्रयोग अक्सर प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए करती है। यह गैस लोगों की आंखों पर प्रभाव डालती है तथा उनमें से आंसू बहने लगते हैं। इसलिए इसे अश्रु -गैस कहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लॉफिंग गैस क्या है ?

जैसे टीअर गैस लोगों को रुलाती है, वैसे ही लाफिंग गैस लोगों को हंसाने का काम करती है। लाफिंग-गैस अर्थात हंसाने वाली गैस को नाइट्रस ऑक्साइड (nwo) कहते हैं। इसकी खोज का श्रेय इंग्लैंड के वैज्ञानिक जोसफ प्रीस्टलै को जाता है। उन्होंने इस गैस की खोज 1772 में की थी। सूंघने पर यह गैस हमारे खून में मिलकर दिमाग के हंसी-केंद्र को उतेजित कर देती है। इसी उतेजना के कारण मनुष्य जोर-जोर से हंसने लगता है। जहां इस गैस का प्रभाव शीघ्रता से होता है, वहीं समाप्त भी जल्दी होता है। आरम्भ में इस गैस का प्रयोग डॉक्टर बिना दर्द महसूस किए मरीजों के दांत निकालने के लिए करते थे। अधिक मात्रा में लाफिंग-गैस को सूंघना हानिकारक हो सकता है। इसलिए इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

>> दिमाग की बज़ी

क्या मछलियां पानी पीती हैं?

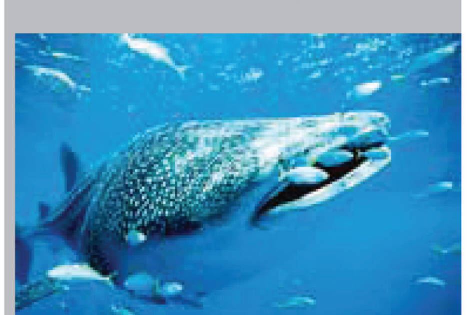

मीठे पानी की मछलियों के शरीर के द्रव, जिस पानी में वे रहती हैं, उसके मुकाबले ज्यादा खारे होते हैं, इसलिए रसाकर्षण यानी ऑस्मॉसिस की प्रक्रिया द्वारा उनकी त्वचा से होकर पानी लगातार उनके शरीर में पहुंचता रहता है। शरीर में इतना पानी पहुंचने के कारण मछलियों को पानी पीने की कोई जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन समुद्री मछलियों के शरीर के द्रव बाहर के पानी से कम नमकीन होते हैं। इसलिए उनके शरीर का पानी लगातार बाहर जाता रहता है। अपनी त्वचा से बाहर जाते पानी के इस नुकसान को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी मात्रा में पानी पीना पड़ता है। पानी के साथ जो अतिरिक्त नमक उनके शरीर में पहुंचता है, वह उनके गलफड़ों तथा पाचन मार्ग से बाहर निकल जाता है। मछलियां जो भी पानी पीती हैं, उसकी उन्हें ज़रूरत होती है। इसलिए समुद्री मछलियां बहुत कम मूत्र त्याग करती हैं। इसके विपरीत मीठे पानी की मछलियां अपने शरीर का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए काफी ज्यादा पेशाब करती हैं।

>> क्या आप जानते हैं?

- मकड़ी की लगभग 34,000 प्रजातियां होती हैं।
- मकड़ी की आमतौर पर आठ आंखें होती हैं, पर फिर भी उसकी नजर बहुत अच्छी नहीं होती।
- केवल मादा ब्लैक विडो स्पाइडर के डंक में ही जहर होता है, लेकिन यह बहुत ज्यादा घातक नहीं होता। केवल एक फीसदी लोगों की ही इसके डंक से मौत होती है, अन्य को एंटीवेनिन का इस्तेमाल करके बचा लिया जाता है।
- मादा मकड़ी की कुछ खास प्रजातियां, जैसे ऑस्ट्रेलियन क्रैब स्पाइडर अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए खुद उनका भोजन बन जाती हैं।
- कुछ नर मकड़ियां मादा मकड़ियों को आकर्षित करने के लिए अपने जाले को गिटार की तरह बजाते हैं।

नन्हें फरिश्ते

कार्टून सीरियल्स में आपने फूलों और तितलियों की रंगबिरंगी दुनिया खूब देखी होगी और सराही भी होगी। तितलियां कुदरत की सबसे खूबसूरत रचनाओं में से एक हैं। अगर हम आपको सचमुच में तितलियों के देश में ले जाएं, तो यह कितना रोमांचक होगा न। चारों ओर रंग-बिरंगे तरह-तरह के फूल और उन पर मंडरातीं तितलियां। जरा आंखें बंद करके यह नजारा देखो, आपके चेहरे पर खुशी बिखर जाएगी। और अगर आपको तितलियों की खूबसूरत दुनिया में जाने का मौका मिले, तो आप यकीनन इसे खोना नहीं चाहेंगे। यहां आपको तितलियों के बारे में कई रोचक जानकारियां भी मिलेंगी। बैंगलुरू से करीब 21 किलोमीटर दूर बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क परिसर में बटरफ्लाई पार्क है। बटरफ्लाई पार्क में आप अधिक संख्या में विभिन्न तरह की तितलियां देख सकते हैं। बटरफ्लाई पार्क के लिए यह आइडियल लोकेशन थी, क्योंकि यहां कई तरह की प्राकृतिक वैजिटेशन हैं। साढ़े सात एकड़ में फैला यह पार्क जू अथॉरिटी ऑफ कर्नाटक, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंस और अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरमेंट का एक संयुक्त प्रयास है। यह देश का पहला और एशिया का सबसे बड़ा बटरफ्लाई पार्क है। यहां तितलियों की 100 से अधिक प्रजातियां हैं। यह पार्क बच्चों को प्रकृति के करीब लाने का एक बढ़िया प्रयास है। दूर से देखने पर यह पार्क भी एक बड़ी तितली की तरह ही दिखता है। इस पार्क को तीन हिस्सों में बांटा गया है- कंजरवेट्री, म्यूजियम और ऑडियो-विज़्यूअल रूम।

बटरफ्लाई कंजरवेट्री

कंजरवेट्री एक गोलाकार अहाता है, जो 10,000 वर्ग फुट एरिया में फैला हुआ है, जिसकी छत पॉलीकार्बोनेट से बनी है। इसमें लगभग 20 प्रजातियों की तितलियों का बसेरा है। यहां आपको सब तरफ खूबसूरत फूल और उन पर मंडराती तितलियां दिखाई देंगी। आपकी नजर जहां भी जाएगी, आपको सुंदर तितलियां ही दिखाई देंगी।

कंजरवेट्री के अंदर तितिलियों की विभिन्न प्रजातियों के रहने के लिए सावधानी पूर्वक वातावरण बनाया गया है। यहां के तापमान को भी तितलियों के अनुसार ही सैट किया गया है। नम वातावरण बनाने के लिए यहां आर्टिफिशियल वाटरफॉल भी बनाया गया है, जिसके ऊपर संकीर्ण ब्रिज है। यहां तितलियों को आकर्षित करने के लिए कलरफुल पेड़-पौधे और झाड़ियां भी लगाई गई हैं। यहां आप तितलियों का पूरा जीवन चक्र भी देख सकते हैं।

म्यूजियम

म्यूजियम में तितलियों से जुड़ी कई रोचक व शिक्षाप्रद जानकारियां मिलती हैं। यहां तितलियों की ऐसी प्रजातियों को भी संरक्षित करके रखा गया है, जो अब नहीं पाई जातीं। यहां तितलियों के जीवन चक्र को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

ऑडियो-विजुअल रूम

यहां आप तितलियों के बारे में अपनी जानकारी में इजाफा कर सकते हैं। ऑडियो-विजुअल रूम में प्रोजैक्टर के जरिए तितलियों के जीवन चक्र को अच्छी तरह से समझा जा सकता है।

मजेदार जानकारियां

- दुनियाभर में तितलियों की करीब 24,000 प्रजातियां हैं। ये अंटार्कटिका के अलावा दुनिया के हर हिस्से में पाई जाती हैं।
- तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये एक हफ्ते से एक साल तक जिंदा रह सकती हैं। यह उनकी प्रजाति पर निर्भर करता है।
- तितली 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है और माइग्रेट करने के लिए लंबी दूरियां तय करती है। सबसे तेज गति मोनार्च तितली की रिकॉर्ड की गई है, जो 17 मील प्रति घंटा है।
- तितलियां मुंह या एंटीना से भोजन को टेस्ट नहीं करतीं, बल्कि ये भोजन पर खड़ी-खड़ी उसे टेस्ट कर सकती है, योंकि इसके पैरों के नीचे टेस्ट सैंसर्स होते हैं।
- सबसे बड़ी मादा तितली क्वीन एलेक्ज़ेंड्रा है। यह जहरीली तितली पपुआ और न्यू गिनी के वर्षावनों में पाई जाती है। इनके पंखों का फैलाव 12 इंच से ज्यादा होता है। जब यह आपके नाक पर बैठती है, तो पूरा चेहरा ढंक लेती है। इस प्रजाति की नर तितली का आकार मादा के मुकाबले काफी छोटा होता है। दूसरी सबसे बड़ी तितली गोलिअथ बर्डविंग है, जो इंडोनेशिया के वर्षावनों में पाई जाती है। इसके पंखों का फैलाव 11 इंच होता है।
- सबसे छोटी तितली अफ्रीका की वैस्टर्न पिग्मी लू है। इसके पंखों का फैलाव सिर्फ़ आधा इंच है।
- भारत में पश्चिमी घाट सैंकड़ों दुर्लभ और आकर्षक तितलियों की प्रजातियों का घर है। इनमें से कुछ तो इतनी दुर्लभ हैं कि वे दुनिया के किसी अन्य हस्से में नहीं पाई जातीं। इस इलाके में तितलियों की 350 प्रजातियां पाई जाती हैं। विभिन्न प्रजातियों में रंगों का पैटर्न अलग होता है।

- रशियन लोग तितली को 'बबोचका' कहते हैं, जिसका मतलब है- छोटी आत्मा। प्राचीन स यताओं ने भी तितलियों को छोटे फरिश्ते या आत्माएं कहा जाता था। उनकी मान्यता थी कि जब कोई व्यक्ति मर जाता है, तो उसकी आत्मा तितली बनकर स्वर्ग में जाती है।
- कोस्टारीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इनकी ज़िंदगी प ो पर एक बहुत छोटे से अंडे से शुरू होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहां इन्होंने अपना शुरुआती समय बिताया होता है।
- तितली का दिमाग बहुत तेज होता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनकी अद्भुत क्षमता प्रशंसनीय है। ये बहुत लंबी दूरी तय करके भी उस पेड़ पर पहुंच जाती हैं, जहां इनकी लक्कड़दादी ने अंडे दिए थे।

कैद में जूडी

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमरीका के युद्धबंदियों में एक कुत्ता भी था। अमरीका द्वारा बनाए गए युद्धबंदियों में जूडी नामक यह जापानी मादा कु ा एकमात्र चौपाया थी। दरअसल, अमरीकी सैनिकों ने जूडी को एक डूबती हुई नाव से बचाया था, जो जापानी नौसेना की थी। अमरीका ने उसे मिलिट्री जेल में रखा, हालांकि उसे यहां किसी बैरक में बंद नहीं किया गया था। मिलिट्री जेल में जूडी अपना सारा समय छिपकलियां और दूसरे छोटे जीवों को पकड़ने में बिताती थी। जब भी वह इन जीवों को पकड़कर कैदियों के पास जाती, तो उसे इसके बदले में उनसे खूब प्यार मिलता था, क्योंकि इन जीवों को पकड़कर वह कैदियों के राशन को कम होने से बचाने में मदद करती थी।

बगुले जैसे स्टॉर्क

>> हमारे पक्षी

इस बार हम आपको पानी तथा पानी के आस पास पाए जाने वाले पक्षियों में स्टॉर्क परिवार के पक्षियों से मिलवाते हैं। ये ऊपरी तौर पर बड़े अंजन से मिलते-जुलते होते हैं। इनकी टांगे लम्बी और टांगो का निचला भाग कुछ बाल रहित खुला होता है। गर्दन लम्बी और भारी और आगे को पतली पड़ती नुकीली चोंच होती हैं। उड़ते हुए ये अंजनो से बिल्कुल अलग पहचाने जा सकते हैं। इनकी गर्दन आगे को खिची रहती है, जबकि बगुलो की गर्दन अंग्रेजी अक्षर 'एस' के आकार में चपटी और मुड़ी होती है। सारसो के स्वर पेशियां नहीं होतीं, इसलिए ये आमतौर पर चुप ही रहते है। ये सिर्फ कभी किसी मौके पर गले से हल्की घुरघुराहट की सी आवाज निकालते हैं। भारत मे इस स्टॉर्क परिवार की जो सबसे अधिक आम और आकर्षक प्रजाति पाई जाती है, वह है जंगहिल दांख कंकारी- ये लगभग गिद्ध के आकार का और सिर तक लगभग साढे तीन फुट ऊंचा होता है। इसके पर सफेद होते हैं, जिनपर ऊपर की तरफ चमकदार हरापन लिए काले रंग के निशान और पट्टियां पड़ी होती हैं और छाती पर काली पेटी-सी बनी होती है। अंगेजी मे इसे पेंटेड स्टॉर्क कहते है। इसका कारण यह है कि इसकी पूंछ के पास मुलायम हल्के गुलाबी रंग के पर (असली नहीं ऊपरी) होते है। मुंह कुछ चिकना पीला होता है और उसपर बाल नहीं होते तथा चोंच पीली तथा भारी नोंक पर कुछ मुड़ी होती है। ये झीलों और दलदलों के पास छोटे-मोटे दलों या बडे झुंडों मे पाए जाते हैं। ये और स्टॉर्क के साथ सारा दिन या तो कूबड़ निकाले चुपचाप खड़े रहते है या दलदली भूमि या उथले पानी में मछलियां और मेंढक ढूंढ़ते बड़े धैर्य के साथ घूमते रहते है। मछलियां और मेंढक उसका खास भोजन है। खाने को ये पानी के कीड़े, केकड़े और घोंघे भी खाते हैं। जंगहिल खाना ढूंढ़ने के लिए उथले पानी में घुस जाता है, फिर गर्दन झुकाए चोंच खोले और कुछ भाग पानी में डुबाए धीरे-धीरे चलता रहता है। चोंच को या तो कुछ पाने की आशा में बिल्कुल निश्चल रखता है या एक टांग उठाए हुए इधर- उधर बाजुओं की ओट घुमाता रहता है। टांग को इस तरह घुमाकर वह पानी को चलाता है और शिकार को हांक कर खुले जबड़ों की ओर ले आता है। कभी- कभी टांग चलाने के साथ ही वह उसी ओर का पंख भी फड़फड़ाता है, इस प्रकार उसकी छाया भी पानी में पड़ती है इससे शिकार और जल्दी उधर की ओर आ जाता है। जंगहिल पानी में या उसके पास स्थित पेड़ों पर निस्संकोच होकर बैठते और बसेरा करते हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

पृथ्वी पर सागरों का बनना एक अनोखी घटना है। इनके बनने की प्रक्रिया में एक-दो नहीं, बल्कि करोड़ों साल लगे। कैसे बने ये सागर, आइए जानें...

सागर का जन्म

कुछ दशक पहले तक माना जाता था, सूर्य के टूट जाने के फलस्वरूप उसके टुकड़ों से पृथ्वी तथा अन्य ग्रहों का जन्म हुआ। परंतु अब ज़्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि सूर्य तथा उसके ग्रहों का निर्माण ब्रह्मांड में फैली धूल और गैसों के संघनन से एक साथ ही हुआ था। उनके अनुसार यह घटना आज से लगभग पांच अरब वर्ष पूर्व घटी थी व इसके बाद धूल और गैसों के अणु गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पृथ्वी के केंद्र की ओर आते गए। पृथ्वी कभी आग के गोले के समान गर्म थी। इस बारे में भी विशेषज्ञों में मतभेद हैं। पृथ्वी का जन्म चाहे जैसे भी हुआ हो, परंतु यह निर्विवाद है कि पृथ्वी पर पहले सागर नहीं था। इसका जन्म लगभग 1 अरब वर्ष बाद हुआ है। सागरों के निर्माण के बारे में ज्यादातर विद्वान मानते हैं कि जब पृथ्वी का तापमान कम होते-होते जल के समान नीचे आ गया, तब उसके गर्भ में चट्टानों आदि में मौजूद पानी बाहर निकलने लगा। परंतु उस समय भी पृथ्वी की ऊपर की स्तह काफ़ी गर्म थी। इसलिए पानी तुरंत भाप बनकर उड़ जाता था। लंबे समय तक चलने वाली इस क्रिया से बादल इतनी ज़्यादा तादाद में बन गए कि इन्होंने पूरी पृथ्वी को ही ढंक लिया।

फिर जब यह बादल बरसने लगे, तो हज़ारों वर्ष तक बरसते ही रहे। आरंभ में जो पानी बरसता, वह पृथ्वी की गर्म सतह के कारण तुरंत भाप में बदल जाता और बादल बनकर फिर बरसने लगता। हज़ारों वर्षों की इस प्रक्रिया के बाद पानी पृथ्वी की सतह पर ठहरने लगा। वह गड्डों, खाइयों और निचले स्थानों में भरने लगा। वैज्ञानिक मानते हैं कि इन्हीं बारिशों के पानी से सागरों का जन्म हुआ। परंतु कुछ विशेषज्ञों मानते हैं कि तब बारिश असाधारण नहीं, बल्कि आज जैसी बारिशों जैसी ही थी। इसलिए आरंभिक सागर में आज की तुलना में केवल 5 से 10 प्रतिशत पानी ही था। अत: सागर कुछ हज़ार वर्षों में नहीं, बल्कि करोड़ों वर्षों में बने।

आरंभ में पृथ्वी पर एक ही थल खंड (पेंजिया) व एक ही सागर (पेंथेलसा) था। आज से लगभग 15 करोड़ वर्ष पूर्व, किसी कारणवश वह थलखंड टूटने लगा और उसके दो टुकड़े हो गए। पहला गौडवानालैंड, जिसमें आजकल अफ्रीका, दक्षिण अमरीका, भारतीय प्रायद्वीप, आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका और लॉरशिया हैं। दूसरे हिस्से में उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया शामिल हैं। इन दोनों खंडो के बीच बनी खाई में टेपिस सागर बन गया। फिर ये थलखंड भी टूटने लगे। इनसे बने थलखंडों में से ही वर्तमान महाद्वीप बने। महाद्वीप बनने के साथ-साथ यह थलखंड एक-दूसरे से दूर सरकते गए और बीच की खाइयों में पानी भरने लगा। इन्हीं ने बाद में सागरों का रूप धारण किया।

महाद्वीप-विस्थापन के इस सिद्धांत को पहले स्वीकार नहीं किया गया। पर प्लेट विवर्तनकी के सिद्धांत के प्रतिपादन के बाद सब संदेह दूर हो गए। प्लेट विवर्तनकी सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की ऊपरी सतह बहुत मोटी नहीं है। वह विभिन्न प्लेटों में बंटी हुई है। इसमें 6 बड़ी और अनेक छोटी प्लेटें हैं। ये प्लेटें मैटल के गाढ़े द्रव पर तैरती रहती हैं। यह आपस में टकरा भी जाती हैं। टकराने से भूकंप आते हैं व ज्वालामुखी फटते हैं। प्लेटों के एक-दूसरे से दूर जाने पर खंड टूटकर वर्तमान महाद्वीपों में परिवर्तित हुए। ये क्रियाएं आज भी निरंतर होती रहती हैं। महासागरी और महाद्वीपों को वर्तमान आकृतियां प्रदान करने में वर्षा, कुहरा, वायु जैसे कारकों द्वारा की जाने वाली कई तरह की क्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

रोचक तथ्य- समुद्री यात्राओं के दौरान अपने जहाज़ों को तूफ़ानों से तथा जल में डूबी चट्टानों से टकराने से बचाने के लिए प्राचीन यूनान निवासी, यात्रा आरंभ करने से पहले सागर के देवता ओसिनस को बलि चढ़ाते थे। उनकी मान्यता थी कि ओसिनस ही सागर की लहरों और धाराओं पर नियंत्रण रखता है।

कैप्टन जेम्स कुक- इस ब्रिटिश समुद्री खोजी ने दक्षिण प्रशांत महासागर की तीन यात्रायों के दौरान न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, तिमूर, जावा तथा अटार्कटिक सागर की खोज की। अपनी अंतिम यात्रा के दौरान वह उतरी-पश्चिमार्ग ढूंढ़ पाने में असमर्थ रहे और हवाई द्वीप में मारे गए।

>> अंतर ढूंढ़ें

बच्चो, इस चित्र में छह अंतर हैं। क्या आप बता सकते हैं कि वे अंतर कौन-से हैं?

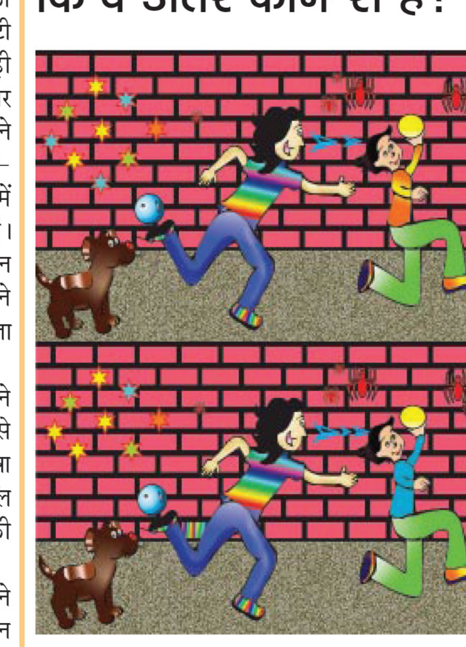

उत्तर- 1- सितारा कम है, 2-एक स्टार का रंग अलग है, 3-दीवार की ईंट का रंग अलग दिखा है, 4-डोरी कम है, 5- एक [illegible] कम है, 6-टीशर्ट का रंग अलग दिखा है।

पेंटागन का ड्रग कार्टेल के खिलाफ कठोर कदम लैटिन अमेरिका में होगी युद्धपोतों की तैनाती

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने लैटिन अमेरिका में सक्रिय ड्रग कार्टेल और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए शुक्रवार को कठोर कदम उठाए हैं।

रक्षा मुख्यालय ने लैटिन अमेरिका में सैन्य अभियान के बड़े विस्तार का फैसला किया। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड और उससे जुड़े युद्धपोतों को आने वाले दिनों में इस क्षेत्र में भेजने का आदेश दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि विस्तारित सैन्य उपस्थिति का उद्देश्य न केवल पश्चिमी गोलार्ध में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना है, बल्कि वहां सक्रिय आपराधिक समूहों को कमजोर और ध्वस्त करना भी है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए अभियान का अहम हिस्सा है। इससे क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों की संख्या लगभग दोगुनी होने की संभावना है।

सैन्य गतिविधियों से वाकिफ अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने बताया कि प्यूर्टो रिको में सैन्य ठिकानों पर उन्नत एफ-35 लड़ाकू विमानों की तैनाती के अलावा कैरेबियन सागर में आठ युद्धपोतों पर लगभग 6,000 कर्मी तैनात हैं। यूरोप से इस क्षेत्र में आ रहा फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप जून में लगभग 4,500 नाविकों को लेकर वर्जीनिया स्थित अपने गृह बंदरगाह से रवाना हुआ था। पेंटागन ने इस महीने एक वरिष्ठ मरीन कॉर्प्स अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल कैल्वर्ट वर्थ की कमान में एक नए संयुक्त कार्य बल को सक्रिय किया है। ट्रंप प्रशासन के अनुसार, सितंबर की शुरुआत से अब तक 10 नाव हमलों में कम से कम 43 लोग मारे गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि इन अपराधियों पर जमीन पर भी हमला किया जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन का ताजा फैसला रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के यह कहे जाने के बाद आया है कि सेना ने 10वीं नाव पर सवार छह लोगों को मार गिराया है। इस नाव से ड्रग्स ले जाई जा रही थी।

न्यूज ब्रीफ

एफबीआई प्रमुख काश पटेल अगले माह जाएंगे चीन, फेंटेनाइल का मुद्दा उठाएंगे

वाशिंगटन। फेंटेनाइल संबंधी रसायनों के अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं पर धड़ाधड़ कार्रवाई कर रही अमेरिकी खुफिया एजेंसी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल अगले महीने चीन की यात्रा पर जाएंगे। अमेरिका ने विदेशों में उत्पादित ऐसे रसायनों और उनसे संबंधित वित्तपोषण स्रोतों से निपटने के लिए नशा विरोधी नीति पर अमल शुरू किया है। राष्ट्रपति ट्रंप और पटेल ने चीन को संयुक्त राज्य अमेरिका में नशे की लत के संकट को बढ़ावा देने के लिए दोषी ठहराया है। रिपोर्ट के अनुसार, काश पटेल अपनी चीन यात्रा के दौरान वहां के नेतृत्व और अधिकारियों के बीच फेंटेनाइल का मुद्दा उठाएंगे। राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप भी दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के दौरान अवैध नशीली दवाओं की समस्या का मुद्दा उठाएंगे। ट्रंप ने गुरुवार को कहा, मैं उनसे सबसे पहला सवाल फेंटेनाइल के बारे में पूछूंगा। ट्रंप ने यह टिप्पणी गुरुवार को व्हाइट हाउस के स्टेट डाइनिंग रूम में आयोजित एक कार्यक्रम में की। यह कार्यक्रम नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले ड्रग कार्टेल पर कार्रवाई को उजागर करने के लिए आयोजित किया गया था। ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ने अब तक बड़ी मात्रा नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। पटेल ने कहा कि प्रशासन ने लाखों लोगों की जान बचाई है। ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करने के कुछ दिनों बाद कहा था कि चीन, अमेरिका में नशीली दवाओं के प्रवाह को रोकने में विफल रहा है। पिछेल माह तीन सितंबर को पटेल ने खुलासा किया कि कुछ चीनी कंपनियां कथित तौर पर फेंटेनाइल उत्पादन के लिए आवश्यक प्रीकर्सर रसायन बनाती हैं। 16 सितंबर को सीनेट में गवाही के दौरान पटेल ने कहा था कि एजेंसी ने मुख्य भूमि चीनी व्यवसायों और उद्यमों से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट भी जब्त किए हैं, क्योंकि इन पर फेंटेनाइल उत्पादन में शामिल होने का संदेह है।

थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का 93 साल की आयु में निधन

बैंकॉक (थाईलैंड)। थाईलैंड की राजमाता सिरीकित का निधन हो गया। उन्होंने 93 वर्ष की आयु में किंग

चुलालोंगकोर्न मेमोरियल अस्पताल में आखिरी सांस ली। थाई रेडक्रॉस सोसाइटी और रॉयल हाउस होल्ड ब्यूरो ने उनके निधन की घोषणा की। बैंकॉक पोस्ट अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, ब्यूरो के बयान में बताया गया कि वह सितंबर, 2019 से अस्वस्थ थीं। 17 अक्टूबर को उनके रक्तप्रवाह में संक्रमण हो गया। चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई। राजा महा वजीरालोंगकोर्न फ्रा वजीराक्लाओचाओयुहुआ ने ब्यूरो को शाही परंपरा के अनुसार सर्वोच्च सम्मान के साथ राजमाता का शाही अंतिम संस्कार करने का निर्देश दिया है। उनकी अस्थियां बैंकॉक के ग्रैंड पैलेस स्थित दुसित महा प्रसाद सिंहासन हॉल में रखी जाएंगी। राजा ने उनके निधन की तिथि से शाही परिवार और शाही दरबार के अधिकारियों के लिए एक वर्ष का शोक घोषित किया है। राजमाता सिरीकित का जन्म 12 अगस्त, 1932 को बैंकॉक में हुआ था। वो राजकुमार नक्खत्रा मंगला और एम.एल. बुआ कितियाकारा की पुत्री थीं। 28 अप्रैल 1950 को उनका विवाह राजा भूमिबोल अदुल्यादेज महान (राम चतुर्थ) के साथ हुआ था। राजा ने 1946 से 2016 तक शासन किया। पांच मई, 1950 को राज्याभिषेक के दिन सिरीकित को महारानी घोषित किया गया। राजमाता सिरीकित अंतिम समय तक थाई लोगों के कल्याण, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और पारंपरिक थाई कला एवं शिल्प के संरक्षण के लिए समर्पित रहीं ।

स्ट्रेस हार्मोन स्वास्थ्य के लिए हो सकता है खतरनाक

वाशिंगटन। लगातार हाई कार्टिसोल से हाई ब्लड प्रेशर, टाइप 2 डायबिटीज, मोटापा, स्ट्रोक और हार्ट डिजीज

का खतरा बढ़ जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह इम्यून सिस्टम को कमजोर करता है, जिससे बार-बार बीमार पड़ने की संभावना रहती है। यह हार्मोन एड्रिनल ग्रंथियों द्वारा रिलीज होता है और शरीर में एनर्जी लेवल बनाए रखने, सूजन कम करने और मेटाबॉलिज्म को रेगुलेट करने में मदद करता है। लेकिन जब इसका स्तर लंबे समय तक ज्यादा बना रहता है, तो यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसके अलावा, हाई कार्टिसोल से हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, नींद नहीं आती, डिप्रेशन और मानसिक तनाव बढ़ सकते हैं। लगातार तनाव, नींद की कमी, अत्यधिक कैफीन, असंतुलित खानपान और ज्यादा वर्कलोड इसका स्तर बढ़ाने वाले प्रमुख कारण हैं। सुबह का समय प्राकृतिक रूप से कार्टिसोल के लिए उच्च होता है, लेकिन पूरे दिन इसका ज्यादा रहना समस्या बन जाता है।

पाकिस्तान में सेना से लेकर राजनीति तक में पंजाब का दबदबा, अब नहीं दे रहा गेहूं

खैबर पख्तूनख्वा और सिंध प्रांत तक आटे की किल्लत, लोग चुका रहे भारी कीमत

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में हमेशा सेना, ब्यूरोक्रेसी से लेकर राजनीति तक में पंजाब सूबे का ही प्रभुत्व रहा है। इसे लेकर बलूचिस्तान में तो भारी विद्रोह रहा है और अकसर ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें पंजाबी मूल के लोगों को टारगेट कर मारा जाता है। इस बीच एक और विवाद पाकिस्तान में खड़ा हो गया है। खैबर पख्तूनख्वा से लेकर सिंध प्रांत तक आटे की किल्लत हो गई है और दोनों राज्यों की सरकारें पंजाब पर आरोप लगा रही हैं कि उसने गेहूं का स्टॉक रोक रखा है। सप्लाई ना होने के चलते उनके राज्यों में आटे की किल्लत पैदा हो गई है।

इससे महंगाई बढ़ गई है और गरीब तबके के लोगों को दो वक्त की रोटी के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने गेहूं के अंतर-राज्यीय मूवमेंट के बाधित होने पर सवाल उठाया। सरकार ने कहा कि पंजाब की ओर से सप्लाई चेन पर ब्रेक लगाया गया है। इससे उनके राज्य में आटे के दाम बढ़ रहे हैं और खाद्य सुरक्षा संकट में है। इसके अलावा सिंध प्रांत की पीपीपी सरकार ने भी पंजाब पर हमला बोला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंध प्रांत की सरकार का कहना है कि पंजाब प्रशासन ने गेहूं के बीज की सप्लाई ही रोक रखी है। इससे आने वाले फसल चक्र में गेहूं का उत्पादन सिंध में प्रभावित हो सकता है। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने तो पंजाब को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि गेहूं की सप्लाई पर लगा ब्रेक हटाया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में होगी। लेटर में कहा गया कि हमारे राज्य में गेहूं की कमी है। हम पंजाब पर निर्भर हैं और हमें प्रति दिन 14,500 टन गेहूं की जरूरत है। वहीं पख्तूनख्वा सरकार ने कहा कि ऐसी स्थिति में यदि पंजाब की ओर से सप्लाई चेन बाधित होगी तो हमारे यहां खाने की किल्लत हो जाएगी और बाजार में हाहाकार मच जाएगा। यही नहीं खैबर पख्तूख्वा की ओर से पाकिस्तान के संविधान का भी हवाला दिया गया है। पख्तूनख्वा सरकार ने कहा कि संविधान इस बात की गारंटी देता है कि किसी भी वस्तु या उत्पादन का इंटर-स्टेट मूवमेंट होगा और उसे बाधित नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार ने कहा कि फिलहाल पंजाब की ओर से 2000 टन गेहूं की सप्लाई का कोटा हमारे लिए तय किया गया है, बेहद कम है। हमारी जरूरत तो इससे 7 गुना तक ज्यादा है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की ओर से कहा गया है कि हमने कई बार संदेश भेजा, लेकिन सप्लाई पर लगा बैन जस का तस है। ऐसा करना संविधान का उल्लंघन है। इस तरह के हालात में पंजाब में क्षेत्रीय सद्भाव भी खतरे में पड़ सकती है, जहां पहले ही पंजाब के प्रभुत्व को लेकर अन्य राज्यों में असंतोष रहा है।

भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी रोकेगा पाकिस्तान का पानी.........कुनार नदी पर बांध बनाने की तैयारी

काबुल। भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने के लिए डैम बनाने में जुट गया है। अफगान सूचना मंत्रालय ने पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सूचना मंत्रालय ने बताया कि तालिबान के सर्वोच्च नेता मावलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने कुनार नदी पर जल्द से जल्द बांध बनाने का आदेश दे दिया है। मंत्रालय के उपमंत्री मुहाजिर फराही ने बताया कि पानी और ऊर्जा मंत्रालय को घरेलू कंपनियों को ठेका देकर बांध निर्माण जल्दी शुरू करने का आदेश दिया गया है। आदेश में कहा गया हैं कि विदेशी कंपनियों का इंतजार नहीं करना है। अफगानिस्तान ने यह फैसला हाल में हुए संघर्ष के बाद लिया है। 9 से 18 अक्टूबर तक चले झड़पों में अफगानिस्तान के 37 नागरिक मारे गए और 425 घायल हुए थे। वहीं, भारत ने भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि को स्थगित कर पाकिस्तान की ओर जाने वाला पानी रोक दिया था। बात दें कि 480 किलोमीटर लंबी कुनार नदी अफगानिस्तान से निकलकर पाकिस्तान में चितराल नदी बनकर काबुल नदी में मिलती है। कुनार नदी का 70-80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान में आता है। यह काबुल नदी फिर सिंधु नदी में शामिल होती है। अगर अफगानिस्तान बांध बनाकर कुनार का पानी रोकता है, तब पाकिस्तान को इसका गंभीर नुकसान होगा। इसका सीधा असर खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) पर पड़ेगा। इसके बाजौर, मोहम्मद जैसे इलाकों में खेती पूरी तरह इसी नदी पर निर्भर है। सिंचाई बंद होने से फसलें बर्बाद होने का खतरा बढ़ जाएगा। इसके अलावा, पानी रोकने से पाकिस्तान के चितराल जिले में कुनार नदी पर चल रहे 20 से ज्यादा छोटे प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते है।

वर्जीनिया गिफ्रे की आत्मकथा में अमेरिकी सिस्टम पर उठाए गए बड़े सवाल

वाशिंगटन, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सबसे चर्चित यौन शोषण पीड़िता वर्जीनिया फिर चर्चा में

अमेरिका की सबसे चर्चित यौन शोषण पीड़िता वर्जीनिया गिफ्रे फिर सुर्खियों में आ गई हैं। जेफ्री एपस्टीन के कुख्यात सेक्स ट्रैफिकिंग नेटवर्क की प्रमुख पीड़ित मानी जाने वाली गिफ्रे की मौत के बाद उनकी आत्मकथा नोबॉडीज गर्ल' प्रकाशित हुई। किताब में गिफ्रे ने अपने दर्दनाक अनुभवों का विस्तार से बताया है और साथ ही ऐसा दावा किया है जिसने वैश्विक राजनीति और उच्चस्तरीय शोषण नेटवर्क पर नई बहस को जन्म दिया है। गिफ्रे ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि 2002 में एक प्रमुख प्रधानमंत्री ने उन्हें एपस्टीन के निजी द्वीप पर बलपूर्वक शोषित किया। पुस्तक में व्यक्ति का नाम स्पष्ट नहीं किया गया, लेकिन बाद में अदालत में गिफ्रे ने इसकी पहचान इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुड बराक के रूप में की। बराक ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि वे एपस्टीन के परिचित थे।

आत्मकथा में गिफ्रे ने बताया कि यह घटना उनके जीवन की सबसे भयावह रात थी। उन्हें न केवल शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी पूरी तरह तोड़ दिया गया। गिफ्रे लिखती हैं कि तब उन्हें यह देखने का मजा लिया गया कि वे कितनी पेरशानी में हैं और उन्होंने जीवित रहने के लिए भीख मांगनी पड़ी। यह अनुभव उनके जीवन का निर्णायक मोड़ बन गया, जिसने उन्हें एपस्टीन नेटवर्क से बाहर निकलने और न्याय की लड़ाई लड़ने की शक्ति दी। गिफ्रे ने बताया कि एपस्टीन के नेटवर्क से जुड़े कई प्रभावशाली लोग उन्हें उजागर करने से रोकने के लिए धमकियों और कानूनी परेशानियों का सहारा लेते रहे। उन्हें मुकदमों, धमकियों और आर्थिक नुकसानों की चेतावनी दी गई, जिससे वे डर कर पीछे हट जातीं। बावजूद इसके, गिफ्रे ने हार नहीं मानी और अपनी कहानी को सार्वजनिक कर न्याय के लिए आवाज उठाई। किताब केवल शोषण की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, संघर्ष और आत्मसम्मान की यात्रा भी है।

सिंगापुर में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत भारतीय नागरिक को छेड़छाड़ के आरोप में एक साल दो माह जेल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर स्टेट कोर्ट ने शुक्रवार को यहां के नॉर्थ ब्रिज रोड स्थित प्रतिष्ठित रैफल्स अस्पताल में स्टाफ नर्स के रूप में सेवारत भारतीय नागरिक को छेड़छाड़ के आरोप में दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया। स्टेट कोर्ट ने 34 वर्षीय भारतीय नागरिक एलीपे शिवा नागू को एक साल दो माह की जेल और दो बेंत लगाने की सजा सुनाई। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 21 जून को दर्ज किए गए इस केस के बारे में अभियोजन पक्ष के उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके दो दिन बाद आरोपित नागू को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पीड़ित 18 जून को इस अस्पताल में भर्ती अपने दादा से मिलने गया था। शाम लगभग 7.30 बजे पीड़ित एक शौचालय में गया। इस दौरान एलीप ने अंदर झांका। फुआ के अनुसार, एलीप ने पीड़ित को कीटाणुरहित करने के बहाने उसके हाथ पर साबुन लगाया और उससे छेड़छाड़ की। उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने छेड़छाड़ की घटना का खुलासा होने के बाद अस्पताल ने आरोपित को तत्काल निलंबित कर दिया। पीड़ित इस अनुचित घटना से हैरान होकर शौचालय से बाहर आया और सीधे दादा के पास पहुचा। उन्हें आपबीती सुनाई। तब यह घटना अस्पताल प्रबंधन के पास पहुंची। अदालत ने फैसला सुनाने के बाद पीड़ित की उम्र आदि का ब्यौरा हटा दिया है।

बॉडीबिल्डिंग की दीवानी जैकी के बाइसेप्स का साइज सुपरस्टार्स से भी बडा

एम्सटर्डम, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फिटनेस और बॉडीबिल्डिंग की दीवानी नीदरलैंड्स की रहने वाली जैकी कॉर्न के बाइसेप्स का साइज हॉलीवुड सुपरस्टार और मशहूर बॉडीबिल्डर अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर से भी बड़ा है। जैकी कॉर्न आज पूरी दुनिया में अपनी हैरान कर देने वाली बॉडी और विशाल बाइसेप्स के कारण चर्चा में हैं। लोग उन्हें मज़ाक में 'शी-हल्क' कहकर बुलाते हैं, लेकिन जैकी इस उपनाम को गर्व का प्रतीक मानती हैं।

शागेन शहर की इस डच बॉडीबिल्डर ने अपने जीवन को पूरी तरह फिटनेस और ट्रेनिंग के लिए समर्पित कर दिया है। जैकी का सपना है कि एक दिन वेवर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के रिंग में उतरें और अपनी ताकत का प्रदर्शन करें। अपने मसल्स को बनाए रखने के लिए वे रोज़ाना दो से तीन घंटे तक जिम में पसीना बहाती हैं और डाइट पर हर महीने करीब 45 हजार रुपये खर्च करती हैं। हाल ही में जैकी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 25 इंच के कर्वी गर्ल मसल्स की तस्वीरें साझा कीं, जो देखते ही वायरल हो गईं। इन तस्वीरों के बाद उन्हें कई रेसलिंग और फिटनेस इवेंट्स से ऑफर मिलने लगे।

एक शो में बातचीत के दौरान जैकी ने बताया कि जब अर्नोल्ड श्वार्ज़नेगर के बाइसेप्स का साइज अपने चरम पर 56 सेंटीमीटर था, तब उनके बाइसेप्स 64 सेंटीमीटर यानी लगभग 25 इंच के हैं। उनके रेसलिंग कोच अमर के मुताबिक, जैकी नीदरलैंड्स की सबसे बड़ी बाजुओं वाली महिला हैं, और संभव है कि वह दुनिया में भी सबसे आगे हों। जैकी कहती हैं कि उनका मकसद सिर्फ मसल्स बनाना नहीं बल्कि दूसरों को यह दिखाना है कि महिलाएं भी अपनी मेहनत और अनुशासन से हर क्षेत्र में पुरुषों के बराबर खड़ी हो सकती हैं। वे मानती हैं कि ताकत सिर्फ शरीर की नहीं, बल्कि आत्मविश्वास की भी होती है। आज जैकी कॉर्न फिटनेस वर्ल्ड की प्रेरणा बन चुकी हैं।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर व्यापारिक गतिविधियां बंद, चमन क्रॉसिंग खोलने का दावा गलत

इस्लामाबाद, 25 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश अफगानिस्तान के साथ तनाव की वजह से सीमा पर व्यापारिक गतिविधियां बंद है। सुरक्षा चिंताओं के चलते पाकिस्तान-अफगान सीमा शुक्रवार को भी सभी प्रकार की व्यापारिक गतिविधियों के लिए बंद रही। अधिकारियों ने उन दावों को बेबुनियाद बताया कि इस्लामाबाद ने अफगान पारगमन व्यापार के लिए बलोचिस्तान प्रांत में चमन क्रॉसिंग को आंशिक रूप से खोल दिया है। अधिकारियों ने कहा कि पैदल यात्रियों को भी दोनों ओर से सीमा पार करने की अनुमति नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया, सीमा पिछले 12 दिनों से बंद है। अभी तक पारगमन व्यापार सहित किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए सीमा को नहीं खोला गया है। चमन शहर के प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि उन्हें अभी तक इस्लामाबाद के अधिकारियों से सीमा खोलने के

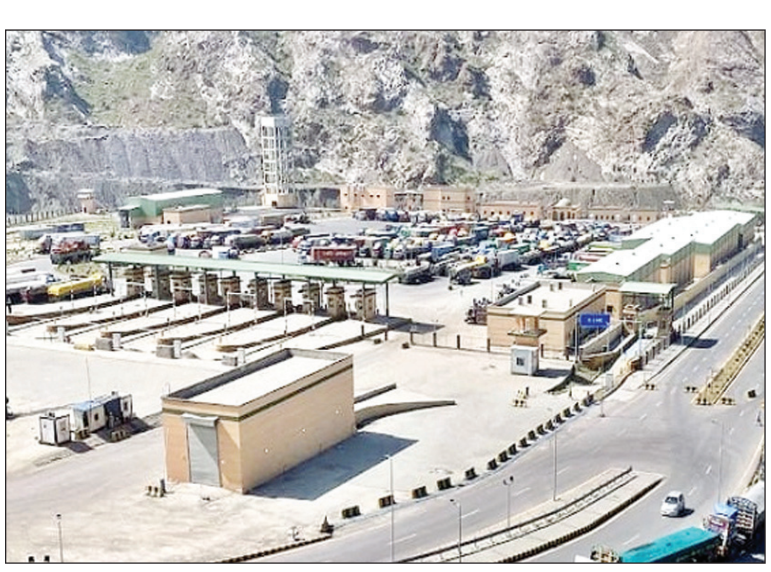

बारे में कोई निर्देश नहीं मिले हैं। यह जरूर है कि अफगान शरणार्थियों को सीमित समय पर चमन क्रॉसिंग से स्वदेश भेजा गया।

व्यापारियों को उम्मीद है कि इस्तांबुल में पाकिस्तान और अफगान के अधिकारियों के बीच होने वाली बैठक के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी।

इस बीच, संघीय राजस्व बोर्ड (एफबीआर) ने घोषणा की कि उसके कर्मचारी सीमा चौकियों पर तैनात हैं। आदेश मिलते ही सीमा खोल दी जाएगी। बोर्ड की यह घोषणा अफगानिस्तान से लगी सीमा चौकियों पर ट्रांजिट कार्गो, निर्यात खेप और आयातित सामान से लदे 1,000 से अधिक ट्रकों के खड़े होने की सूचना के बाद आई है।

यह व्यवधान प्रमुख सीमा चौकियों तोरखम, गुलाम खान, खरलाची और अंगूर अड्डा पर 12 अक्टूबर और चमन सीमा पर 15 अक्टूबर से निर्यात और आयात दोनों के लिए सीमा शुल्क निकासी के निलंबन के कारण उत्पन्न हुआ है। एफबीआर की एक आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि सीमा शुल्क चौकियों पर सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय व्यापार अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

बताया गया है कि द्विपक्षीय व्यापार के निलंबन से पहले सीमा शुल्क अधिकारियों ने तोरखम, गुलाम खान, खरलाची और अंगूर अड्डा चौकियों पर 363 आयात वाहनों की निकासी की है। इस समय तोरखम में आयात के लिए 23 वाहनों की निकासी लंबित है। इन वाहनों में कपड़े, पेंट, मूंगफली और दालों जैसी वस्तुएं हैं। यही हालत निर्यात की है। 255 वाहन तोरखम टर्मिनल के अंदर खड़े हैं, जबकि लगभग 200 वाहन जमरूद-लांडी कोटल मार्ग पर फंसे हुए हैं। चमन सीमा शुल्क केंद्र पर सीमा शुल्क निकासी कार्य 15 अक्टूबर से निलंबित है। लगभग 495 वाहन तोरखम और चमन में सीमा पार करने के लिए कतार में खड़े हैं।

वर्ल्ड कप से निराशाजनक विदाई के बाद फातिमा सना और चामरी अटापट्टू ने कहा–अगली बार करेंगे मजबूत वापसी

नयी दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

कोलंबो में लगातार बारिश ने पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों टीमों की आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मुहिम का निराशाजनक अंत कर दिया। अंतिम ग्रुप मैच में सिर्फ 4.2 ओवर ही खेला जा सका, जिसके बाद मैच रद्द कर दिया गया। पाकिस्तान ने 18 रन बिना किसी नुकसान के बनाए थे जब बारिश ने फिर से खेल रोक दिया।

इस परिणाम के साथ पाकिस्तान बिना किसी जीत के टूर्नामेंट से बाहर हुआ, जबकि श्रीलंका पांचवें स्थान पर रहा। मैच के बाद दोनों कप्तानों – पाकिस्तान की फातिमा सना और श्रीलंका की चामरी अटापट्टू – ने निराशा के बीच भी भविष्य के लिए सकारात्मक रुख दिखाया।

फातिमा सना ने कहा, हमारी गेंदबाज़ी और फील्डिंग बहुत अच्छी रही, लेकिन बल्लेबाज़ी में हम कमी महसूस कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ हम बहुत करीब पहुंचे, मगर फिनिश नहीं कर सके। बतौर कप्तान, इन मैचों से मुझे आत्मविश्वास मिला है। मौसम हमारे पक्ष में नहीं था, लेकिन हमने इस वर्ल्ड कप से बहुत कुछ सीखा।

उन्होंने आगे कहा, हमने हाल में बहुत कम क्रिकेट खेला है, इसलिए ज़रूरी है कि वर्ल्ड कप्स के बीच हमें और मैच खेलने को मिलें। अगले साल टी20 वर्ल्ड कप है, उम्मीद है हम बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगे। एक युवा कप्तान के रूप में मैं खुद पर और अपनी टीम पर भरोसा रखती हूं कि अगली बार हम और मज़बूत टीम बनकर लौटेंगे।

वहीं, श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू ने भी बारिश से प्रभावित टूर्नामेंट पर अफसोस जताया, लेकिन अपनी टीम की प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने कहा, इस वर्ल्ड कप के लिए हमारी उम्मीदें बहुत ऊंची थीं, लेकिन शुरुआती मैचों में गलतियों का असर पड़ा। फिर भी हमारी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन है। हम घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं, जिससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, पिछले 12 महीनों में हमने दक्षिण अफ्रीका, भारत और न्यूज़ीलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराया है, और इंग्लैंड को भी टी20 में मात दी है। हमें बस लंबे प्रारूप में अपने नेचुरल गेम पर टिके रहना होगा। हम टॉप चार टीमों के बहुत करीब हैं, बस थोड़ा सुधार की जरूरत है।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए काइल जैमीसन

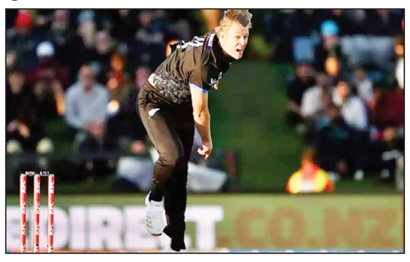

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। यह सीरीज 26 अक्टूबर से शुरू होनी है। जैमीसन को शनिवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएँ हिस्से में जकड़न महसूस हुई, जिसके बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें आराम देने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार जैमीसन अब क्राइस्टचर्च लौटेंगे जहाँ उनकी आगे की जांच की जाएगी। टीम का लक्ष्य है कि वह नवंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए फिट होकर लौटें। जैमीसन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों (18 और 20 अक्टूबर) में हिस्सा लिया था, लेकिन 23 अक्टूबर को खेले गए तीसरे मुकाबले में नहीं खेले थे। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, काइल को गेंदबाज़ी के दौरान साइड में हल्की जकड़न महसूस हुई और हम इस शुरुआती चरण में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हमने निर्णय लिया है कि वह यह वनडे सीरीज़ नहीं खेलेंगे ताकि वेस्टइंडीज़ दौरे के लिए पूरी तरह फिट हो सकें। वॉल्टर ने यह भी पुष्टि की कि जैमीसन के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी का नाम जल्द ही घोषित किया जाएगा ।

उत्तराखंड की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का चयन, भूमि उमर को कप्तान की जिम्मेदारी

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) न राज्य की अंडर–19 महिला क्रिकेट टीम का चयन कर लिया है। यह चयन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के घरेलू सत्र 2025–26 के लिए किया गया है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिलेगा। चयन प्रक्रिया में राज्य भर से सैकड़ों प्रतिभावान लड़कियों ने भाग लिया और अंतिम टीम में 16 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड की सचिव किरण वर्मा रौतेला ने कहा कि यह कदम उत्तराखंड में महिला क्रिकेट को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है, जहां एकता बिष्ट, मानसी जोशी और स्नेहा राणा जैसी दिग्गजों ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाया है। चयन ट्रायल अक्टूबर के प्रारंभिक दिनों में विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए थे। हरिद्वार में 3 व 4 अक्टूबर को एस एस क्रिकेट एकडमी क्रिकेट मैदान पर महिला अंडर–19 ट्रायल हुए, जबकि प्रेक्टिस मैच जयपुर मे संपन्न हुए। एसोसिएशन की सचिव किरण वर्मा ने बताया कि ट्रायल में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फीलिंग के आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। यह टीम आगामी अंडर–19 महिला चौलेंजर ट्रॉफी और अन्य बीसीसीआई टूर्नामेंटों में भाग लेगी। 16 खिलाड़ियों की टीम में भूमि उमर कप्तान व कनिका उप कप्तान होंगी। टीम की अन्य सदस्यों में धृति अरनाल, सोना, तन्वी जोमर, करीना, वैशाली तिवारी, निर्जला मेहरा, रुद्रा शर्मा, अनन्या मेहरा, उन्नति सिंह, प्रिया राज, करुणा शेट्टी, नंदिनी शर्मा, प्रीति प्रजापति, कनिका नेगी, तमन्ना को शामिल हैं।

वियना ओपन 2025ः भांबरी-गोरोनसन की जोड़ी सेमीफाइनल में

वियना। भारत के युकी भांबरी और क्रोएशिया के आंद्रे गोरोनसन ने वियना ओपन 2025 के पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जोड़ी ने शुक्रवार को विश्व नंबर–2 मेटे पाविच और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी को क्वार्टरफाइनल में हराया। भांबरी–गोरोनसन की जोड़ी को वॉकओवर से जीत मिली, क्योंकि पाविच–अरेवालो की जोड़ी चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई। मैच में पहले सेट में भांबरी और गोरोनसन 6–7(6) से पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए 6–4 से जीत दर्ज की। गौरतलब है कि पाविच–अरेवालो की जोड़ी ने इसी साल फ्रेंच ओपन 2024 का खिताब जीता था, जहां उन्होंने इटली के सिमोने बोलेली और एंड्रिया वावासोरी को हराया था। इस साल की शुरुआत में भी युकी भांबरी ने दुबई एटीपी 500 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में इसी जोड़ी को हराया था, तब उनके साथी इवान डोडिग थे। भांबरी–गोरोनसन की जोड़ी अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और पुर्तगाल के फ्रांसिस्को कैब्राल की जोड़ी से भिड़ेगी।

हॉकी इंडिया लीग 2025–26 सीज़न का शेड्यूल जारी, तीन शहरों में होंगे मैच

नयी दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) ने शनिवार को अपने 2025–26 सीज़न के पुरुष और महिला लीग के आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा की। भारत की इस प्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता के नए सीज़न की घोषणा रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदीव्य कुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव एवं हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह, रांची रॉयल्स टीम के मालिक अलविश एम.ए., तथा अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह, आशिष तानी पुर्ति, संगीता कुमारी, दीपिका सोरेंग, निक्की प्रधान और ब्यूटी डुंग डुंग भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर रांची रॉयल्स टीम का नया आधिकारिक लोगो भी लॉन्च किया गया, जो झारखंड की समृद्ध हॉकी परंपरा और ऊर्जा का प्रतीक है।

पुरुष और महिला लीग का कार्यक्रम

इस बार पुरुष लीग तीन प्रमुख शहरों — चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित होगी, जबकि महिला लीग पिछले वर्ष की तरह पूरी तरह रांची में खेली जाएगी।

पुरुषों की हीरो एचआईएल का आगाज़ 3 जनवरी 2026 को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होगा, जहां मेज़बान तमिलनाडु ड्रैगन्स और हैदराबाद तूफान्स के बीच रोमांचक उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। पुरुष लीग में आठ टीमें, तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (पिछली चैंपियन), वेदांता कलिंगा लैंसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल की टीमें हिस्सा लेंगी।

महिला हीरो एचआईएल की शुरुआत 28 दिसंबर 2025 को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में होगी। उद्घाटन मैच रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच खेला जाएगा। महिला लीग में कुल चार टीमें रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स भाग लेंगी।

पुरुष एचआईएल फॉर्मेट , पुरुष लीग तीन चरणों में खेली जाएगी –

पहला चरण: चेन्नई (3–9 जनवरी)
दूसरा चरण: रांची (11–16 जनवरी)
तीसरा और अंतिम चरण: भुवनेश्वर (17–26 जनवरी)

सभी टीमें एक–दूसरे से एक बार भिड़ेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जिनमें क्वालिफायर–1 और एलिमिनेटर (23 जनवरी), क्वालिफायर–2 (25 जनवरी) और फाइनल (26 जनवरी, कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर) खेला जाएगा। फाइनल से पहले तीसरे स्थान का मुकाबला भी 26 जनवरी को होगा।

महिला एचआईएल फॉर्मेट

महिला लीग डबल राउंड–रॉबिन फॉर्मेट में खेली जाएगी, यानी हर टीम एक–दूसरे से दो बार भिड़ेगी। लीग चरण के बाद शीर्ष दो टीमें 10 जनवरी 2026 को फाइनल खेलेंगी। इस अवसर पर डॉ. दिलीप तिर्की, चेयरपर्सन,हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी ने कहा,पिछले सीज़न की सफलता के बाद इस बार भी प्रशंसकों को उच्चस्तरीय मुकाबले देखने को मिलेंगे। पुरुष लीग को तीन शहरों में विस्तार देना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे देशभर के हॉकी प्रेमी सीधे मैदान पर रोमांच का अनुभव कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा,अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और बढ़ता फैनबेस लीग को वैश्विक मानकों तक ले गया है। यह सीज़न न केवल बेहतरीन हॉकी का प्रदर्शन करेगा बल्कि नए खिलाड़ियों को प्रेरित भी करेगा। भोला नाथ सिंह, सदस्य, एचआईएल गवर्निंग कमेटी ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग अब हॉकी का त्यौहार बन चुकी है। यह भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को एक मंच पर लाती है। कई शहरों में होने वाले मुकाबले और फैन एंगेजमेंट के कारण यह सीज़न अब तक का सबसे रोमांचक साबित होगा।

आंकड़ों में एचआईएल 2025-26

महिला लीग: 13 मैच
पुरुष लीग: 33 मैच
विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी: महिला लीग में 10+ देशों (नीदरलैंड, बेल्जियम, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, ग्रेट ब्रिटेन आदि) से खिलाड़ी, पुरुष लीग में भी 10+ देशों (अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया आदि) से खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

विश्व कप में नहीं खेल सकेंगी महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, नाक की कराएंगी सर्जरी

नयी दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ग्रेटर नोएडा में अगले माह होने वाले विश्व कप फाइनल्स से पहले भारतीय मुक्केबाजी टीम को बड़ा झटका लगा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन नहीं खेलेंगी। विश्व कप फाइनल्स में प्रत्येक भार वर्ग में दुनिया के शीर्ष आठ मुक्केबाज ही खेलने उतरेंगे।

लवलीना ने विश्व कप फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया था और वह यहां पदक की भी दावेदार थीं, लेकिन नाक की बढ़ी हुई हड्डी के कारण उन्होंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वह अपनी नाक की सर्जरी कराने जा रही हैं। लवलीना विश्व कप फाइनल्स की तैयारियों के लिए एनआईएस पटियाला में चल रहे तैयारी शिविर में भी शामिल नहीं हुईं। 2023 की विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ को इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने के बारे में सूचित कर दिया है। उनके भार वर्ग 75 किलो में अब पूर्व विश्व चैंपियन स्वीटी इस टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी।

निकहत, जैस्मिन, मीनाक्षी खेलेंगी

चैंपियनशिप में दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51), लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57), इसी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली मीनाक्षी हुड्डा (48), रजत जीतने वाली नुपुर श्योराण (+80) और कांस्य जीतने वाली पूजा रानी (80) शीर्ष 8 में रहते हुए विश्व कप फाइनल्स में खेलेंगी।

सभी भार वर्गों में खेलेंगे भारतीय मुक्केबाज

पुरुष वर्ग में जदुमणि सिंह और अभिनाष जामवाल ने ही क्वालिफाई किया है, लेकिन मेजबान देश होने के नाते भारत को पुरुष–महिला वर्ग के सभी 10–10 भार वर्गों में वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अनुमति दी है। भारत इकलौता देश होगा जो सभी भार वर्गों में मुक्केबाज उतारेगा।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

लीड्स में प्रीमियर लीग फुटबॉल में लीड्स यूनाइटेड व वेस्ट हेम यूनाइटेड के बीच मैच में गोल दागते हुए वेस्ट हेम के मेटीरस फर्नांडीज।

एमएलएस कप में मेसी को मिला गोल्डन बूट अवार्ड दो गोल कर इंटर मियामी को जीत भी दिलायी

मियामी,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के दो गोलों की सहायता से इंटर मियामी ने एमएलएस कप के पहले दौर के प्लेऑफ सीरीज के शुरुआती मैच में नैशविले एससी को 3–1 से हरा दिया। मेसी को मैच शुरू होने से पहले 28 मुकाबलों में 29 गोल करने के लिए गोल्डन बूट अवार्ड भी दिया गया। इस मैच के 19वें मिनट में मेसी ने शानदार हेडर के जरिये पहला गोल दागा। इसी के साथ मैच में इंटर मियामी एक गोली से आगे हो गयी।

वहीं 62वें मिनट में इंटर मियामी की ओर से तादेओ अलेंदे ने हेडर से गोल कर अपनी टीम की बढ़त को 2–0 कर दिया। वहीं मेसी ने अतिरिक्त समय में एक और गोल कर अपनी टीम को 3–0 कर दिया। अतिरिक्त समय के 11वें मिनट में हनी मुख्तार ने गोल दागकर नैशविले की ओर से एकमात्र गोल किया। इस मैच में मिली जीत से मियामी ने बेस्ट–ऑफ–थ्री सीरीज के लिए 1–0 की बढ़त बना ली है। अब दूसरा मैच 1 नवंबर को नैशविल में खेला जाएगा। मैच से पहले मेसी को गोल्डन बूट ट्रॉफी दी गयी। ट्रॉफी देने वाले एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने अमेरिकी फुटबॉल पर मेसी के प्रभाव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि कि हमने कभी सोचा भी होगा नहीं था कि मेसी इस लीग के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। उनके आने से मेजर लीग सॉकर की दिशा बदल दी है। मेसी ने लीग से तीन का का अनुबंध बढ़ाया है। जिससे भी टीम को लाभ होगा। हम पहले से ही काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। मुझे लगता है कि तीन और साल का समय मिलना।

इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़ से सुरक्षा इंतजामों की पोल खुली , पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार किया

इंदौर,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भारत आई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का मामला सामने आने आया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की दो महिला क्रिकेटरों के साथ एक बाइक सवार युवक ने छेड़छाड़ की जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना उस समय हुई, जब दोनों खिलाड़ी होटल पैदल ही एक कैफे जा रही थीं। तभी एक बाइक सवार युवक ने अचानक ही उनके साथ छेड़छाड़ शुरु कर दी। घबरायी खिलाड़ियों ने तुरंत अपने सुरक्षा उपकरण के जरिए एसओएस भेजा जिससे उनके सुरक्षा अधिकारियों की टीम तत्काल वहां पहुंच गयी। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गयी। .पुलिस ने तत्काल आरोपी युवक अकील को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरु कर दी है। सुरक्षा अधिकारी डेनी सिमंस की शिकायत के आधार पर एमआईजी थाने में अकील के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। अब तक कि जांच से पता चला है कि कि अकील ने इन्हे अकेले पाकर छोड़छाड़ की थी। पुलिस इस मामले की जांच में लग गयी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ हुई इस शर्मनाक घटना से सुरक्षा इंतजामों की पोल जरुर खुल गयी है। वहीं पुलिस ने कहा कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीसीबी ने शान मसूद को अंतरराष्ट्रीय मामलों का सलाहकार बनाया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने विवादास्पद फैसलों के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में उसने अब टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद को अंतरराष्ट्रीय मामलों का सलाहकार बनाया है। यह पहली बार है जब किसी टेस्ट कप्तान को बोर्ड में इस प्रकार पद दिया गया है। अभी ये जानकारी नहीं है कि शान वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में कप्तानी करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन निदेशक का पद संभालेंगे या नहीं।पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ मुलाकात के दौरान शान के नाम का फैसला किया। इस दौरान उनके साथ पाक टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम भी थी। पीसीबी ने इस पद के लिए विज्ञापन भी दिया है और आवेदन करने की अंतिम तिथि दो नवंबर है। इससे पहले एशिया कप लीग मैच के दौरान हाथ मिलाने के मामले को ठीक से नहीं संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार उस्मान वाहला को हटा दिया गया था। वाहला को फिर से इस पद पर रखा जा सकता है पर शान को ये पद दिये जाने के कारण अब उन्हें किसी अन्य विभाग, संभवतः पीएसएल, में स्थानांतरित किया जा रहा है। इससे पहले पीसीबी ने शान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन का नया निदेशक बनने के लिए पूछा था हालांकि वह इस दौर डब्ल्यूटीसी चक्र में भी टीम की कप्तानी करेंगे। बोर्ड के अनुसार शान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मामलों के विभाग का नेतृत्व करने के लिए सबसे सही व्यक्ति हैं हालांकि पूर्व क्रिकेटर मिस्बाह–उल–हक को इस पद के लिए पसंदीदा माना जा रहा था।

पश्चिमी देश रूस से तेल ले रहे हैं फिर भारत को टारगेट क्यों किया जा रहा : मंत्री गोयल

बर्लिन,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

बर्लिन ग्लोबल डॉयलॉग में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिमी देशों पर तीखा प्रहार करते हुए दोहरा मापदंड उजागर किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जर्मनी और ब्रिटेन रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहे हैं या प्राप्त कर चुके हैं, तो भारत को रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदने पर क्यों निशाना बनाया जा रहा है यूके की ट्रेड मंत्री क्रिस ब्रायंट के साथ पैनल चर्चा में गोयल ने कहा, मैंने अखबार में पढ़ा कि जर्मनी अमेरिकी प्रतिबंधों से तेल आयात के लिए छूट मांग रहा है। ब्रिटेन को तो पहले ही छूट मिल चुकी है। फिर भारत को क्यों टारगेट किया जा रहा है ब्रायंट ने सफाई दी कि ब्रिटेन की छूट केवल रूसी कंपनी रॉसनेफ्ट की एक विशिष्ट सहायक कंपनी के लिए है। गोयल ने तुरंत पलटवार किया, हमारे पास भी रॉसनेफ्ट की एक सहायक कंपनी है, फिर भारत को क्यों परेशान किया जा रहा है इस जवाब से सभागार में सन्नाटा छा गया।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और उसके सहयोगी भारत पर रूस से तेल खरीदारी को लेकर भारी दबाव डाल रहे हैं। पिछले महीने ट्रंप प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाते हुए कुल शुल्क को लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंचा दिया। भारत ने इसे अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक करार दिया है। अमेरिकी तर्क है कि भारत जैसे देशों पर दबाव से रूस आर्थिक रूप से कमजोर होगा और यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को मजबूर होगा। इसी बीच, यूरोपीय संघ ने रूस की सेना से कथित संबंधों के कारण तीन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिका ने रॉसनेफ्ट और लुकोइल जैसी रूसी तेल कंपनियों पर भी नए प्रतिबंध थोपे हैं।

गोयल ने भारत की स्वतंत्र व्यापार नीति पर जोर देते हुए कहा कि देश किसी दबाव, डेडलाइन या सिर पर तनी बंदूक के साथ समझौता नहीं करता। अगर कोई टैरिफ लगाता है, तो भारत नए बाजार तलाशेगा, घरेलू मांग मजबूत करेगा और दीर्घकालिक लचीलापन विकसित करेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

विदेशी निवेशक बुलिशः भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में 65,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। 2025 में विदेशी निवेशक भारत के फाइनेंशियल सेक्टर में मजबूत रुचि दिखा रहे हैं। अब तक करीब 65,000 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया है। निवेशक प्रमुख भारतीय निजी बैंक और एनबीएफसी में हिस्सेदारी ले रहे हैं। यह दर्शाता है कि विदेशी संस्थाएं भारत के वित्तीय क्षेत्र को सुरक्षित और लाभदायक मान रही हैं। ब्लैकस्टोन ने फेडरल बैंक में 9.99 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 6,196 करोड़ रुपए का निवेश किया। इसके तहत 27.29 करोड़ वारंट्स 227 रुपए प्रति वारंट की दर से जारी किए गए। अमीरात एनबीडी ने आरबीएल बैंक में 26,853 करोड़ रुपए का निवेश करते हुए 60 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (अबू धाबी) ने एनबीएफसी सम्मान कैपिटल में 8,850 करोड़ रुपए का निवेश कर 41 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (जापान) ने यस बैंक में 24.2 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 15,000 करोड़ रुपए का निवेश किया। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वारबर्ग पिंकस और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से 7,500 करोड़ रुपए जुटाए। इन निवेशों से भारतीय निजी बैंक और एनबीएफसी के पास पूंजी वृद्धि के अवसर खुलेंगे। विदेशी निवेशकों की भागीदारी सेक्टर में प्रतिस्पर्धा और विकास को बढ़ावा देगी ।

ऑफिस किराए में जोरदार तेजी, मुंबई और दिल्ली सबसे आगे

नई दिल्ली। आईआईएम बेंगलुरु और सीआरई मैट्रिक्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत के 10 बड़े शहरों में ऑफिस किराए में पिछले एक साल में लगभग 4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ोतरी के मुख्य कारण हैं आईटी और फाइनेंशियल सर्विसेज की मांग, वर्क फ्रॉम होम का कम होना और नए ऑफिस प्रोजेक्ट की कमी। मुंबई ने 3.6 फीसदी तिमाही बढ़त के साथ देश में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। नरीमन पॉइंट, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, अंधेरी और ठाणे जैसे इलाकों में बड़े और अच्छे ऑफिस की कमी के कारण कंपनियां लंबे समय के लिए किराए पर दफ्तर ले रही हैं। निवेश फंड के बढ़ते इस्तेमाल ने भी किराए में तेजी दी। दिल्ली में किराए में 16 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले पांच साल में सबसे ऊंची है। कनॉट प्लेस और बाराखंबा रोड में ऑफिस की मांग बढ़ी। गुरुग्राम में एनएच 48 के पास उद्योग विहार, साइबर सिटी और सेक्टर 32 में भी सालभर में करीब 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बेहतर सड़कें, मेट्रो कनेक्शन और नए बिजनेस हब ने इसे एनसीआर का प्रमुख ऑफिस हब बनाया। बेंगलुरु के वाइटफील्ड में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि दक्षिण बेंगलुरु में भी मांग मजबूत रही। नवी मुंबई और पुणे में आईटी कंपनियों और डेटा सेंटर की बढ़ती मांग ने किराए को बढ़ाया।

एलआईसी ने निवेश पर सवाल उठाने वाली खबरों का किया खंडन, कहा- हम हर कदम ईमानदारी से उठाते हैं

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी ने बीमा कंपनी के निवेश पर सवाल उठाने वाली द वाशिंगटन पोस्ट की उन रिपोर्टों का खंडन किया है। एलआईसी ने पुष्टि की है कि सभी उसके सभी निवेश पूरी ईमानदारी और उचित मापदंडों के तहत किए गए हैं। बीमा कंपनी ने किया वाशिंगटन पोस्ट के लेख का खंडन देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने वाशिंगटन पोस्ट के निवेश से जुड़े आरोपों को सिरे से खारिज किया है। कंपनी ने कहा,एलआईसी के निवेश से जुड़े निर्णय बाहरी कारणों से प्रभावित होते हैं, ऐसा आरोप झूठे, निराधार और सच्चाई से कोसों दूर हैं। लेख में जो आरोप लगाए गए हैं वैसा कोई दस्तावेज या योजना एलआईसी की ओर से कभी तैयार नहीं की गई है, जिसके जरिए एलआईसी की ओर से अदाणी समूह की कंपनियों में निवेश का रोडमैप तैयार करती हो। निवेश के फैसले जांच-पड़ताल के बाद लिए जाते हैं : एलआईसी एलआईसी ने कहा, निवेश के फैसले एलआईसी की ओर से विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद और बोर्ड की ओर से जिन नीतियों को हरी झंडी दिखाई जाती है, उनके अनुसार स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं।

टाटा मोटर्स ने 30 दिनों में बेची एक लाख से भी अधिक कारें

नई दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नवरात्रि से दिवाली तक टाटा मोटर्स ने 30 दिनों में एक लाख से अधिक कारें और एसयूवी बेचकर ऑटो सेक्टर में इतिहास रचा। टाटा मोटर्स ने इस फेस्टिव सीजन में बिक्री के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। पिछले साल की तुलना में 33प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने वाली यह उपलब्धि टाटा मोटर्स की बाजार में मजबूत पकड़ और ग्राहक विश्वास को दर्शाती है। इस सफलता में टाटा नेक्सन और टाटा पंच की अहम भूमिका रही। सितंबर 2025 में नेक्सन भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी और अकेले इस मॉडल ने 38,000 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो साल-दर-साल 73 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, टाटा पंच ने 32,000 यूनिट्स की बिक्री के साथ 29प्रतिशत ग्रोथ हासिल की। इन दोनों मॉडलों की लोकप्रियता ने टाटा मोटर्स की फेस्टिव सेल्स को नई ऊंचाई दी। सिर्फ पेट्रोल और डीजल मॉडल्स ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) में भी कंपनी का दबदबा रहा।

इस त्योहारी सीजन में टाटा ने 10,000 से अधिक ईवी डिलीवरी की, जो सालाना 37 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह साबित करता है कि टाटा मोटर्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में अग्रणी बने हुए हैं। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शैलेश चंद्र के अनुसार, इस सफलता के पीछे तीन रणनीतियां हैं प्रोडक्ट लीडरशिप, जिसमें नेक्सन, पंच, हैरियर और सफारी जैसे मॉडल शामिल हैं; ग्राहकों के लिए स्मार्ट विकल्प उपलब्ध कराना; और डिलीवरी एक्सीलेंस, यानी समय पर वाहन उपलब्ध कराना और त्योहारी ऑफर्स के जरिए उत्सव का अनुभव देना। शैलेश चंद्र ने बताया कि यह प्रदर्शन भविष्य की दिशा तय करेगा।

तीसरी तिमाही में हुई रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर की डील

नई दिल्ली। तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत के ऑटो सेक्टर में 2025 की रिकॉर्ड 4.6 अरब डॉलर की डील हुई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह उछाल मुख्य रूप से टाटा मोटर्स द्वारा इवेको एस.पी.ए. के 3.8 अरब डॉलर के अधिग्रहण के कारण आया, जो तिमाही के कुल विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) मूल्य का लगभग 95 प्रतिशत था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस तिमाही में भारतीय ऑटो सेक्टर ने वैश्विक विस्तार, विद्युतीकरण और आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्गठन की दिशा में एक स्पष्ट रणनीतिक बदलाव दिखाया। इस दौरान रणनीतिक निवेशकों और निजी इक्विटी दोनों ने भविष्य की तकनीक और टिकाऊ मोबिलिटी प्लेटफॉर्म पर ध्यान केंद्रित किया। तिमाही आधार पर सौदों की संख्या में कोई खास बदलाव नहीं हुआ और यह पिछले (जून) तिमाही के समान रही। हालांकि, विलय और अधिग्रहण के मामलों में क्रॉस बॉर्डर डील्स की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा रही। 2025 की तीसरी तिमाही में कुल सात विलय और अधिग्रहण सौदे हुए, जिनकी संयुक्त वैल्यू 4.1 अरब डॉलर रही। यह दूसरी तिमाही की तुलना में 1,234 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि है। वहीं, प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने 23 सौदों में कुल 531 मिलियन डॉलर लगाए, जिनमें से करीब 70 प्रतिशत डील्स 10 मिलियन डॉलर से कम की थीं। इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन (आईएफसी) द्वारा इलेक्ट्रिक बस ऑपरेटरों में 137 मिलियन डॉलर का निवेश किया गया, जिससे शहरी विद्युतीकरण और परिवहन ढांचे में निवेशकों का भरोसा और बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि इस तिमाही में सार्वजनिक बाजार की गतिविधियां धीमी रहीं और कोई बड़ा आईपीओ या क्यूआईपी नहीं हुआ ।

शानदार तकनीक का मेल है नई लैंड क्रूजर एफजे

नई दिल्ली,25 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

एसयूवी निर्माण क्षेत्र की कंपनी टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन ने नई लैंड क्रूजर एफजे पेश की है। इस मॉडल का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन जापान मोबिलिटी शो 2025 में होगा, जबकि बिक्री 2026 के मध्य से जापान में शुरू की जाएगी। यह कॉम्पैक्ट एसयूवी क्लासिक ऑफ-रोड क्षमता और आधुनिक तकनीक का शानदार मेल है। लैंड क्रूजर की विरासत 1951 में टोयोटा बीजे से शुरू हुई थी, जिसने माउंट फूजी के छठे स्टेशन तक पहुंचने का इतिहास रचा था। आज यह ब्रांड विश्व के 190 से अधिक देशों में 1.2 करोड़ से ज्यादा यूनिट्स बेच चुका है और मजबूती व भरोसे का पर्याय बन गया है।

नई एफजे को फ्रीडम एंड जॉय की भावना पर आधारित लाइफस्टाइल ओरिएंटेड एसयूवी के रूप में विकसित किया गया है। इसका डिज़ाइन बॉक्सी और कॉम्पैक्ट है, जो क्लासिक लुक में आधुनिक ताकत झलकाता है। चौकोर बॉडी, हटाने योग्य बंपर और गोलाकार हेडलाइट्स पुराने लैंड क्रूजर मॉडलों की याद दिलाते हैं। इंटीरियर पूरी तरह ड्राइवर-केंद्रित है। हॉरिजॉन्टल इंस्ट्रूमेंट पैनल और लो-सेट काउल ड्राइविंग दृश्यता बढ़ाते हैं।

इसमें टोयोटा सेफ्टी सेंस जैसी आधुनिक सुरक्षा तकनीकें दी गई हैं, जो हर तरह के रास्तों पर ड्राइविंग को सुरक्षित बनाती हैं। यह एसयूवी आईएमवी प्लेटफॉर्म पर आधारित है और इसमें 2.7-लीटर 2टीआर-एफई पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 163 हॉर्सपावर और 246 एनएम टॉर्क प्रदान करता है। 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और पार्ट-टाइम 4 डब्ल्यूडी सिस्टम इसे हर तरह के रास्तों पर सक्षम बनाते हैं। टोयोटा का लक्ष्य एफजे को सिर्फ एक वाहन नहीं, बल्कि एडवेंचर और आत्म-अभिव्यक्ति का प्रतीक बनाना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल ग्रे-लिस्ट...

लेकिन उनसे उम्मीद की जाती है कि वे अपने एक्शन प्लान को तय समय में पूरा करें।

गौरतलब है कि ब्लैक-लिस्ट में ऐसे देश होते है जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक वित्तपोषण से निपटने में बेहद कमजोर हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रणाली के लिए गंभीर खतरा हैं। इनके खिलाफ सख्त प्रतिबंध और वित्तीय बहिष्कार लागू किए जाते हैं। वहीं ग्रे-लिस्ट में ऐसे देश होते है जो अभी सुधार की प्रक्रिया में हैं, लेकिन जोखिम बने हुए हैं। अगर सुधार नहीं हुआ, तो इन्हें ब्लैक-लिस्ट किया जा सकता है।यह किसी से छुपा नहीं है पाकिस्तान किस तरह से आतंकियों को अपने देश में संरक्षण देता है। आज भी हजारों आतंकी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं। एफएटीएफ पाकिस्तान को केवल चेतावनी देकर छोड़ दे रहा है। एफएटीएफ की अध्यक्ष इतना ही कप पाईं कि पाकिस्तान सहित सभी देशों को अपराधों की रोकथाम और निवारण के लिए उपायों को लागू करना जारी रखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान को अक्टूबर 2022 में एफएटीएफकी ग्रे-लिस्ट से हटा दिया गया था और यह सुनिश्चित करने के लिए उस पर नजर रखी जा रही थी कि वह आतंकवाद के वित्तपोषण विरोधी उपायों को लागू कर रहा है कि नहीं। हालांकि, उसके बाद पाकिस्तान की आतंकवाद के वित्त-पोषण की हरकतें काफी बढ़ गईं और यह जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले के रूप में पूरी दुनिया को दिखा। यह अलग बात है कि वह एफएटीएफ को नहीं दिखा। वह इसलिए कि उस अहमक देश पर एक अहमक राष्ट्रपति की कृपा दृष्टि बन गई। एफएटीएफ अध्यक्ष ने आतंकवाद के वित्त-पोषण को लेकर टिप्पणी की, जबकि उन्हें भी पता है कि पाकिस्तान आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और उसके आतंकवादी शिविरों को वित्तपोषित करने के लिए डिजिटल वॉलेट का उपयोग कर रहा है और मनूट्रेल को छिपाने के लिए मनी-लॉन्ड्रिंग के सारे हथकंडे इस्तेमाल कर रहा है। एफएटीएफ को यह पता है कि ईजीपैसा और सदापे जैसे ई-वॉलेट्स के जरिए मसूद अजहर के परिवार के खाते में पैसे इकट्ठे किए जा रहे हैं। इसमें आतंकी अपने परिवारों का सहारा ले रहे हैं। वे महिलाओं के नाम से भी अकाउंट बनाते हैं ताकि एक अकाउंट में ज्यादा पैसा ट्रांसफर न हो और इस तरह वे बड़ी रकम इकट्ठी करके फिर से आतंकी कैंप खड़े कर दें। इसी वजह से भारत के राष्ट्रीय जोखिम आकलन 2022 में पाकिस्तान को उच्च जोखिम वाले आतंकवादी वित्तपोषण स्रोत के रूप में चिन्हित किया गया था। लेकिन एफएटीएफ ने इसकी अनदेखी कर दी। एफएटीएफ की अध्यक्ष ने इतना जरूर कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि आतंकी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान ई-वॉलेट का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा, ग्रे-लिस्ट से बाहर किए जाने के बाद भी पाकिस्तान की जानकारी इकट्ठी की जा रही है। अगर किसी देश को ग्रे-लिस्ट से बाहर किया भी जाता है तो भी उसे आपराधिक गतिविधियों के लिए सुरक्षा नहीं मिल जाती है। एफएटीएफ का काम ही है कि वह दुनियाभर में आतंकी गतिविधियों के लिए होने वाली फंडिंग पर नजर रखे।खुफिया एजेंसियों और एफएटीएफ की जांच एजेंसी ने यह रिपोर्ट दे रखी है कि पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं को अपने संगठन में शामिल करने के लिए नया ऑनलाइन जेहाद क्लासेज भी शुरू करने वाला है। इस ऑनलाइन क्लास में महिलाओं को अपने संगठन में शामिल करने की कोशिश की जाएगी, उन्हें जेहाद से जोड़ा जाएगा और आगे जाकर ये महिलाएं आतंकवादी बनकर फिदायीन धमाके का काम करेंगी। इस रिपोर्ट के बावजूद एफएटीएफ ने पाकिस्तान को केवल चेतावनी देने की औपचारिकता निभाई।पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क अब डिजिटल वॉलेट्स और क्रिप्टो प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल करके कराची, क्वेटा और पेशावर से लेकर अफगानिस्तान और खाड़ी देशों तक फंड ट्रांसफर कर रहे हैं। एफएटीएफ की कार्रवाई के बाद हवाला चैनलों पर शिकंजा कसने से आतंक वित्तप-ोषकों ने प्रीपेड वॉलेट्स, मोबाइल बैंकिंग ऐप्स और नकली एनजीओ खातों के जरिए धन के प्रवाह का नया रास्ता बना लिया है। जाजकैश, ईज़ीपैसा और सादापे जैसे ऐप्स पर छोटे-छोटे चैरिटी वॉलेट्स के माध्यम से माइक्रो-डोनेशन्स जुटाई जा रही हैं, जिन्हें बाद में आतंकवादी लॉजिस्टिक्स के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पश्चिमी एजेंसियों की डिजिटल फॉरेंसिक जांच में सामने आया है कि ये फंड्स दुबई स्थित वॉलेट्स और क्रिप्टो एक्सचेंजों से होकर पाकिस्तान की फिनटेक व्यवस्था में पहुंच रहे हैं, जिनमें कई खातों को आईएसआई से जुड़े ऑपरेटिव्स की तरफ से कंट्रोल किए जा रहे हैं।

रोहित और...

रोहित ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले मेहमान टीम के बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में कोहली और कुमार संगकारा को पीछे छोड़ा। कोहली ने 32 पारियों में ऑस्ट्रेलिया में पांच शतक लगाए हैं, जबकि संगकारा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 49 पारियों में पांच शतक लगाए हैं। रोहित का ऑस्ट्रेलिया में 33 पारियों में यह छठा शतक है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित का यह नौवां शतक है।इस दौरान विराट कोहली ने अपने करियर का 75वां अर्धशतक 56 गेंदों में पूरा किया। इसी के साथ उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दीं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50 से अधिक स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वन-डे में 70वीं बार पीछा करते हुए 50 से अधिक स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50 से अधिक स्कोर किए हैं।इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैट रेनशॉ ने अर्धशतक लगाया और सबसे ज्यादा 56 रन बनाए। भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने दमदार प्रदर्शन किया और कुल चार विकेट झटके जिससे ऑस्ट्रेलिया टीम बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। भारत को पहली सफलता सिराज ने दिलाई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी थोड़ी लड़खड़ा गई। हालांकि, रेनशॉ और एलेक्स कैरी के बीच चौथे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई जिसे हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी को आउट कर तोड़ा। इसके बाद रेनशॉ भी अर्धशतक लगाकर पवेलियन लौट गए।ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। पिछले दो मैच की तुलना में इस मुकाबले में भारत का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर नजर आया। ऑस्ट्रेलिया के लिए रेनशॉ के अलावा मार्श ने 41, मैथ्यू शॉर्ट ने 30, ट्रेविस हेड ने 29, एलेक्स कैरी ने 24, कूपर कोनोली ने 23, नाथन एलिस ने 16, मिचेल स्टार्क ने 2 और मिचेल ओवन ने 1 रन बनाए। एडम जांपा दो रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जोश हेजलवुड खाता भी नहीं खोल सके। भारत की ओर से हर्षित के चार विकेट के अलावा वाशिंगटन सुंदर को दो सफलता मिली, जबकि सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को एक-एक विकेट मिला। इस मैच में भारत के सभी गेंदबाज को सफलता मिली।विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50 से अधिक स्कोर बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वन-डे में 70वीं बार पीछा करते हुए 50 से अधिक स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50 से अधिक स्कोर किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले विराट कोहली आखिरकार अंतिम मुकाबले में वापसी करने में कामयाब रहे। उन्होंने 56 गेंदों में करियर के 75वें अर्धशतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वन-डे सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम इंडिया ने रोहित-कोहली की 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी के दम पर नौ विकेट के शेष रहते हासिल कर लिया।कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50 से अधिक स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वन-डे में 70वीं बार पीछा करते हुए 50 से अधिक स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50 से अधिक स्कोर किए हैं। रोहित और कोहली की जोड़ी वन-डे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के लिए वन-डे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यह दूसरी जोड़ी है। इन दोनों से आगे इस प्रारूप में बस सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है जिन्होंने 8227 रनों की साझेदारी की है। रोहित और कोहली के बीच इस दौरान 19 बार शतकीय और 18 बार ही 50 से अधिक रनों की साझेदारी हुई है। 75वें वन-डे अर्धशतक के साथ किंग कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2500 रन भी पूरे कर लिए हैं। वह ऐसा करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। किंग कोहली ने रोहित के साथ 19वीं बार 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी निभाई। दोनों के बीच 101वीं पारी में 19वीं दफा 100 से अधिक रनों की साझेदारी हुई। इससे पहले रोहित ने शिखर धवन के साथ 117 पारियों में 18 बार 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी की थी।

धार्मिक स्वतंत्रता...

हजारों श्रद्धालुओं और नागरिकों के साथ धर्म यात्रा निकाली, जो ईटानगर के न्योकुम लापांग मैदान में एक विशाल जनसभा के रूप में समाप्त हुई। सभा में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि यदि राज्य सरकार 18 नवंबर 2025 तक अधिनियम को लागू नहीं करती है, तो संगठन राज्य और दिल्ली में चरणबद्ध आंदोलन आरंभ करेगा। डॉ. रूमी ने कहा, धर्म और संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं। जब धर्म बदलता है, तो संस्कृति और मातृभूमि के प्रति निष्ठा भी बदल जाती है। विदेशी धर्मों के प्रसार से अरुणाचल की सामाजिक संरचना और राष्ट्रीय एकता दोनों पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है।उन्होंने बताया कि 1978 में जहां धर्मांतरण की दर केवल 01 प्रतिशत थी, वहीं अब यह 35 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यह दर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जहां विद्रोह और हिंसक गतिविधियां सामान्य हो गई हैं। अरुणाचल प्रदेश की सीमाएं चीन से सटी होने के कारण यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से अति संवेदनशील है। तवांग जैसे ऐतिहासिक मठों और स्वदेशी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सांस्कृतिक संतुलन पर निर्भर करती है। आईएफसीएसएपी ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे अपने वचन के अनुरूप एपीएफआरए-1978 को स्पष्ट नियमों सहित राजपत्र में अधिसूचित करें, ताकि किसी भी प्रकार की भ्रम या गलत व्याख्या की गुंजाइश न रहे। संस्था ने इस पत्र के साथ राजस्थान के धर्मांतरण-विरोधी कानून की प्रति भी संदर्भ हेतु संलग्न की है और राज्य सरकार से शीघ्र निर्णायक कदम उठाने का आग्रह किया है।

हिंदू शरणार्थियों को...

बांग्लादेश की सीमा लगती है और जनसंख्या में स्पष्ट रूप से बदलाव दिख रहा है। भाजपा ने इस मुहिम के लिए पूरी तैयारी शुरू कर दी है। कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे बांग्लादेश से आए हिंदू परिवारों को आवेदन भरने के लिए प्रोत्साहित करें। राज्य अध्यक्ष समीक भट्टाचार्य ने बताया कि 1000 से ज्यादा शिविर लगेंगे, लेकिन सीमावर्ती जिलों पर ज्यादा जोर होगा। जैसे उत्तर 24 परगना और नदिया दक्षिण बंगाल में, तो कूचबिहार और उत्तर दिनाजपुर उत्तर बंगाल में। इन इलाकों में जनसांख्यिकी बदल रही है, इसलिए वहां शरणार्थियों की मदद जरूरी है।पार्टी ने इसे सिर्फ अपनी इकाइयों तक सीमित नहीं रखा। हिंदू संगठनों और लोकल क्लबों को भी जोड़ा जा रहा है। बुधवार को कोलकाता में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की अगुवाई में एक वर्कशॉप हुई, जहां नेताओं और कार्यकर्ताओं को सीएए के नियम सिखाए गए। अब ये ट्रेंड कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को फॉर्म भरने में मदद करेंगे। एक नेता ने कहा, लोगों को सीएए के बारे में गलतफहमियां हैं, हम उन्हें साफ-साफ समझाएंगे कि ये उनके हक के लिए है।भाजपा विधायक एवं राज्य शरणार्थी प्रकोष्ठ के संयोजक असीम सरकार ने कहा कि वर्ष 2000 से 31 दिसंबर 2024 तक बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों को टारगेट किया जाएगा, जिनके नाम अभी मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने इन्हें गुमराह किया है, लेकिन सीएए हिंदुओं के लिए सुरक्षा रेखा है। यह आंदोलन 2004 में ठाकुरनगर से मतुआ परिवारों के साथ शुरू हुआ था। हरिणघाटा विधानसभा में तो जल्द ही माइक और प्रचार से लोगों को आवेदन के लिए जागरूक करने का कैंपेन चलेगा। इस अभियान से भाजपा को मतुआ समुदाय और दूसरे हिंदू शरणार्थी ग्रुप्स तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। ये लोग धार्मिक उत्पीड़न से भागकर 2024 तक भारत आए हैं। पार्टी का मानना है कि सीएए और एसआईआर से न सिर्फ वैध शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी, बल्कि फर्जी वोटरों और अवैध प्रवासियों की भी पहचान हो सकेगी।

पीओके में ...

प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुलकर विद्रोह कर रही है। पी. हरीश ने जोर देकर कहा कि जम्मू कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न अंग रहा है और हमेशा रहेगा। जम्मू कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपरा के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। बेशक ये बातें पाकिस्तान के लिए अजूबा ही हैं।भारतीय राजदूत पी हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की वैधानिकता, विश्वसनीयता और मौजूदा समय में इसकी जरूरत पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई और यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की उम्मीद था। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ की जरूरतों का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए ग्लोबल फैसले लेने वाले ढांचे को ज्यादा लोकतांत्रिक और सबको साथ लेकर चलने वाला होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय सहयोग को तेजी से समाज सेवा के तौर पर देखा जा रहा है और तरक्की को तेजी से सीमित किया जा रहा है। ग्लोबल साउथ के नागरिकों की विकास और उम्मीदों को पूरा करने के लिए जरूरी संसाधनों और तकनीक तक पहुंच कम होती जा रही है। पी. हरीश ने कहा कि ऐसा तरीका जो तरक्की और खुशहाली को वैश्विक नजरिए से नहीं देखता, वह न तो टिकाऊ है और न ही नैतिक तौर पर सही है।

आज गुरु-चंद्रमा का राशि परिवर्तन योग इन राशियों को बना देगा धनवान

आज यानी 26 अक्टूबर, रविवार को गुरु और चंद्रमा के बीच राशि परिवर्तन योग बन रहा है। यह योग चंद्रमा के धनु राशि में जाने और गुरु के चंद्रमा की राशि कर्क में जाने से बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र में इसे बहुत ही शुभ योग माना जाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति के करियर में तरक्की होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। गुरु और चंद्रमा के बीच राशि परिवर्तन योग से मेष राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलेगा और व्यावसायिक कार्यों में तेजी आएगी। वहीं मिथुन और कर्क राशि वालों को जबरदस्त आर्थिक लाभ होता दिख रहा है। निवेश से लाभ होने की प्रबल संभावना है। हालांकि इस दौरान तुला और मकर राशि वालों को थोड़ा सावधान रहना होगा। जीवन में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और कठिन दौर से गुज़रना पड़ सकता है।

मेष : भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

मेष राशि के जातकों के लिए यह समय जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का है। भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त होगा और भाग्य आपके लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योजनाओं से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है। आज के दिन पेमेंट मिलने से आपके व्यावसायिक कार्यक्रमों में तेजी आएगी। मेष राशि के लोगों को आज वह अवसर मिलेगा जिसका लंबे समय से इंतजार था। दिन आपके अनुकूल रहेगा।

वृष : किसी के बहकावे में न आएं

वृष राशि के जातकों को आज के दिन मकर राशि वालों से थोड़ा सतर्क रहना होगा। मकर राशि वाला कोई व्यक्ति अगर आपको कोई प्रस्ताव दे तो उसके बहकावे में न आएं। सायंकाल से रात्रि तक किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब रहने वाला है। ऐसे में आलस्य का त्याग करें और अपने खानपान पर ध्यान दें। किसी भी वस्तु की अधिकता हानिकारक होती है।

मिथुन : आर्थिक लाभ होने के संकेत

मिथुन राशि के जातकों के लिए आज नई योजना की शुरुआत करने के लिए शुभ दिन है। आज आप कोई महत्वपूर्ण परियोजना शुरू करने वाले हैं, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने में एक साल लग सकता है। आर्थिक लाभ होने के संकेत नजर आ रहे हैं। आज के दिन आपको अपनी सेहत के साथ-साथ वित्तीय मामलों पर भी नजर बनाकर रखनी होगी। फिलहाल ज़मीन जायदाद में निवेश करना आपके लिए शुभ रहने वाला है।

कर्क : बड़ी मात्रा में पैसा आएगा

कर्क राशि के जातकों के लिए आज आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना दिख रही है। सायंकाल के समय परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति आपका उदार रवैया देखने को मिलेगा। आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासिता पूर्ण माहौल का लुत्फ उठाएंगे। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आपको संतुष्टि महसूस होगी। रात्रि में परिवार के लोगों पर धन का खर्चा भी हो सकता है।

सिंह : कोई तोहफा मिल सकता है

सिंह राशि के जातकों के निजी संबंध प्रेम पूर्ण और सहयोग पूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग ले सकेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे। सायंकाल का समय अध्यात्म समागम में व्यतीत होगा। रात्रि में आपको कोई तोहफा या सरप्राइज मिल सकता है।

कन्या : पारिवारिक विवाद का समाधान होगा

कन्या राशि के जातकों को आज सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आज आप अपनी किसी परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज के दिन किसी महान व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। परिस्थितियों का आकलन करें और फिर दिल और दिमाग की बात सुनकर फैसला लें। आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देगा।

तुला : जीवन में समस्याएं उत्पन्न होंगी

आज आपको व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा। लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिकोणीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें और उन्हें आपस में मिलाएं नहीं। इससे आप संशयग्रस्त हो जाएंगे। सायंकाल का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

वृश्चिक : कार्यों में सफलता मिलेगी

आपकी राशि से पंचम शनि एवं चतुर्थ में केतु, का द्विग्रही योग मिश्रित फलकारक है। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप जो भी कार्य साहस के साथ करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र और परिवार में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। इनका सामना आप साहस के साथ करेंगे और विजेता बनकर उभरेंगे।

धनु : दूसरों के लिए ऊर्जा बर्बाद न करें

धनु राशि के जातकों को आज सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइश पेश करेंगे। आज समाज में भी आपका महत्व बढ़ेगा। मूड में उतार-चढ़ाव पर नज़र रखें।

मकर : कठिन दौर से गुज़रना पड़ेगा

आपकी राशि से तृतीय स्थान मीन राशि पर शनि संचार कर रहा है। आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुज़र सकते है। लेकिन याद रखें, जब अंधेरा गहराता है तब सवेरा करीब होता है। सच्चाई का सामना करेंगे और आपके समक्ष भावनात्मक समस्याएं भी आएंगी।

कुंभ : निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेगी

राशि स्वामी शनि के द्वितीय भाव में होने से निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगी। अंतर्मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें। अतीत को भूलकर वर्तमान में कदम आगे बढ़ाएं। आज आपके कार्य क्षेत्र में अप्रत्याशित बदलाव की संभावना है।

मीन : निजी संबंधों में विवाद संभव

आज चन्द्रमा वृश्चिक राशि पर संचार कर रहा है। जो कि आपकी राशि से अष्टम भाव है। उम्मीदों के पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे। निजी संबंधों के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। एक बात आज विशेष रूप से नोट कर लें कि जीवन में जब भी आपको आवश्यकता पड़ेगी तब आपके पारिवारिक सदस्यों से वांछित सहयोग कभी प्राप्त नहीं होगा।

अगर ग्रह है बलवान तो इस प्रकार रहेगा स्वभाव, जानें वे लोग कैसे होते हैं, जिनके ग्रह होते हैं बलवान

यदि किसी व्यक्ति के ग्रहों में सूर्य शक्तिशाली हो तो ऐसा व्यक्ति चौकोर शरीर से युक्त होता है तथा उसका कद छोटा होता है, बाल अधिक लम्बे नहीं होते हैं और ऐसा व्यक्ति पित्त स्वभाव से युक्त होता है। अगर लग्न पर शुभ ग्रह की नजर न पड़े तो ऐसा व्यक्ति उच्छृंखल स्वभाव वाला होता है।

यदि किसी व्यक्ति के जन्म के समय में चन्द्र शक्तिशाली हो तो ऐसे व्यक्ति का मुख अत्यधिक सुन्दर चन्द्रमा के समान होता है। यह सुन्दर आंखों से युक्त होता है, ऐसा व्यक्ति मधुरभाषी तथा ये वात और कफ से युक्त होते हैं। प्रायः चन्द्र ग्रह के प्रभाव से युक्त व्यक्ति सर्दी जुकाम तथा जलतत्व की अधिकता से होने वाले कफ रोगों से पीड़ित होते हैं। ऐसे व्यक्तियों में लड़ने की क्षमता कम होती है। चन्द्रमा के प्रभाव से युक्त व्यक्ति का स्वभाव कोमल और मधुर होता है।

मंगल ग्रह जिस व्यक्ति का बलशाली होता है, वह व्यक्ति मंगल के गुणों से युक्त होने पर निडर, बहादुर होता है, मंगल पर अगर पाप ग्रह की दृष्टि पड़े तो ऐसे व्यक्ति झगड़ालु बन जाते हैं।

बुध ग्रह से प्रभावित व्यक्ति हंसमुख और मजाकिया होते हैं, निरन्तर जवान नजर आते हैं। ऐसे व्यक्ति मधुरभाषी होते हैं, कभी-कभी इनकी आपत्तिजनक टिप्पणियां एवं व्यवहार का कोई बुरा नहीं मानता है। बुध बलवान वाले छल प्रपंच करने में चतुर होते हैं तथा अपने वादे पर अधिक देर तक टिकना इनके लिए कठिन होता है, त्रिदोष प्रकृति से युक्त होते हैं।

गुरु ग्रह प्रबल होने पर तथा गुरु ग्रह से जिस व्यक्ति का जन्म लग्न प्रभावित होता है तो ऐसा व्यक्ति ऊंचे कद वाला, विवेकी, उच्च विचारों से युक्त होते हैं, पित्त प्रकृति वाले होते हैं, ऐसे व्यक्ति दृढ़ और स्थिर विचारों से युक्त होते हैं।

शुक्र ग्रह से जिस व्यक्ति का लग्न भाव प्रभावित होता है वह व्यक्ति गेंहुए रंग से युक्त, जल युक्त आंखों वाले, आकर्षक शरीर से युक्त होते हैं। सम्भवतः ये प्रेमी स्वभाव के होते हैं, विद्वानों का कथन है कि शुक्र सौंदर्य का ग्रह है, शुक्र बलवान होने पर जातक के अन्दर भोग, विलास, खर्च, मनोरंजन आदि करने की अत्यधिक प्रवृत्ति पाई जाती है।

ऐसा व्यक्ति जो शनि ग्रह से प्रभावित होता है वह एकांत प्रिय, आत्म सम्मानी, दुर्बल और लम्बे शरीर से युक्त होता है। इसके बाल शुष्क होते हैं अर्थात् सूखे होते हैं और दाँत मोटे होते हैं। ये प्रतिरोध करने की क्षमता रखते हैं और समयानुसार अपने दुश्मनों को नीचा भी दिखाते हैं।

कैसे महात्मा ने सिद्ध मंत्र से राजा को मदिरापान की बुरी लत से दिलाई मुक्ति

एक राजा को मदिरापान के दुर्व्यसन की आदत लग गई। जब भी राजा मदिरा पान करता, तो राजा को खुश करने के लिए दरबारी उससे भी अधिक मदिरा पान कर राजा की जी-हजूरी करते। यह देखकर वहां के पुरोहित, धर्माचार्य और विद्वानजन अत्यंत चिंतित हुए। उन्होंने राजा को समझाने-बुझाने का कई बार प्रयास किया, लेकिन राजा अपनी आदत छोड़ने को तैयार न हुआ। उल्टे, जब उपदेश की अधिकता होने लगी तो उसने चुन-चुनकर सभी धर्माचार्यों और उपदेशकों को जेल में डाल दिया और राज्यभर में यह फरमान जारी कर दिया कि जो कोई भी मदिरा पान की निंदा करेगा, उसे आजीवन कारावास भोगना पड़ेगा।

दंड के भय से अब कोई भी राजा को सही सलाह देने का साहस न कर सका। पूरे राज्य में अव्यवस्था फैल गई, जनता दुःखी हो गई और राजकाज अस्त-व्यस्त होने लगा। अंततः यह देख एक सिद्ध महात्मा वहां पधारे, उन्होंने सोचा कि इस दुराचार का अंत किए बिना प्रजा का कल्याण नहीं हो सकता। राजधानी में प्रवेश करते ही वह एक प्रमुख चौराहे पर खड़े हुए और लोगों को एकत्र कर मदिरापान के गुणों का व्याख्यान करने लगे। इस व्याख्यान की चर्चा जब राजा के कानों में पड़ी कि बाहर से आए हुए एक महात्मा मदिरा पान के बड़े-बड़े लाभ बताते हैं और कल वे मदिरा पीने की सुरक्षित विधि बतलाएंगे। पहिले जो राजा साधु महात्मा और विद्वान का नाम सुनकर चिढ़ता था और बिना अपराध ही उन्हें जेल में डालने का हुक्म दे देता था आज वह स्वयं महात्मा जी के चरणों में परिवार सहित उपस्थित हुआ और बड़ी नम्रता के साथ कल का व्याख्यान अपने खास दरबार में करने की प्रार्थना की।

महात्मा जी ने व्याख्यान में बताया कि, 'मद्यपान में गुण तो बहुत हैं, परन्तु मनुष्य उसे पीना नहीं जानता। जैसे बिना शुद्ध किए विष खाने से मनुष्य मर जाता है परन्तु यदि जानकार वैद्य उसे शुद्ध कर दे तो, उसके खाने से मनुष्य के अनेक रोग दूर हो जाते हैं ठीक इसी प्रकार अन्न, गुड़ और फल आदि पदार्थों के विकार से बनी मदिरा को बिना शुद्ध किए पीने से नुकसान होता है, अनेक व्याधियां उत्पन्न हो जाती हैं, इसलिए मदिरा को हमेशा शुद्ध करके पीना चाहिए।' यह सुनते ही राजा ने कहा, 'महाराज! आपकी बात पूरी तरह मेरी समझ में बैठ गई है, कृपा करके मुझे भी मदिरा शुद्ध करने की विधि समझा दीजिए।' महात्मा ने कहा, 'स्फटिक से बनी माला द्वारा चौबीस लाख बार एक सिद्ध मंत्र को जपना है, जिस माला पर जाप किया हो, उसका एक दाना प्याले में डालकर उस पर मदिरा उड़ेलनी है, दाना बीच में डूबा रहे तो मदिरा विकार मुक्त हो जाती है। अगले दिन दूसरा दाना भी प्याले में डाल देना चाहिए। इस तरह पूरे एक सौ आठ दाने प्याले में इकट्ठे करने है।' राजा ने कहा, 'यह उपाय तो बहुत लम्बा है, 24 लाख मंत्र जप तो बहुत दिनों में पूरा होगा, तब तक क्या किया जाए, क्योंकि मैं तो एक दिन भी मदिरा के बिना जीवित नहीं रह सकता।' इस पर महात्मा ने अपने गले से स्फटिक माला निकालकर देते हुए कहा कि, 'जब तक तुम्हारी माला तैयार न हो जाए तब तक हमारी इस माला से काम चलाओ।' महात्मा जी के कथा के अनुसार उस दिन राजा ने प्याले में माला का दाना डालकर अपना शौक पूरा किया। अगले ही दिन से नित्य स्नानादि से निवृत्त होकर राजा ने अपनी माला पर सिद्ध मंत्र का जाप आरम्भ कर दिया जिससे उसकी अपनी माला भी तैयार हो जाए। राजा नित्य क्रमशः एक दाना प्याले में बढ़ाते हुए ज्यों ही साठ-सत्तर दाने पर पहुँचा तो मंत्र जाप के प्रभाव से स्वयं ही उसके मन में विचार उठा कि मंत्र जाप और ईश्वर की भक्ति में जो नशा रूपी आनन्द है, वह मदिरा पान में नहीं। ऐसा विचार आते ही राजा ने प्याला जमीन से दे मारा, नौकरों को आज्ञा दी कि मदिरा के सब मटके गंदे नाले में उलट दो। जेल में पड़े सभी विद्वतजनों को बंधन-मुक्त करके क्षमा प्रार्थना की गई और राजकाज ठीक चलने लगा।

छठ पूजा से लाभ का क्या है वैज्ञानिक आधार

प्रत्यक्ष देवता सूर्य नारायण की उपासना करने से व्यक्ति को दीर्घायु, तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति, घर-परिवार में सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है एवं असाध्य रोगों से भी मुक्ति मिलती है। छठ पर्व की परंपरा केवल आस्था या पूजा का प्रतीक नहीं है, इसके पीछे एक गहन वैज्ञानिक आधार निहित है। षष्ठी तिथि विशेष खगोलीय आधार है, इस दिन सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं। इस खगोलीय स्थिति के संभावित दुष्प्रभावों से जीव-जगत की रक्षा करने की क्षमता इसी परंपरा में निहित है।

जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचता है, तो वह सबसे पहले वायुमंडल के आयन मंडल से होकर गुजरता है। वहां उपस्थित ऑक्सीजन तत्त्व पराबैंगनी किरणों की सहायता से ओजोन का निर्माण करता है। यही ओजोन परत सूर्य की पराबैंगनी किरणों के अधिकांश भाग को अवशोषित कर पृथ्वी को उनके हानिकारक प्रभावों से बचाती है। केवल अल्प मात्रा में ही ये किरणें पृथ्वी की सतह तक पहुंच पाती हैं, जो मानव शरीर के लिए सहनीय होती हैं। यही सीमित मात्रा जीवन के लिए लाभदायक मानी जाती है, क्योंकि यह शरीर में विटामिन-डी के निर्माण में सहायक होती है और साथ ही रोगाणुओं का नाश भी करती है।

छठ पर्व के समय विशेष खगोलीय स्थिति बनती है, इस वर्ष छठ पूजा के दौरान देवगुरु बृहस्पति अपनी उच्च राशि में बैठकर सौभाग्य का सृजन कर रहे हैं। जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा लगभग एक ही रेखा पर स्थित होते हैं, इस अवस्था में सूर्य की पराबैंगनी किरणें चंद्र सतह से परावर्तित होकर और वायुमंडलीय परतों से अपवर्तित होती हुई पृथ्वी पर सामान्य से अधिक मात्रा में लौट आती हैं। विशेष रूप से सूर्योदय और सूर्यास्त के समय इन किरणों की सघनता बढ़ जाती है।

छठ व्रत की परंपरा में इन खगोलीय और जैविक प्रभावों से समन्वय स्थापित करने की अद्भुत व्यवस्था है। व्रती व्यक्ति जल में खड़े होकर सूर्यास्त और सूर्योदय के समय अर्घ्य अर्पित करता है, जिससे शरीर पर नियंत्रित मात्रा में सूर्य प्रकाश और पराबैंगनी किरणों का प्रभाव पड़ता है, यह शरीर की ऊर्जा, रोग-प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक संतुलन को प्रबल करता है। छठ पर्व प्रकृति, विज्ञान और मानव स्वास्थ्य के गहरे सामंजस्य का उत्कृष्ट उदाहरण है।

पहली बार कर रहे हैं छठ व्रत? भूलकर भी न करें ये गलतियां, इन बातों का रखें ध्यान

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व की आज से शुरुआत हो गई है। चार दिनों तक चलने वाले छठ पूजा के दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य दिया जाता है। यह त्योहार मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। इस दौरान पुरुष और महिलाओं दोनों को बेहद सख्त नियमों का पालन करना होता है। मान्यता है कि व्रत के समय नियमों के साथ सच्चे मन से सूर्य देव और छठ माता की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। लेकिन अगर आप पहली बार व्रत कर रहे हैं तो आपको अधिक सावधानी बरतनी होगी। व्रत के दौरान की गई छोटी सी गलती से इसका फल अधूरा रह सकता है। आइए जानते हैं कि छठ पूजा के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

साफ-सफाई का ध्यान रखें

छठ व्रत में साफ-सफाई का विशेष महत्व है। पूजा का स्थान, घर और रसोई को पूरी तरह साफ रखें। पूजा में इस्तेमाल होने वाली चीजों और बर्तन साफ होने चाहिए। अर्घ्य के बर्तन को गंदी जगह पर ना रखें। व्रत के दौरान पहने जाने वाले कपड़े धुले हुए और साफ होने चाहिए।

लहसुन-प्याज और मांसाहार से रहें दूर

छठ पूजा के दौरान पूरे घर में सात्विक वातावरण बनाए रखना जरूरी है। इस दौरान लहसुन, प्याज, शराब और मांसाहार का सेवन सख्ती से वर्जित होता है। इस दौरान केवल शुद्ध और सात्विक भोजन ही ग्रहण करें।

व्रत को बीच में न तोड़ें

छठ का व्रत अत्यंत कठिन माना जाता है और इसमें निर्जला व्रत भी शामिल होता है। यदि एक बार संकल्प ले लिया है तो किसी भी हालत में व्रत को बीच में नहीं तोड़ना चाहिए। यह आस्था का व्रत है और इसे पूर्ण समर्पण से निभाना चाहिए।

प्रसाद बनाने में गलती न करें

छठ के व्रत के दौरान प्रसाद बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान ठेकुआ, रसियाव और कद्दू-भात अत्यंत पवित्र माने जाते हैं। प्रसाद बनाते वक्त ध्यान रखें कि कुछ ना खाएं। प्रसाद को मिट्टी के बर्तन में बनाना शुभ माना जाता है। प्रसाद बनाते समय घर में किसी प्रकार की अशुद्धता न हो इस बात का ध्यान रखें।

बिस्तर पर नहीं सोना चाहिए

पहली बार छठ का व्रत कर रहे व्रतियों को बिस्तर पर नहीं सोना चाहिए। व्रत करने वालों को चार दिनों तक फर्श पर चादर या चटाई बिछाकर सोना चाहिए।

मासिक धर्म में छठ व्रत के क्या हैं नियम, क्या अर्घ्य दे सकते हैं और प्रसाद तैयार कर सकते हैं?

छठ महापर्व का आरंभ हो चुका है। इसके व्रत और नियमों को बहुत कठिन माना जाता है। छठ पूजा में शुद्धता व पवित्रता सबसे खास महत्व होता है। इसमें हर एक चीज की शुद्धता का ख्याल रखा जाता है। वहीं, खरना के दिन से महिलाओं का 36 घंटे तक चलने वाला व्रत शुरू हो जाता है। लेकिन अगर किसी महिला को छठ पूजा या व्रत के दौरान मासिक धर्म यानी पीरियड्स आ जाएं, तो इस अवधि में भी कुछ सख्त नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि छठ पूजा का व्रत मासिक धर्म में भी नहीं छोड़ा जाता है। लेकिन इस दौरान कुछ जरूरी नियमों का ध्यान जरूर रखें।

मासिक धर्म में छठ पूजा कैसे करें ?

माना जाता है कि अगर छठ पूजा के दौरान व्रती महिला को मासिक धर्म हो जाए तब भी वह व्रत का पालन कर सकती है। पौराणिक मान्यता है कि छठ पूजा पीढ़ियों चलने वाली पारंपरिक पूजा है। ऐसे में इस व्रत को बीच में नहीं छोड़ना चाहिए। तो अगर आपको छठ पूजा के बीच में पीरियड्स आ जाएं तब भी इस व्रत को किया जा सकता है। लेकिन इस दौरान कुछ जरूरी और सख्त नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए।

मासिक धर्म आने पर क्या करें और क्या न करें?

अगर छठ पूजा के दौरान आपको मासिक धर्म आ जाए तो परिवार के किसी सदस्य को अपने सहयोग के लिए चुन सकते हैं। इसके बाद, सहयोगी को भी छठ पूजा के सभी नियमों का ख्याल रखना चाहिए।

इस भी सदस्य को आपने सहयोग के लिए चुना है वही छठ पूजा में आपकी हर कार्य में सहायता करेगा। साथ ही, उन्हें भी शुद्धता और पवित्रता का पूरा ख्याल रखना होगा।

सहयोगी स्नान के बाद प्याज-लहसुन का सेवन नहीं करेंगे और खरना के दिन छठ पूजा का प्रसाद बनाने तक सहयोग करने वाले सदस्य को भी व्रत का पालन करना होगा। लेकिन खरना के दिन शाम को जल के साथ जो पूजा की जाती है वह व्रती महिला यानी छठ पूजा करने वाले ही करेंगे।

दूध और जल अशुद्ध नहीं होता है। ऐसे में आप छठ पूजा में खरना के दिन मासिक धर्म में भी जल के साथ पूजा कर सकती हैं। हालांकि, प्रसाद का भोग सहयोगी द्वारा ही लगाया जाएगा। इसके बाद, छठ करने वाली महिला के भोजन करने के बाद घर के सभी सदस्य और सहयोगी भोजन कर सकते हैं।छठ पूजा में जितने भी दिन व्रत रखा जाता है उतने दिन महिलाएं व्रत रख सकती हैं। इसमें घाट पर जाने के लिए जो प्रसाद जैसे ठेकुआ, पूरी आदि बनाई जाती है। वो भी सहयोगी ही बनाएंगे। इसके बाद, आप घाट पर परिवार के साथ जा सकती हैं।

मासिक धर्म में महिलाएं पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दे सकते हैं। ऐसा करने में कोई मनाही नहीं होती है। लेकिन पूजा की टोकरी, सूप, नारियल आदि लेकर सहयोगी आपके साथ जल में खड़े होंगे। अर्घ्य देने तक सहयोगी को भी व्रत का पालन करना होगा। इस दौरान मासिक धर्म में महिलाएं पानी में खड़े होकर सूर्यदेव के मंत्रों का जाप करते हुए मानसिक पूजा कर सकती हैं। साथ ही, छठी मैया की भी स्तुति करें।

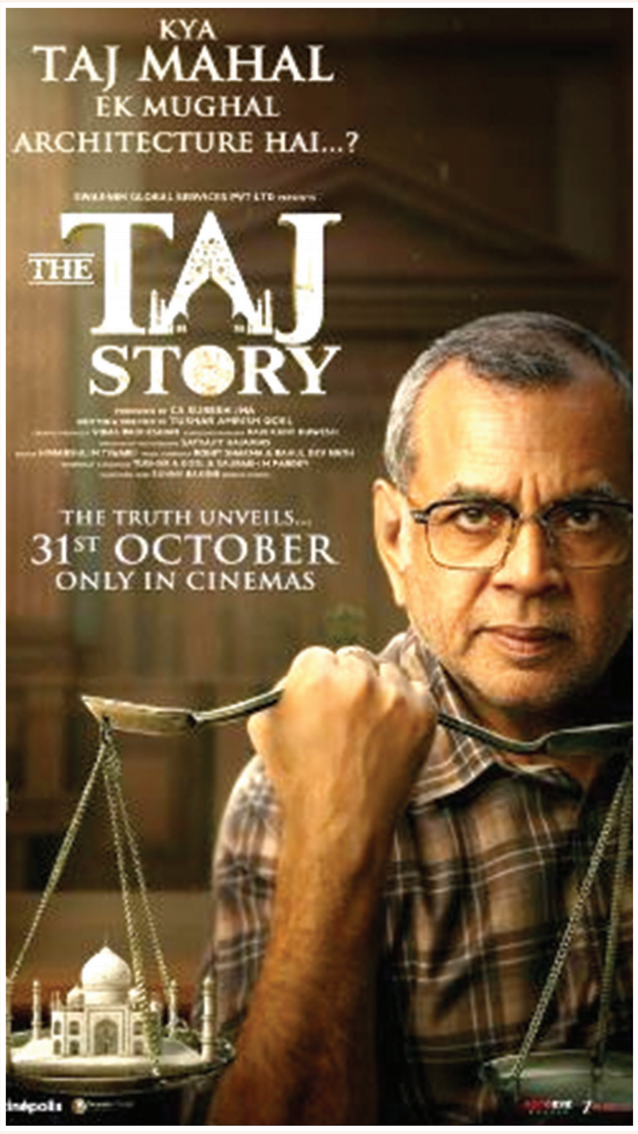

फिल्म द ताज स्टोरी के एक और दमदार पोस्टर में हाथ में 'न्याय का तराज़ू' थामे नजर आए परेश रावल

परेश रावल द्वारा अभिनीत, स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत तथा तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित 'द ताज स्टोरी', अपने धमाकेदार और सोचने पर मजबूर करने वाले ट्रेलर के चलते लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर विकास राधेश्याम हैं। फिलहाल रिलीज से पहले मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें परेश रावल एक गहन और तीव्र अंदाज़ में दिखाई दे रहे हैं। उनके हाथ में न्याय का तराज़ू है, जिस पर ताज महल संतुलित है, जो स्पष्ट रूप से सच्चाई बनाम इतिहास की लड़ाई का संकेत देता है।

क्या ताज महल एक मुग़ल आर्किटेक्चर है...? विशेष रूप से इस टैगलाइन के साथ न सिर्फ फिल्म पारंपरिक मान्यताओं को चुनौती देती है, बल्कि देशभर में बहस छेड़ने का वादा भी करती है। तुषार अमरीश गोयल द्वारा निर्देशित द ताज स्टोरी 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है, ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि सच को जानने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नमित दास जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म एक कठोर सामाजिक ड्रामा के रूप में पेश की जा रही है, जो बेखौफ होकर हमारे समय के सबसे उग्र सवालों में से एक को उठाती है और वो है 79 साल की आज़ादी के बावजूद क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?

फिल्म का संगीत रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ ने तैयार किया है। यह सिर्फ एक पीरियड या ऐतिहासिक फिल्म नहीं है, यह एक सिनेमैटिक डिबेट है, जो फिल्म को रुपहले पर्दे के साथ ऐतिहासिक मुद्दों को गहराई से देखते हुए सामाजिक टिप्पणी को ऐतिहासिक तथ्यों के पुनर्मूल्यांकन के साथ जोड़ती है और यह सुनिश्चित करती है कि यह फिल्म भले ही नाटकीय हो, किन्तु विचारोत्तेजक होगी।

फिलहाल 'द ताज स्टोरी' भव्य पैमाने पर 31 अक्टूबर 2025 को पूरे भारत में रिलीज़ होने जा रही है, जो र्शकों को सोचने, सवाल करने और शायद इतिहास और आज़ादी को देखने का एक नया दृष्टिकोण देगी।

इमरान हाशमी–यामी गौतम की फिल्म हक से सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म 'हक' बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया–सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। वह 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं।

वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था।

फिल्म 'हक' की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे।

फिल्म 'हक' को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक 'बानो: भारत की बेटी' पर आधारित है।

फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने–किरदार के साथ न्याय किया है। खासकर इमरान हाशमी और यामी गौतम ने बहुत अच्छी एक्टिंग की है। इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

नॉन स्टॉप धमाल अभिनेत्री वेरोनिका वनीज ने पारंपरिक अंदाज़ में मनाई दिवाली

त्यौहारों को मनाने की बात हो तो अभिनेत्री वेरोनिका वनीज हमेशा इसे सादगी और अपनी जड़ों से जुड़े तरीके से मनाना पसंद करती हैं। इस साल भी नॉन स्टॉप धमाल एक्ट्रेस ने दिवाली को सबसे पारंपरिक भारतीय अंदाज़ में मनाया, जिसमें एक साथ रहने, संस्कृति और कृतज्ञता की खूबसूरती झलकती रही।

जहाँ इंडस्ट्री के कई लोग इस त्यौहार को ग्रैंड पार्टियों और ग्लैमरस सोरीज़ के साथ मनाते हैं, वहीं वेरोनिका ने चमक–दमक से ज़्यादा अपनापन और गर्मजोशी को चुना। खूबसूरत पारंपरिक साड़ी में सजी वेरोनिका ने अपने घर पर परिवार और करीबी दोस्तों के साथ लक्ष्मी पूजन से दिवाली की शुरुआत की। उनका घर दीयों, गेंदे के फूलों की मालाओं और रंगोलियों से सजा हुआ था – भारतीय त्योहार की असली झलक पेश करता हुआ। वेरोनिका ने मुस्कुराते हुए कहा, इस दिवाली का मकसद मेरे लिए शांति, रोशनी और कृतज्ञता था। हमारी भागदौड़ भरी ज़िंदगी में हम अक्सर भूल जाते हैं कि यह त्योहार असल में क्या सिखाता है – प्यार, मेलजोल और जो हमारे पास है उसके लिए शुक्रगुज़ार होना। मैंने इसे वैसे ही मनाना चाहा जैसे बचपन में मनाती थी – परिवार के साथ, घर की बनी मिठाइयों के साथ, और उस अपनत्व की भावना के साथ।अपनी ऊर्जावान स्क्रीन पर्सनैलिटी के लिए जानी जाने वाली वेरोनिका ने इस बार अपने इस जश्न में एक भावुक और पुरानी यादों से भरा रूप दिखाया। उन्होंने अपने स्टाफ और पड़ोसियों को मिठाइयाँ बाँटीं और दीये जलाकर खुशियाँ साझा कीं। वेरोनिका की यह पारंपरिक दिवाली उनके फैन्स के लिए सादगी की खूबसूरती की याद दिलाने वाली रही। इसने यह भी दिखाया कि ग्लैमर और चमक के इस दौर में अपनी जड़ों से जुड़कर मनाया गया त्योहार ही सबसे सच्चा होता है।अपनी ज़मीन से जुड़ी सोच और पॉज़िटिव एनर्जी के साथ वेरोनिका वनीज ने एक बार फिर साबित किया कि असली स्टारडम वही है, जो प्यार, गर्मजोशी और सच्चाई से चमकता है।

कशिका कपूर की सहज खूबसूरती ने 'पिच टू गेट रिच' स्क्रीनिंग पर चुराया सबका ध्यान

कभी–कभी कोई रेड कार्पेट लम्हा सिर्फ़ फैशन तक सीमित नहीं रहता – वो बन जाता है एक अभिव्यक्ति, व्यक्तित्व और शांत शक्ति का प्रतीक। ऐसा ही कुछ हुआ जब कशिका कपूर 'पिच टू गेट रिच' की स्क्रीनिंग पर पहुंचीं। जो एक साधारण पापाराज़ी मोमेंट के रूप में शुरू हुआ था, वह कुछ ही पलों में वायरल सेंसेशन बन गया – फैन्स और मीडिया दोनों उनकी शालीनता और स्वाभाविक आकर्षण से मंत्रमुग्ध रह गए।

अब वायरल हो चुके वीडियो में कशिका अपने सिग्नेचर स्टाइल में रेड कार्पेट पर चलती नज़र आती हैं – आत्मविश्वास से भरी हुई, लेकिन बिना किसी दिखावे के। न कोई ओवर–ड्रामैटिक अंदाज़, न कोई बनावट – बस एक शांत आभा, जो बिना कोशिश के ही सबका ध्यान खींच लेती है। इंटरनेट जहां उनके पेस्टल मिंट आउटफिट की तारीफ़ कर रहा था, वहीं यह साफ़ दिख रहा था कि बात सिर्फ़ कपड़ों की नहीं थी – बल्कि उनकी मौजूदगी की थी। कशिका ने खुद को उस शख्सियत के रूप में पेश किया जो जानती हैं कि वो कौन हैं और कहां जा रही हैं। हर फ्रेम में उनके सफ़र की झलक थी – एक उभरती हुई अदाकारा से लेकर भारतीय सिनेमा की नई लहर को परिभाषित करने वाले चेहरों में से एक बनने तक।

कशिका की ख़ासियत उनकी संतुलन भरी शालीनता है – ग्लैमर के बीच भी ज़मीन से जुड़ी हुईं। वायरल होने के बावजूद, वो खुद को सच्चाई से पेश करती हैं – अपनापन और आकर्षण का सुंदर मेल। इस इवेंट में उनका आत्मविश्वास और गरिमा एक बार फिर साबित करते हैं कि कशिका कपूर सिर्फ़ दिखने के लिए नहीं हैं – बल्कि याद किए जाने के लिए हैं।

अपने आने वाले बॉलीवुड और साउथ प्रोजेक्ट्स के साथ, यह वायरल पल किसी चौंकाने वाली बात से ज़्यादा एक झलक है – उस सितारे की, जिसकी चमक अब और भी तेज़ होने वाली है।

रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा द गर्लफ्रेंड का दमदार ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, यह कोई साधारण प्रेम कहानी नहीं, यह आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' का ट्रेलर रिलीज। फिल्म में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ अभिनेता धीक्षित शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में रश्मिका भूमा के किरदार में और धीक्षित विक्रम के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, फिल्म में अनु इमैनुएल का किरदार भी अहम है। फिल्म तेलुगु के साथ–साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि विक्रम (धीक्षित) को एक टॉक्सिक, डॉमिनेटिंग, घमंडी, हिंसक और शक्की बॉयफ्रेंड के रूप में दिखाया गया है, जबकि भूमा एक साधारण और सहज लड़की है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते के बोझ में दबी है।ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका (भूमा) झिझकते हुए विक्रम से कहती है कि क्या हम थोड़ा ब्रेक ले सकते हैं? जिस पर रिएक्ट करते हुए विक्रम कहता है, ब्रेक का मतलब एक से ब्रेक है। इसके बाद कहानी पीछे जाती है, जहां विक्रम भूमा को प्रपोज करता है, जिसमें वह कहता है, परसों शुभ मुहूर्त है, चलो शादी कर लेते हैं। विक्रम को भूमा पर पूरा भरोसा है, लेकिन भूमा झिझकते हुए उसे बॉयफ्रेंड कहती है।फिल्म का लेखन और निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। हेशाम अब्दुल वहाब ने म्यूजिक दिया है और सिनेमैटोग्राफी कृष्णन वसंत ने की है। 'द गर्लफ्रेंड' एक इमोशनल कहानी का वादा करती है, जो प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को उजागर करेगी।फिल्म में रश्मिका मंदना के अलावा धीक्षित शेट्टी, राव रमेश और रोहिणी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गुड्डी मारुति की छोटे पर्दे पर वापसी, उड़ने की आशा में निभाएंगी ग्रे शेड किरदार

बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडियन और अभिनेत्री गुड्डी मारुति लंबे समय के बाद छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्मों में अपने शानदार कॉमिक किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली गुड्डी इस बार टीवी शो 'उड़ने की आशा' में एक बिल्कुल नया और दिलचस्प रोल निभाने वाली हैं। उनके फैंस के लिए यह खुशी का मौका है, क्योंकि उनके जबरदस्त अभिनय ने हमेशा से दर्शकों का दिल जीता है। गुड्डी मारुति ने अपने इस टीवी करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि लंबे समय के बाद फिर से टीवी पर लौटना उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव है। उनका कहा, ''मैं 'उड़ने की आशा' में अपने किरदार को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह बेहद रोचक और चुनौतीपूर्ण है।

इसमें थोड़ी कॉमेडी, थोड़ी नकारात्मकता और कई अलग–अलग रंग हैं, जो इसे और भी मजेदार बनाते हैं। मुझे ऐसे किरदार का इंतजार था, क्योंकि यह पारंपरिक कॉमिक रोल से बिल्कुल अलग है।'' अपने किरदार की खासियत बताते हुए गुड्डी मारुति ने कहा, ''मेरा किरदार साइली (जिसका किरदार नेहा हरसोरा निभा रही हैं) के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा और उसकी जिंदगी को थोड़ा उलझन भरा बनाने वाला है। मेरे इस किरदार में थोड़ी कॉमेडी का तड़का भी होगा, जिससे दर्शकों को देखने में और मजा आएगा।'' उन्होंने कहा कि शो पहले से ही अच्छा चल रहा है और वे अपनी तरफ से इसमें बेहतर योगदान देने की कोशिश करेंगी।

गुड्डी ने कहा, ''मेरा यह किरदार 90 के दशक के कॉमिक रोल की तरह नहीं है। यह महत्वाकांक्षी, मजबूत और थोड़ी चालाक है। इसमें कई रंग हैं। दर्शक इस नए किरदार को पसंद करेंगे, क्योंकि इसमें हास्य अंदाज भी है और ताकतवर महिला की झलक भी।'' उन्होंने इसे अपने करियर के लिए एक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक अनुभव बताया। गुड्डी मारुति अपने लंबे करियर में कई लोकप्रिय टेलीविजन सीरियल में काम कर चुकी हैं।

उन्होंने 1986 में 'इधर उधर' में मोती शबनम का किरदार निभाया था। इसके बाद 1995 में 'श्रीमान श्रीमती' में श्रीमती मेहता की भूमिका निभाई। 1996 में वह 'सॉरी मेरी लॉरी' में नजर आईं। 2012 में उन्होंने 'मिसेज कौशिक की पांच बहुएं' में पैडी आंटी का रोल अदा किया। इसके बाद 2013 में 'डोली अरमानों की' में बुआ की भूमिका निभाई। 2018 में गुड्डी मारुति 'ये उन दिनों की बात है' में वीजेएन कॉलेज की प्रिंसिपल मैम के रूप में नजर आई थीं।

नहीं रहे अपनी कॉमिक टाइमिंग से सबको गुदगुदाने वाले सतीश शाह

किडनी फेल होने से हुआ निधन

कॉमेडी फिल्म में अपने रोल से सबको गुदगुदाने वाले एक्टर सतीश शाह का निधन हो गया है। निधन की खबर से फैंस के बीच शोक की लहर दौड़ पड़ी है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने एक्टर के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्टर के निधन की जानकारी देते हुए भावुक पोस्ट डाला है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने सतीश रविलाल शाह की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और लिखा है, आपको यह बताते हुए दुख और आश्चर्य हो रहा है कि हमारे प्रिय मित्र और एक बेहतरीन अभिनेता सतीश शाह का कुछ घंटे पहले किडनी फेल होने के कारण निधन हो गया। उन्हें हिंदुजा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। हमारे उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। अशोक पंडित ने एक्टर के घर का पता भी सोशल मीडिया पर डाला है।

सतीश शाह का जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। वह टीवी और सिनेमा का हंसाने और गुदगुदाने वाला चेहरा थे। उन्होंने अपनी बेमिसाल एक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाई। उन्होंने टीवी पर छोटा रोल हो या पर्दे पर बड़ा रोल, दोनों को पूरे मन से निभाया है। शाह ने अपने करियर की शुरुआत 1970 में फिल्म 'भगवान परशुराम से की थी, लेकिन ये फिल्म एक्टर को पहचान नहीं दिला पाई। फिर उन्हें साल 1978 में आई अरविंद देसाई की फिल्म 'अजीब दास्तान' में देखा गया। इस फिल्म में एक्टर का रोल छोटा था, जिसके बाद उन्हें 1983 की फिल्म 'जाने भी दो यारों' में देखा गया और ये फिल्म उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई थी।

आखिरी बार सतीश शाह को फिल्म 'हमशक्ल' में देखा गया था, जो 2014 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सैफ अली खान, रितेश देशमुख और राम कपूर जैसे स्टार्स लीड रोल में थे। इसी फिल्म में एक्टर ने छोटा सा साइड रोल किया था। इस फिल्म का निर्देशन साजिद खान ने किया था और फिल्म पर्दे पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। पर्सनल लाइफ में सतीश शाह बहुत सिंपल इंसान थे। उन्हें पार्टियों में जाना पसंद नहीं था और वह घर का खाना ज्यादा पसंद करते थे। एक इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया था कि मैं उन कुछ लोगों में से एक हूं जिन्हें घर का बना खाना पसंद है और मेरे घर का खाना किसी भी पार्टी के खाने जितना अच्छा होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को दबाएँ और छुपाएँ नहीं। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। उन सहकर्मियों का ख़ास ध्यान रखें, जो उम्मीद के मुताबिक़ चीज़ न मिलने पर जल्दी ही बुरा मान जाते हैं। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आज आप नए प्रोजेक्ट को शुरू करेंग जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि लेकर आएगा। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका व्यक्तित्व आज सबको आकर्षित करेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूर के रिश्तेदार से जिस संदेश की काफ़ी समय से उम्मीद थी, वह अच्छी ख़बर पूरी परिवार को ख़ुशियों से भर देगी। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। उनपर ग़ौर करें, यह बात आपको ख़ुद-ब-ख़ुद दिख जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी रिश्तेदार से मिला तोहफ़ा आपके लिए ख़ुशी लेकर आएगा। अगर आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए एकाग्रता सए ध्यान केंद्रित करेंगे तो आपकी उपलब्धियाँ आपकी उम्मीदों से ज़्यादा होंगी। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। लेकिन ऐसे ख़ुदगर्ज़ और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इज़ाफ़ा कर सकता है। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा ज़िन्दगी की एहमियत का एहसास होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा घर के किसी मसले को लेकर कम रहेगी। इस राशि के कारोबारियों को आज के दिन अपने साझेदारों पर नजर बनाए रखने की जरुरत है, वो आपको नुक्सान पहुंचा सकते हैं। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सामने नई चुनौतियाँ आएंगी- ख़ास तौर पर अगर आप कूटनीतिक तरीक़े से चीज़ों को नहीं इस्तेमाल करेंगे तो। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाएगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज के दिन आप धन से समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। दोस्त और घर वाले आपको प्यार और सहयोग देंगे। वरिष्ठों का सहयोग और तारीफ़ आपके आत्मविश्वास और उत्साह को दोगुना कर देंगे। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आज आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 अक्टूबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 06:06 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा प्रातः 10:47 तक
योग : शोभन प्रातः 06:45 तक
करण : बव सायं 05:00 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक प्रातः 10:47 तक
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , सौभाग्य-लाभ-पांडव पंचमी , कार्तिक मासे दीप-दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के डीजीपी ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ राज्य स्तर पर कड़ी कार्रवाही के दिए निर्देश

जयपुर,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सक्रिय संगठित आपराधिक गैंगों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए शनिवार को राजस्थान पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की एक हाईलेवल बैठक आयोजित की गई। संबंधित पुलिस अधीक्षक, रेंज आईजी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्य में सक्रिय आपराधिक गैंगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना था। डीजीपी श्री शर्मा ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त तत्वों पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक में एजीटीएफ प्रभारी श्री दिनेश एम एन,एडीजी श्री बीजू जॉर्ज जोसफ, जयपुर पुलिस कमीश्नर श्री सचिन मित्तल, एडीजी अपराध शाखा श्री हवा सिंह, एटीएस/एसओजी के अधिकारी, अपराध शाखा के अधिकारी, बीकानेर, अजमेर, जोधपुर रेंज के अधिकारी, जयपुर व जोधपुर कमिश्नरेट के अधिकारी, 15 जिलों के एसपी, इन रेंज व जिलों के डीएसटी व साइबर सेल के प्रभारी उपस्थित रहे। डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधियों को हतोत्साहित करना और जनता में सुरक्षा की भावना बनाए रखना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में प्रत्येक पुलिसकर्मी को पूरी क्षमता से काम करना होगा। इस दौरान उन्होंने राजस्थान पुलिस की हर अपराध तथा हर परिस्थिति का सामना करने और जनसुरक्षा की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया।

गोष्ठी में डीजीपी शर्मा ने स्पष्ट कहा कि अब कार्रवाई केवल अपराधियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे आपराधिक तंत्र को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान में संगठित आपराधिक गैंगों, जो धमकी देने, वसूली करने और भय फैलाने का काम करते हैं, उनका और उनके सदस्यों का चिह्नीकरण करते हुए कठोर एवं प्रभावी क़ानूनी कार्यवाही की जावें। उन्होंने गैंगों के सहायक,सोशल मीडिया पर फॉलो व प्रमोट करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलों एवं रेंजों के प्रभारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में संगठित अपराधियों की जानकारी व उनको निष्क्रिय करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। डीजीपी ने कहा कि जिलों में गैंग के सक्रिय सदस्यों पर धारा 111 बीएनएस के तहत कार्यवाही की जाए, ताकि अपराधियों के हौसले पस्त हों। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों की सम्पत्ति जब्त करने, वित्तीय स्रोतों पर प्रहार करने और उनके सहयोगियों को भी कानूनी दायरे में लाने के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने समस्त राजस्थान पुलिस को टीम वर्क के रूप में कार्य करने, तकनीक पर जोर देने तथा परम्परागत तरीकों के साथ-साथ नवीन कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि चिह्नित अपराधियों और गैंगों के विरुद्ध समस्त सूचनाओं को आपस में साझा किया ताकि उन्हें जड़ से निष्क्रिय किया जा सके।

गोष्ठी में फायरिंग व मर्डर से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों में गिरफ्तारी शेष है, उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए। फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने और अदालतों में पेश चालान की स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी गई। उन्होंने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार कई स्थानों पर अपराधियों द्वारा धमकी भरे कॉल आने की शिकायतें मिली हैं। डीजीपी ने ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अपराधियों की धमकी या भय का वातावरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजस्थान में स्थापित होगा भारत का सबसे बड़ा सोलर-बैटरी एनर्जी प्रोजेक्ट

बीकानेर के पूगल में तैयारियां पूरी

जयपुर,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान जल्द ही भारत की सबसे बड़ी क्षमता वाले बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम से जुड़ा सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित करने जा रहा है। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने बताया कि यह परियोजना बीकानेर जिले के पूगल क्षेत्र में विकसित की जा रही है और इसे भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जा रहा है।

परियोजना की क्षमता 2,450 मेगावॉट सोलर पीवी और 1,250 मेगावॉट / 5,000 मेगावॉट-घंटा BESS की होगी – जो इसे देश का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा और भंडारण संयंत्र बनाती है। अजिताभ शर्मा के अनुसार, यह सौर पार्क ऐसे क्षेत्र में स्थापित किया जा रहा है जहां साल में 320 से अधिक धूप वाले दिन रहते हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन की दक्षता अत्यधिक बढ़ेगी। राजस्थान के पगल क्षेत्र को विश्व के सबसे अधिक सोलर इर्रेडिएशन वाले जोनों में से एक माना जाता है, जहां ऊर्जा उत्पादन क्षमता 2,000 किलोवॉट-घंटा प्रति वर्ग मीटर प्रति वर्ष से अधिक है।

यह परियोजना राजस्थान सोलर पार्क डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही है, जो राज्य की नोडल एजेंसी राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। परियोजना के लिए लगभग 4,780 हेक्टेयर सरकारी भूमि 99 वर्ष की लीज पर आवंटित की गई है। भूमि का पूर्ण स्वामित्व हस्तांतरण और म्यूटेशन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सभी भूखंड विवाद-मुक्त हैं और आवंटन के लिए तैयार हैं। परियोजना को 'प्लग-एंड-प्ले मॉडल' के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें सड़कों, ड्रेनेज सिस्टम, बाउंड्री फेंसिंग और साइट एक्सेस जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से विकसित की जा रही हैं।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत विशेष रेलगाड़ी रवाना

भरतपुर,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2025 के तहत विशेष रेलगाड़ी भरतपुर से रामेश्वरम्-मदुरई वाया सोगारिया-कोटा के लिए 500 वरिष्ठ नागरिकों को लेकर रवाना हुई। भरतपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए जिला कलेक्टर कमर चौधरी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सभी यात्रियों को फूलों की माला पहनाई गई, रजिस्ट्रेशन दिए गए और ट्रेन के एक कोच का फीता काटकर एक वरिष्ठ महिला यात्री को विशेष सम्मान दिया गया। इसके बाद कलेक्टर ने नारियल फोड़कर और यात्रियों से बातचीत कर उन्हें सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि इस योजना के तहत भरतपुर रेलवे स्टेशन से करौली और डीग जिलों के 500 और सोगारिया-कोटा रेलवे स्टेशन से कोटा और बूंदी जिलों के 470 वरिष्ठ नागरिक यात्रा में शामिल हैं। कुल 970 यात्री इस विशेष तीर्थ यात्रा में शामिल हैं।

यात्रा के दौरान सभी यात्रियों की देखभाल के लिए प्रत्येक कोच में 2 सरकारी कर्मचारी अनुदेशक के रूप में, एक डॉक्टर और 2 नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहेंगे। इससे सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी यात्री स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित रहें। जिला कलेक्टर ने यह भी बताया कि रेलगाड़ी हेतु वर्ष 2025-26 के मुख्य चयनित तीर्थ यात्रियों को व्यक्तिगत रूप से फोन और संदेश के माध्यम से सूचना दी गई थी। यात्रा में 8 दिन तक आवास, भोजन और अन्य व्यवस्थाएं देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा प्रदान की गई हैं। यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें निशुल्क यात्रा करने का अवसर मिला और यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी है।

10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप स्थापित करने की तैयारी : राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि दुनिया का कोई भी देश उद्योगों के बिना विकसित नहीं बन सकता। कृषि प्रधान हरियाणा को औद्योगिक विकास की नई पहचान देने के लिए राज्य सरकार ने आने वाले पांच वर्षों की विस्तृत औद्योगिक रूपरेखा तैयार की है, जिसके तहत 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (खचढी) विकसित किए जाएंगे। इनमें से दो गुरुग्राम के आसपास स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही, अप्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वभर के निवेशकों को हरियाणा में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

उद्योग मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम अब ग्लोबल सिटी का रूप ले चुका है, जहां लघु भारत ही नहीं बल्कि लघु विश्व की झलक दिखाई देती है। हमारा उद्देश्य है कि यह शहर औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन का आदर्श उदाहरण बने। इसके लिए हरित गुरुग्राम अभियान के तहत बड़ी औद्योगिक कंपनियों से उडठ फंड के माध्यम से सहयोग लिया जाएगा। राव नरबीर ने कहा कि वन विभाग ने गुरुग्राम और सोहना की सभी नर्सरियों को आदर्श हाइटेक नर्सरी के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की है। इनमें ऐसे पौधे तैयार किए जाएंगे जिन्हें एक-दो वर्ष बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में रोपा जा सके। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की आधुनिक नर्सरियों का अध्ययन कर हरियाणा में वैसी ही मॉडर्न नर्सरियों को विकसित किया जाएगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम को और अधिक सक्रियता से लागू किया जाए ताकि नए उद्यमों को ऋण के रूप में वित्तीय सहायता मिल सके। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 761 से अधिक मामलों को मंजूरी दी गई है और बैंकों के माध्यम से अब तक कुल लगभग 5064.40 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है।राव नरबीर ने कहा कि हरियाणा हरित क्रांति का अग्रदूत रहा है, और अब समय है कि राज्य औद्योगिक क्रांति का प्रतीक बने। उन्होंने कहा कि उद्योग और कृषि एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए दोनों क्षेत्रों को समान गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।

हरियाणा के सभी 20 हजार 629 बूथों पर रविवार को सुना जाएगा मन की बात कार्यक्रम : बड़ौली

चंडीगढ़,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी स्वदेशी अपनाने का संकल्प पत्र भरवा कर लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूकता का संदेश दे रही है। भाजपा की इस पहल पर लोग भी स्वदेशी अपनाने की शपथ ले रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी अपनाना आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करता है और इससे भारत की आर्थिक ताकत बढ़ती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 11 बजे मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी 20 हजार 629 बूथों पर भाजपा के कार्यकर्ता पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनेंगे और लोगों को भी इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। बड़ौली ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ता स्वदेशी अपनाने का संकल्प लें और अन्य लोगों को भी राष्ट्रहित में स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाएं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाने से घरेलू बाज़ार को बढ़ावा मिलता है और विदेशी आयात पर निर्भरता कम होती है तथा साथ ही रोजगार भी पैदा होते हैं। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वदेशी केवल एक आर्थिक नारा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और स्वाभिमान का एक आधार है। स्वदेशी अभियान देश में बनी वस्तुओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है, ताकि देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़े, स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा मिले, आयात कम हो, और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो।

धान-बाजरा खरीद में धोखाधड़ी पर होगी एफआईआर

दूसरे राज्य से धान की अवैध एंट्री पर सरकार सख्त

चंडीगढ़,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर किसान हित में कार्य कर रही है। प्रदेश में इन दिनों धान और बाजरे की फसल की खरीद का कार्य चल रहा है, लेकिन खरीद की आड़ में सरकार के साथ धोखाधड़ी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।मुख्यमंत्री आज यहां धान और बाजरा खरीद प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में सभी जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक भी ऑनलाइन जुड़े। बैठक में धान-बाजरा खरीद से जुड़ी व्यवस्थाओं, मंडियों की स्थिति, किसानों की शिकायतों और ई-खरीद प्रणाली की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी।

हरियाणा के सभी जिमों में महिला ट्रेनर अनिवार्य राज्य महिला आयोग का बड़ा कदम

चंडीगढ़,25 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में राज्य महिला आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने आदेश जारी कर अब प्रदेश के सभी जिमों और फिटनेस सेंटरों में महिला ट्रेनरों की नियुक्ति अनिवार्य कर दी है।

राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, जिम एक ऐसा स्थान है, जहां महिलाएं अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर जाना चाहती हैं। इस निर्णय से महिलाओं को आत्मविश्वास मिलेगा और वे बिना किसी झिझक के फिटनेस गतिविधियों में भाग ले सकेंगी। उन्होंने कहा कि जिमों में पुरुष और महिला सदस्यों के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं ताकि महिलाएं सुरक्षित और सहज माहौल में एक्सरसाइज कर सकें। जिम में महिलाओं के साथ कोई गलत काम न हो, इसका विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है।

रेनू भाटिया ने बताया कि हरियाणा में इसे 'हरियाणा महिला सुरक्षा मॉडल' के रूप में लागू किया जाएगा। आयोग ने सभी जिम संचालकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर महिला ट्रेनरों की नियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आदेशों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

शुरुआत में यह योजना गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला, करनाल और हिसार जैसे शहरी जिलों में लागू की जाएगी, जहां महिलाओं की जिम में भागीदारी सबसे अधिक है। आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया स्वयं विभिन्न जिलों का निरीक्षण करेंगी ताकि नियमों के पालन की पुष्टि की जा सके।

भाटिया ने कहा कि सिर्फ जिम ही नहीं, बल्कि महिलाओं के सुरक्षित सफर के लिए भी आयोग ने एक और पहल शुरू की है। अब इच्छुक महिलाओं को कार ड्राइविंग की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिससे वे कैब चलाकर आत्मनिर्भर बन सकें।यह निर्णय उन शिकायतों के बाद लिया गया है, जिनमें महिलाओं ने कैब ड्राइवरों द्वारा छेड़छाड़ की शिकायतें की थीं। प्रशिक्षित महिला ड्राइवरों को कैब सेवाओं से जोड़कर सुरक्षित महिला कैब नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

महिला ट्रेनर और महिला ड्राइवर कार्यक्रम महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में हरियाणा सरकार का महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।यह कदम उन महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ा है जो जिम में ट्रेनिंग के दौरान असहज महसूस करती हैं या अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती हैं।

बेंगलूरु टनल रोड विवाद: डीके शिवकुमार ने तेजस्वी सूर्या को बताया खाली डिब्बा

भाजपा पर भी जमकर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में टनल रोड परियोजना को राजानीति विवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। ऐसे में अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को टनल रोड परियोजना का विरोध करने पर आड़े हाथों लिया। शिवकुमार ने पूछा कि तेजस्वी और उनकी पार्टी ने बंगलूरू के ट्रैफिक की समस्या को हल करने में क्या योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी विरोध करे, मुझे फर्क नहीं पड़ता। भाजपा केवल पीआईएल डाल रहे हैं। भाजपा कर्नाटक सरकार को अच्छा नाम कमाने नहीं देना चाहते।

इस दौरान जमीन अधिकरण को लेकर भी शिवकुमार ने कर्नाटक सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए कोई जमीन अधिग्रहित नहीं की जा रही, केवल क्राइस्ट कॉलेज/यूनिवर्सिटी के पास थोड़ा सा हिस्सा इस्तेमाल होगा। उन्होंने कहा कि इतिहासिक लालबाग को कोई नुकसान नहीं होगा, यह टनल भूमिगत होकर गुजरेगा।

शिवकुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि सिर्फ एक छोटा हिस्सा अस्थायी रूप से इस्तेमाल करेंगे और बाद में उसे पार्क में बदल देंगे। इसके साथ ही तेजस्वी सूर्या को 'खाली डिब्बा' कहते हुए शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा ने सत्ता में रहते हुए बंगलूरू के लिए कोई सार्थक काम नहीं किया। सूर्या के यह कहने पर कि टनल केवल अमीरों के लिए है। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि हां, यह उनके लिए है जिनके पास पैसा है। तेजस्वी हमें बताएं कि बंगलूरू ट्रैफिक हल करने की उनकी योजना क्या है?

शिवकुमार ने सूर्या पर आरोप लगाया कि उन्होंने सांसद रहते हुए पीएमएलएडी फंड का इस्तेमाल नहीं किया, शहर में सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर निर्माण या कचरा प्रबंधन की योजना नहीं बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने शहर की बुनियादी ढांचा को भी बिगाड़ा, इसलिए जनता ने हमें 224 सदस्यीय विधानसभा में 140 सीटें दी। शिवकुमार ने यह भी बताया कि बी-खाता संपत्तियों को ए-खाता में बदलने का कदम जनता के लिए सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में है।

उन्होंने कहा कि लोग आवेदन कर रहे हैं और इसे जनता ने सराहा है। शिवकुमार ने सवाल किया कि भाजपा ने क्यों शहर की संपत्तियों को स्कैन नहीं किया। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और जनता के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। हमारी छठी गारंटी सही दस्तावेज देना है।

विस्फोट की गहन जांच हो

मृतकों के परिवार को मुआवजा और घायलों को मुफ्त इलाज मिले: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने शहर के के.आर.पुरा विधानसभा क्षेत्र के त्रिवेणीनगर में हुए बड़े विस्फोट की गहन जांच की मांग की है।

विस्फोट स्थल का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि के.आर.पुरा विधानसभा क्षेत्र के त्रिवेणीनगर में सुबह हुए विस्फोट में एक महिला की मौत हो गई। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने लाने के लिए एक ईमानदार फोरेंसिक रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं से लोग डरे हुए हैं। इतने बड़े और मजबूत घर के गिरने का कोई ठोस कारण जरूर होगा। उन्होंने इस बात की जांच की मांग की कि विस्फोट का कारण गैस थी या कोई और विस्फोटक। उन्होंने सरकार से मृतकों को तुरंत मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार घायलों का मुफ्त इलाज करे। इस दुर्घटना से आस-पास के घरों को भी परेशानी हुई है। पड़ोसियों को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि खिड़कियां बहुत ऊपर तक टूट गई हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी, दमकल विभाग और अन्य लोग आकर मदद कर रहे हैं। विस्फोट के दोषियों की पहचान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी माग की कि आस-पास के घरों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए। उन्हें जानकारी मिली है कि यह भारत पेट्रोलियम का सिलेंडर था। उन्होंने कहा कि इसकी भी जांच होनी चाहिए।

राजस्थान समाज बोम्मनहल्ली ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरू में राजस्थान समाज बोम्मनहल्ली का दीपावली स्नेह मिलन बहुत धूमधाम से मनाया गया।

आरपीआर कल्याण मंडप में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गणेशजी को याद करके किया गया, जिसमें सभी ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। संस्था के अध्यक्ष मदनलाल घांची, सचिव बाबूलाल सोलंकी, कोषाध्यक्ष चिमनाराम मुलेवा, पूर्व अध्यक्ष छेलाराम काग, पूर्व उपाध्यक्ष थानाराम पटेल और अन्य पदाधिकारियों ने भी इस अवसर पर सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विस्फोट स्थल देखकर हूं स्तब्ध: बसवराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री और विधायक बिरती बसवराज ने कहा कि शहर के के.आर.पुरा विधानसभा क्षेत्र के त्रिवेणीनगर में हुए बड़े विस्फोट स्थल को देखकर वह स्तब्ध हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विस्फोट में आ-रसीसी मकान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

क्या विस्फोट का कारण गैस सिलेंडर था? मुझे अभी तक इस बारे में सटीक जानकारी नहीं मिली है कि क्या यह किसी अन्य विस्फोटक के कारण हुआ था। मैंने पुलिस अधिकारियों से भी बात की है।

उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिवार को जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए। घायलों की मदद की जाए। प्रभावित हुए आस-पास के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। उन्होंने घटना की गहन जांच की मांग की। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि क्या यह गैस सिलेंडर विस्फोट के कारण हुआ होगा। उन्होंने कहा कि वह संदेह दूर करने के लिए गहन जांच की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जानी चाहिए कि क्या विस्फोटकों को इस तरीके से संग्रहित किया गया था और उनमें विस्फोट किया गया था।

आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ की संयुक्त कार्रवाई समिति ने 6 नवंबर से बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में हड़ताल करने का फैसला किया है। उनकी मांग है कि 1975 से लगातार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रूप में कार्यरत और 2011-12 से सेवानिवृत्त सभी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार ग्रेच्युटी (सेवानिवृत्ति भत्ता) दिया जाए। शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, संघ की महासचिव एम. जयम्मा ने कहा सर्वोच्च न्यायालय ने 25 अप्रैल, 2022 को फैसला सुनाया है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 के तहत ग्रेच्युटी प्राप्त करने की पात्र हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का काम अंशकालिक नहीं, बल्कि पूर्णकालिक है। हालाँकि, सरकार उन्हें उचित वेतन और अन्य लाभ नहीं दे रही है।

उन्होंने तर्क दिया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलने वाला पारिश्रमिक भी वेतन की परिभाषा के अधीन है। उन्होंने मांग की कि 2023 के बाद सेवानिवृत्त होने वालों को ग्रेच्युटी प्रदान करने के सरकार के फैसले में संशोधन किया जाना चाहिए और यह ग्रेच्युटी उन सभी पर लागू होनी चाहिए जो 1975 से सेवा में शामिल हुए और 2011-12 से सेवानिवृत्त हुए।

भारत में बन रहे थे नेपाल के लोगों के पैन कार्ड

बिहार में सनसनीखेज खुलासे के बाद मच गया हड़कंप

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। भारतीय क्षेत्र में नेपाली लोगों का पैन कार्ड बनता था। यह बात जानकर हर कोई थोड़ी देर के लिए आश्चर्य करेगा और हैरान होगा, लेकिन यह हकीकत है। बॉर्डर इलाके में कुछ ऐसे लोग हैं, जो पैसे की अवैध कमाई के लिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने से नहीं हिचकते हैं। कुछ दिन पहले भारत-नेपाल सीमा से सटे सीतामढ़ी जिले के विभिन्न चौक-चौराहों पर छापेमारी कर अवैध रूप से विदेशी लोगों का आधार कार्ड बनाने के आरोप में कई धंधेबाजों को गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, पुलिस मुख्यालय, पटना की सूचना पर अब विदेशी लोगों का अवैध रूप से पैन कार्ड बनाने की दुकान का खुलासा कर पुलिस ने एक धंधेबाज को भी गिरफ्तार किया है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर से सटे चौक-चौराहों से देश विरोधी गतिविधियों के साथ ही तस्करी का धंधा बंद नहीं हो रहा है, बल्कि और फैलते ही जा रहा है। शराब, गांजा समेत अन्य समान की तस्करी आम बात है। पुलिस ने नेपाल के लोगों का भारतीय पैन कार्ड बनाने के एक 'कारखाने' का खुलासा कर वहां एक साथ 30 पैन कार्ड जब्त किए है। जांच में सभी पैन कार्ड नेपाल के लोगों के ही नाम के मिले हैं। यह सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन हैरान है।

खेसारी लाल यादव ने सम्राट चौधरी पर कर दिया तगड़ा हमला

मैं एक लेकिन सम्राट की टीम में 4 नचनियां

छपरा (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत में जुबानी जंग तेज हो गई है। अब भोजपुरी एक्टर-सिंगर और छपरा सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रत्याशी खेसारी लाल यादव ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयान पर पलटवार किया है। दरअसल, सम्राट चौधरी ने खेस-ारी लाल यादव को 'नाचने वाला' कहकर तंज कसा था।

सम्राट चौधरी के उसी नचनियां वाले बयान पर खेसारी लाल यादव ने कहा कि 'पहले सम्राट चौधरी अपने घर में झांककर देखें और बताएं कि उन्होंने अपनी पार्टी में चार नचनियां को टिकट क्यों दिया है?' खेसारी लाल यादव ने बातचीत में आगे कहा, 'सम्राट भैया मेरे बड़े भाई जैसे हैं, मुझे उनका आशीर्वाद चाहिए। वो जैसे घर और माहौल से आते हैं, वैसे ही बोलते हैं। लेकिन मेरी परवरिश और संस्कार ऐसे नहीं हैं कि मैं उनके बारे में कुछ गलत कहूं।' खेसारी लाल यादव ने बिहार के विकास को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में अब तक वास्तविक विकास नहीं हुआ है, इसलिए सब कुछ शुरुआत से करना होगा।

उन्होंने कहा, हम मरते दम तक बिहार के विकास के लिए काम करेंगे।

मैं अपने क्षेत्र छपरा का चेहरा बदल दूंगा।' जब उनसे पूछा गया कि जीतने के बाद वे क्या बदलाव लाना चाहेंगे, तो खेसारी ने कहा, 'अभी तो बहुत कुछ करना बाकी है। हमें बिहार में शुरुआत से शुरुआत करनी है। मैं आखिरी सांस तक इसके लिए संघर्ष करता रहूंगा।'

वहीं, भोजपुरी गानों में अश्ली-लता के आरोपों पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा, 'यह सिर्फ मनोरंजन है। मेरे गानों का छपरा के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। लोगों को मनोरंजन चाहिए और मैं वही करता हूं।' बिहार की सियासत में अब भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव की एंट्री ने चुनावी मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। उनके बयानों से यह साफ है कि वे इस बार राजनीति में पूरी गंभीरता के साथ उतर चुके हैं।

रेलवे स्टेशन पर बिहारियों को पीटा गया, चुनाव से पहले प्रशांत किशोर ने छठ पूजा में खोज लिया मुद्दा

पश्चिम चंपारण (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की सरगर्मी के बीच सभी दल मैदान में उतर आए हैं। जन सुराज पार्टी का चुनाव प्रचार भी जारी है। शुक्रवार को जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर ने पश्चिमी चंपारण में एक जनसभा को संबोधित किया। मीडिया से बातचीत के दौरान, पीके ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पहले बिहार में बूथ लूटे जाते थे। अब अमित शाह ने 'उम्मीदवार लूटने' की नई परंपरा शुरू कर दी है। उन्होंने हमारे 3-4 उम्मीदवारों को 'लूटा', तो आज गोपालगंज में हमने एक उम्मीदवार को ब्याज समेत लौटा दिया। बाकी का हिसाब बिहार की जनता चुकाएगी।

संदर्भ के लिए, जन सुराज पार्टी ने गोपालगंज में निर्दलीय उम्मीदवार अनूप श्रीवास्तव को समर्थन देने की घोषणा की है। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि जनता देख रही है कि कैसे ये गुजराती लोग दिल्ली में बैठकर बिहार का भविष्य तय कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि बिहार मजदूरों का कारखाना बना रहे। वे चाहते हैं कि बिहार के बच्चे मजदूरी करने जाएं और गुजरात के लोग कारखाने के मालिक बने रहें। प्रशांत किशोर यहीं नहीं रुके; उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की भी आलोचना की।

उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने छठ पूजा के लिए बिहार के लिए 12,000 ट्रेनें चलाने का वादा किया था, लेकिन बिहार के लो-गों को देश भर के स्टेशनों पर लाठियों से पीटा जा रहा है, धक्का-मुक्की की जा रही है और उन्हें शौचालय में बैठकर यात्रा करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

प्रशांत किशोर ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने तीन सीटों पर जन सुराज उम्मीदवारों पर दबाव डालकर उन्हें चुनाव लड़ने से रोका है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि दानापुर , गोपालगंज और ब्रह्मपुर सीटों पर अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अन्य भाजपा नेताओं ने जन सुराज उम्मीदवारों पर दबाव डाला, उन्हें या तो नामांकन दाखिल नहीं करने या उसे वापस लेने के लिए मजबूर किया।

महुआ में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम और होगा भारत- पाक मैच

तेज प्रताप यादव की सियासी घोषणा से युवाओं में हलचल

वैशाली (एजेंसियां)। चुनाव पूर्व एक साहसिक घोषणा में, लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के नेता तेज प्रताप यादव ने महुआ को क्रिकेट के केंद्र में बदलने का वादा किया। तेज प्रताप यादव ने मीडिया से बातचीत में महुआ में एक क्रिकेट स्टेडियम बनाने और वहां भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच आयोजित करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि महुआ में एक क्रिकेट स्टेडियम भी बनेगा और मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच खेला जाए। महुआ में मेरा कोई मुकाबला नहीं है... जेपी लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और लालू प्रसाद यादव समेत कई वरिष्ठ नेता 'जननायक' हैं। तेजस्वी जननायक नहीं हो सकते क्योंकि वे मेरे पिता की बदौलत यहाँ तक पहुंचे हैं... मैं अब लालटेन (राजद) में नहीं हूं... मुझे किसी पद का लालच नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर राजद में मुझे कुछ भी ऑफर किया जाता है, तो मैं उसे ठुकरा दूँगा। मैं कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं करूंगा...। तेज प्रताप ने अपने छोटे भाई और महागठबंधन के सीएम उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जननायक नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह हमारे पिता की वजह से इस पद पर पहुंचे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब वह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का हिस्सा नहीं हैं और न ही किसी राजनीतिक पद की लालसा रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर राजद मुझे कुछ भी ऑफर करे, तो मैं उसे ठुकरा दूंगा और कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं करूंगा।

जनशक्ति जनता दल के नेता ने अपने हालिया चुनाव-पूर्व घोषणा पत्र में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच का ज़िक्र किया, जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाकिस्तान के साथ सभी द्विपक्षीय संबंध निलंबित कर दिए हैं। यह निलंबन पहलगाम आतंकी हमले और 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में 26 नागरिकों की हत्या के बाद शुरू किए गए भारत के आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ है। बीसीसीआई की नीति सरकार के इस रुख को प्रतिबिंबित करती है कि खेल और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com